₹ 20

www.kewalsach.com

निर्भीकता हमारी पहचान

नवम्बर 2024

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

RNI NO.- BIHHIN/2006/18181, DAVP NO.-129888, POSTAL REG. NO. 8- PS-35

अबुआ राज
अबुआ सरकार

जन-जन की आवाज है केवल सच

निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
Kewalsach news
खबर वहीं,
जो केवल सच हो

केवल सच TIMES

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI
G Pay paytm

www.kewalsach.com www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

www.shruticommunicationtrust.org

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

निर्भीकता हमारी पहचान

www.kewalsach.com

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar) Mob.-09431073769
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Vaishnavi Enclave, Second Floor, Flat No. 2B, Near-firing range, Bariatu Road, Ranchi- 834001
E-mail :- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha, A-68, 1st Floor, Nageshwar Talla Shastri Nagar, New Delhi - 110052
Mob.- 09868700991, 09955077308
E-mail:- kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube, 131 Chitranjan Avenue, Near- md. Ali Park, Kolkata- 700073 (West Bengal)
Mob.- 09433567880 09339740757

Advertisement Rates Per Issue

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE	Qr. PAGE
COLOUR	Cover Page	5,00,000/-	N/A	N/A
	Back Page	1,60,000/-	N/A	N/A
	Back Inside	1, 00000/-	60,000/-	35000
	Back Inner	90,000/-	50,000/-	30000
	Middle	1,50,000/-	N/A	N/A
	Front Inside	1, 00000/-	60,000/-	40000
	Front Inner	90,000/-	50,000/-	30000

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
B & W	Inner Page	60,000/-	35,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsach.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

..... के चंगुल में बिहार-झारखंड!

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

भारत में कितने बेईमान एवं भ्रष्ट हैं इसका खुलासा अब होने लगा है और ईडी की बढ़ती साख की वजह से मुख्यमंत्री भी अब जेल जाने लगे हैं या फिर राजनीतिक महत्वकांक्षा के लिए जेल भेजे जा रहे हैं उसकी पटकथा लगातार लिखी जाने लगी है। राजनीतिक अस्थिरता की वजह से 2014 के बाद भारत देश में एक से बढ़कर एक कारनामे खुलकर सामने आने लगे हैं कि किस प्रकार गरीबी के दलदल से निकलकर राज्य के मुख्यमंत्री के पद तक का सफर तय करने वाले किस प्रकार अपने सात पुश्तों के लिए अवैध ही सही पर पूंजी जमा करने में सफल हो रहे हैं। 1947 में मिली आजादी का मूल महत्व को लोग आज भी नहीं समझ पा रहे हैं भले ही आजादी का अमृत महोत्सव मनाकर गुलामी की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। दिल्ली के अरबिन्द केजरीवाल एवं झारखंड के हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए घोटाले के आरोप में जेल गये और लंबे समय तक रहे, वैसे में लालू यादव का जेल जाना और बाहर आने की राजनीति को अब आवाम भी समझने लगी है। देश के कानून पर विश्वास है मीडिया पर कहने वाले देश के जांच एजेंसी पर भरोसा नहीं करती और वह सरकार का तोता है कहकर उसकी खिल्ली उड़ाई जाती है। सीबीआई के बाद ईडी का बढ़ता वर्चस्व को भी केन्द्र सरकार का हांथ की कठपुतली है कहकर मजाक उड़ाया जाता है। झारखंड की आईएएस पूजा सिंघल और बिहार के आईएएस संजीव हंस की करतूत ने दोनों सरकार के क्रिया-कलाप को कलंकित किया है। यह दोनों पदाधिकारी तो सार्वजनिक हो चुके हैं लेकिन जिस प्रकार दोनों राज्यों में भ्रष्ट अफसरों, राजनेताओं और माफियाओं का गठजोड़ बन गया है उसके चंगुल से इन राज्यों को बाहर निकालना बड़ी चुनौती है। बिहार का सृजन घोटाला और मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड का उद्भेदन अगर सही ढ़ंग से ईडी करे तो सरकार गिर जायेगी और विपक्ष के मुंह पर पहले से घोटाले के आरोप में कालिख पुती हुई है इसलिए वन मौन रहकर इसका समर्थन कर रही है। 05 साल की सरकार में एक बार लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय के चुनाव में 02 साल बर्बाद हो जाते हैं और शेष बचे 03 साल में अस्थिर सरकार को चलाने के लिए गठजोड़ बनाने में, वैसे में आमजनता को जातिवाद एवं धर्मवाद की राजनीति की चासनी में वोटरों को डुबकी लगाने पर मजबूर किया जाता है। झारखंड के चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा क्योंकि जिस प्रकार नेताओं की भीड़ मुख्यमंत्री के लिए है और उनका नाम पर्दे के पीछे रखकर मोदी का नाम पर लड़ना चाहती है लेकिन बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में बटेंगे तो कटेंगे का नारा कारगर सिद्ध नहीं होगा। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे एवं शरद पवार को मुंह की खानी पड़ेगी का महौल बना हुआ है। बिहार एवं झारखंड में राजनेताओं से ज्यादा राजनीति पदाधिकारी करने लगे हैं जिसकी वजह से भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है और राजनेताओं पर से जनता का विश्वास उठता रहा है। बिहार में शराब बंदी के नाम पर माफियागिरी कायम है तो झारखंड में कोयला के नाम पर माफियागिरी का खेल बदस्तूर जारी है और इस मामले का खुलासा खुद सरकारी जांच एजेंसी कर रही है। पदाधिकारी का बढ़ता वर्चस्व की वजह से आमजनता भी बहुत सारी परेशानी उन तक पहुंचाने में असफल हो रही है। विधायक एवं सांसद से ज्यादा प्रभाव पदाधिकारियों का बन चुका है और नीजी कंपनी आउटसोर्स पर काम लेकर किस प्रकार बेरोजगार युवको से नौकरी के नाम पर जमकर वसूली की जा रही है। बिहार और झारखंड की खनिज संपदा और श्रम शक्ति का दोहन जिस प्रकार हो रहा है उसका संरक्षण कर पाने में सरकार विफल हो रही है तथा सरकार भी अप्रत्यक्ष रूप से सरकार भी पदाधिकारियों के कंधे पर रखकर राजनीति कर रही है इस वजह से अब पदाधिकारी जेल जाने लगे हैं।

खूंखार अपराधियों एवं खनीज संपदाओं को लूटने वाले माफियाओं के साथ - साथ गंदी राजनीति के दल-दल में फंसी इन प्रदेशों के भ्रष्ट अफसरों के चुंगल में फंसा देश का यह दोनों प्रदेश को कोई सरकार नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से भगवान चला रहे हैं अन्यथा जिस प्रकार बिहार मोक्ष की धरती तो प्रकृति के गोद में बसा झारखंड की जनता काफी खुशहाल रहती। सीबीआई और अब ईडी भी इन प्रदेश के नेता, अफसर की करतूत से परिचित हो चुका है कि किस स्तर पर यह राजस्व पर डाका डालते हैं और जनता के अरमानों का गला घोंट देते हैं। खुद का लाभ हो उसके लिए स्मार्ट मीटर का खेल करके अपने लिए कुबेर का खजाना हासिल कर लिया तो झारखंड का कोयला का खेल से कई सफेदपोश लोगों के दामन पर दाग लगा चुका है। सरकार के बजाय दोनों प्रदेश अपराधियो, अफसरों एवं भ्रष्ट नेताओं के चंगुल में फंस चुका है। ज्वाईनिंग, तबादला, प्रमोशन बढ़िया जगह पोस्टिंग से लेकर प्रपत्र- 'क' का खेल से आमजनता भी परेशान है क्योंकि दूसरे के पास किये भुगतान की वसूली आवाम से ही की जाती है। अंग्रेजों से मुक्ति तो मिल गयी लेकिन इन दोमुहे भ्रष्टों के चंगुल से कौन बचायेगा? इन दोनों राज्यों में बिना नजराने का जाति प्रमाण-पत्र नहीं मिलता, वहां विकास की गाथा कैसे....

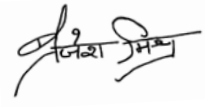

अक्टूबर 2024

आपको केवल सच पत्रिका कैसी लगी तथा इसमें कौन-कौन सी खामियाँ हैं, अपने सुझाव के साथ हमारा मार्गदर्शन करें। आपका पत्र ही हमारा बल है। हम आपके सलाह को संजीवनी बूटी समझेंगे।

केवल सच

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

हमारा पता है :- **द्वारा:- ब्रजेश मिश्र**

पूर्वी अशोक नगर, रोड़ नं.- 14, मकान संख्या- 14/28

कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)

फोन:- 9431073769/ 8340360961/ 9955077308

हमारा ई-मेल kewalsach@gmail.com, editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

साइबर अपराध

संपादक जी,

अक्टूबर 2024 अंक में केवल सच पत्रिका में मिथिलेश कुमार की खबर ''**साइबर अपराध में जामताड़ा को पीछे धकेल रहा है नवादा**'' में आपने वर्त्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या को बड़ी बेबाकी के साथ लिखा है तथा सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आवाम के साथ प्रशासन का भी ध्यान आकृष्ट करता है। नवादा पुलिस ने साइबर अपराधियों की बड़ी गैंग को धर दबोचा है लेकिन इस रैकेट को समाप्त करना बहुत जरूरी है अन्यथा इनका कालाबाजारी का रूप बदलता जा रहा है। पठनीय खबर है सजग रहें।

✦ कमलेश सिंह, वजीरगंज बाजार, गया

जनसुराज का गठन

ब्रजेश जी,

अक्टूबर 2024 अंक में अमित कुमार की कवर स्टोरी ''सियासी सूरमाओं को देगी चुनौती'' में पी के की नई पार्टी 'जन सुराज' का गठन पर बहुत ही सटीक एवं सार्थक विश्लेषण किया गया है। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर एवं उनकी नई पार्टी जनसुराज का क्या वजूद रहेगा और किस प्रकार बिहार के विभिन्न पार्टियों का मुकाबला करेगा इस पर काफी विस्तार से लिखा गया है और उनकी कूटनीति से किस गठबंधन को लाभ होगा इसका भी इशारा किया गया है। ऐसी खबरें वोटरों की आंख खोलती है।

✦ अमरजीत सिंह, बाबू बाजार, कोलकात्ता

बलात्कार और एफआईआर

मिश्रा जी,

अक्टूबर 2024 अंक में सोनू यादव की खबर ''**हत्या और सामूहिक बलात्कार के साढ़े पांच महीने बाद हुई एफआईआर**'' में पुलिस प्रशासन की लापरवाही का जीता जागता प्रमाण है कि किस प्रकार बिहार में सुशासन का राज स्थापित हो रहा है। ऐसी सैकड़ों घटनाएं है जिनमें पुलिस की लापरवाही की वजह से अपराधियों का मनोबल बढ़ जाता है। एक एफआईआर करवाना भी वह भी राजधानी के आस-पास का थाना में। बृजबिहारी हत्याकांड की खबर भी पठनीय है और जानकारीप्रद है कि बिहार में कैसे अपराध का वर्चस्व कायम था।

✦ ललित यादव, टावर चौक, नवादा, बिहार

बिहार!

मिश्रा जी,

आपकी पत्रिका का संपादकीय वास्तव में आम आदमी की भाषा में संपादकीय के माध्यम से लोगों को जागरूक करने एवं घटित घटनाओं से रूबरू कराता है। अक्टूबर 2024 अंक में आपका संपादकीय ''**क्या सच में बदलेगा बिहार**'' में 1947 से 1990 तक कांग्रेस, 1990 से 2005 लालू-राबड़ी की सरकार तथा 2005 से लगातार अभी तक नीतीश कुमार की सरकार पर सटीक विश्लेषण करके विचारों को रखने का साहस किया गया है। अगर केवल सच रंगीन पृष्ठों में प्रकाशित होने लगेगा तो इसके पाठकों की संख्या भी बढ़ेगी। संपादकीय सटीक एवं उपयोगी है।

✦अरूण प्रजापति, 118 अशोक नगर, नई दिल्ली

फ्लाईओवर शुरू

संपादक जी,

झारखंड की राजनीतिक खबरों को भी अब **केवल सच**, पत्रिका नियमित रूप से प्रकाशित करने लगा है। अक्टूबर अंक 2024 में में ओम प्रकाश की खबर ''**मुख्यमंत्री ने कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास**'' में राँची की वर्षो से बन रही कांटाटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन की सूचना काफी उत्साहजनक है क्योंकि इससे जाम की समस्या पर विराम लगेगा। साथ ही साथ प्रदेश में यात्रा सुलभ हो उसके लिए कई परियोजनाओं का शिलान्यास आवाम में सकरात्मक संदेश देगी। ऐसी जानकारीप्रद खबरों को प्राथमिकता से प्रकाशित होना चाहिए।

✦ केशव उरांव, कांटाटोली बस स्टैण्ड, रांची

अराजकता और हिंसा

संपादक जी,

उत्तरप्रदेश में अपराध की घटना का होना आम बात है क्योंकि इस प्रदेश को माफियाओं का प्रदेश के रूप में पहचान होता है तथा हिन्दुओं के पर्व-त्योहार पर अपराध एवं हिंसा की घटनाओं को राजनीतिक षडयंत्र के तहत अंजाम दिया जाता है। केवल सच, पत्रिका के अक्टूबर 2024 अंक में संजय सक्सेना की खबर ''**हिन्दुओं के त्योहार पर हीं क्यों फैलती है अराजकता और हिंसा**'' में बहराइच में रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सटीक खबर को पाठकों को समक्ष रखा गया है। केवल सच में यूपी की खबर को भी स्थान मिलने लगा है।

✦ मोहन श्रीवास्तव, कुशीनगर बाजार, यूपी

अन्दर के पन्नों में

21

30

दरभंगा एम्स का किया शिलान्यास...67

81

RNI No.- BIHHIN/2006/18181, DAVP No.- 129888

समृद्ध भारत खुशहाल भारत

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष:- 19, | अंक:- 222, | माह:- नवम्बर 2024, | मूल्य:- 20/- रू

फाउंडर

श्रद्धेय गोपाल मिश्र

श्रद्धेय सुषमा मिश्र

संपादक

ब्रजेश मिश्र

9431073769 8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com

kewalsach@gmail.com

प्रधान संपादक

अरूण कुमार बंका 7782053204

सुरजीत तिवारी 9431222619

निलेन्दु कुमार झा 9431810505, 8210878854

सच्चिदानन्द मिश्र 9934899917

रामानंद राय 9905250798

डॉ० शशि कुमार 9507773579

दिनेश कुमार सिंह 9470829615

सोहन कुमार 7004120150, 9334714978

मुकेश कुमार साव 9709779465

संपादकीय सलाहकार

अमिताभ रंजन मिश्र 9430888060, 8873004350

अमोद कुमार 9431075402

महाप्रबंधक

त्रिलोकी नाथ प्रसाद 9308815605, 9122003000

triloki.kewalsach@gmail.com

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

पूनम जयसवाल 9430000482, 9798874154

मनीष कुमार कमलिया 9934964551, 8809888819

उप-संपादक

अरबिन्द मिश्रा 9934227532, 8603069137

प्रसुन्न पुष्कर 9430826922, 7004808186

ब्रजेश सहाय 7488696914

ललन कुमार 7979909054, 9334813587

पंकज कुमार सिंह 9693850669 , 9430605967

संयुक्त संपादक

अमित कुमार 'गुड्डू' 9905244479, 7979075212

राजीव कुमार शुक्ला 9430049782, 7488290565

काशीनाथ गिरी 9905048751, 9431644829

सहायक संपादक

शशि रंजन सिंह 8210772610, 9431253179

मिथिलेश कुमार 9934021022, 9431410833

नवेन्दु कुमार मिश्र 9570029800, 9199732994

ऋषिकेश पाण्डेय 7488141563, 7323850870

कामोद कुमार कंचन 8971844318,

समाचार प्रबंधक

सुधीर कुमार मिश्र 9608010907

ब्यूरो-इन-चीफ

संकेत कुमार झा 9386901616, 7762089203

बिनय भूषण झा 9473035808, 8229070426.

.

विधि सलाहकार

शिवानन्द गिरि 9308454485

रवि कुमार पाण्डेय 9507712014

चीफ क्राइम ब्यूरो

सैयद मो० अकील 9905101976, 8521711976

आनन्द प्रकाश 9508451204, 8409462970

साज-सज्जा प्रबंधक

अमित कुमार 9905244479

amit.kewalsach@gmail.com

कार्यालय संवाददाता

सोनू यादव 8002647553, 9060359115

प्रसार प्रतिनिधि

कुणाल कुमार 9905203164

बिहार प्रदेश जिला ब्यूरो

पटना (श०)	:-	श्रीधर पाण्डेय	9470709185
(म०)	:-	गौरव कुमार	9472400626
(ग्रा०)	:-	मुकेश कुमार	7004761573
बाढ़	:-		
भोजपुर	:-	गुड्डू कुमार सिंह	8789291547
बक्सर	:-	बिन्ध्याचल सिंह	8935909034
कैमूर	:-		
रोहतास	:-	अशोक कुमार सिंह	7739706506
	:-		
गया (श०)	:-	सुमित कुमार मिश्र	7667482916
(ग्रा०)	:-		
औरंगाबाद	:-		
जहानाबाद	:-	नवीन कुमार रौशन	9934039939
अरवल	:-	संतोष कुमार मिश्रा	9934248543
नालन्दा	:-		
	:-		
नवादा	:-	अमित कुमार	9934706928
	:-		
मुंगेर	:-		
लखीसराय	:-		
शेखपुरा	:-		
बेगूसराय	:-		
	:-		
खगड़िया	:-		
समस्तीपुर	:-		
जमुई	:-	अजय कुमार	09430030594
वैशाली	:-		
	:-		
छपरा	:-		
सिवान	:-		
	:-		
गोपालगंज	:-		
	:-		
मुजफ्फरपुर	:-	.	
	:-		
सीतामढ़ी	:-		
शिवहर	:-		
बेतिया	:-	रवि रंजन मिश्रा	9801447649
बगहा	:-		
मोतिहारी	:-	संजीव रंजन तिवारी	9430915909
दरभंगा	:-		
	:-		
मधुबनी	:-		
	:-	प्रशांत कुमार गुप्ता	6299028442
सहरसा	:-		
मधेपुरा	:-		
सुपौल	:-		
किशनगंज	:-		
	:-		
अररिया	:-	अब्दुल कय्यूम	9934276870
पूर्णिया	:-		
कटिहार	:-		
भागलपुर,	:-		
(ग्रा०)	:-	रवि पाण्डेय	7033040570
नवगछिया	:-		

दिल्ली कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर, न्यू
दिल्ली-110052
संजय कुमार सिन्हा, स्टेट हेड
मो०- 9868700991, 9431073769

उत्तरप्रदेश कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
....., स्टेट हेड

सम्पर्क करें

9308815605

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
अजीत कुमार दुबे, स्टेट हेड
मो०- 9433567880, 9308815605

मध्य प्रदेश कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
अभिषेक कुमार पाठक, स्टेट हेड
मो०- 8109932505,

झारखंड कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव,
द्वितीय तल, फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001

छत्तीसगढ़ कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,

....., स्टेट हेड

सम्पर्क करें

8340360961

संपादकीय व प्रधान कार्यालय:-

☞ पूर्वी अशोक नगर, रोड नं:-14, मकान संख्या:- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार) मो०- 9431073769, 9955077308

☞ .e-mail:- kewalsach@gmail.com, e ditor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

☞ स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा सांध्य प्रवक्ता खबर वर्क्स, ए- 17, वाटिका विहार (आनन्द विहार), अम्बेडकर पथ, पटना 8000 14(बिहार) एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। RNI NO.-BIHHIN/2006/18181

☞ पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

☞ सभी प्रकार के वाद-विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।

☞ आलेख पर कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।

☞ किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।

☞ **सभी पद अवैतनिक हैं।**

☞ फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)

☞ कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।

☞ **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**

☞ भुगतान Kewal Sach को ही करें। प्रतिनिधियों को नगद न दें।

☞ A/C No. :- 0600050004768
BANK :- Punjab National Bank
IFSC Code :- PUNB0060020
PAN No. :- AAJFK0065A

प्रधान संपादक

.....

.....

झारखण्ड स्टेट ब्यूरो

.....

झारखण्ड सहायक संपादक

चन्द्र शेखर पाठक 9572529337
ब्रजेश मिश्र 7654122344 -7979769647
अभिजीत दीप 7004274675 -9430192929

उप संपादक

.....

.....

संयुक्त संपादक

अनंत मोहन यादव 9546624444, 7909076894

.....

विशेष प्रतिनिधि

भारती मिश्रा 8210023343, 8863893672

.....

.....

झारखण्ड प्रदेश जिला ब्यूरो

राँची :- अभिषेक मिश्र 7903856569
:- ओम प्रकाश 9708005900
साहेबगंज :-
खूँटी :-
जमशेदपुर :- तारकेश्वर प्रसाद गुप्ता 9304824724
हजारीबाग :-
जामताड़ा :-
दुमका :-
देवघर :-
धनबाद :-
बोकारो :-
रामगढ़ :-
चाईबासा :-
कोडरमा :-
गिरीडीह :-
चतरा :- धीरज कुमार 9939149331
लातेहार :-
गोड्डा :-
गुमला :-
पलामू :-
गढ़वा :-
पाकुड़ :-
सरायकेला :-
सिमडेगा :-
लोहरदगा :-

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स

09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका

एवं 'केवल सच टाइम्स'

एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,

लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020

फोन- 0612/3504251

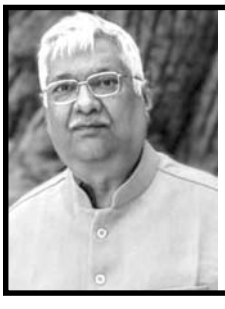

श्री सज्जन कुमार सुरेका

मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

डी- 402 राजेन्द्र विहार, फॉरेस्ट पार्क

भुवनेश्वर- 751009 मो-09437029875

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक ''**मगध इंटरनेशनल स्कूल**'' टेकारी

'' **केवल सच** '' पत्रिका **एवं** '' **केवल सच टाइम्स** ''

9060148110

sudhir4s14@gmail.com

कैलाश कुमार मौर्य

मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

व्यवसायी

पटना, बिहार

7360955555

बिहार राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
पटना		
मगध		
सारण		
तिरहुत		
पूर्णिया	**धर्मेन्द्र सिंह**	9430230000 7004119966
भागलपुर		
मुंगेर		
दरभंगा		
कोशी		

विशेष प्रतिनिधि	
महेश चौधरी	9572600789, 9939419319
आशुतोष कुमार	9430202335, 9304441800
सुमित राज यादव	9472110940, 8987123161
बेंकटेश कुमार	8521308428, 9572796847
राजीव नयन	9973120511, 9430255401
मणिभूषण तिवारी	9693498852
दीपनारायण सिंह	9934292882
आनन्द प्रकाश पाण्डेय	9931202352, 7808496247
विनित कुमार	8210591866, 8969722700
रामजीवन साहू	9430279411, 7250065417
कुमार राजू	9310173983
रजनीश कांत झा	9430962922, 7488204140

छायाकार	
त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9122003000, 9431096964
मुकेश कुमार	9835054762, 9304377779
जय प्रसाद	9386899670,
कृष्णा प्रसाद	9608084774, 9835829947

झारखंड राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
राँची		
हजारीबाग		
पलामू		
दुमका		
चाईबासा		

कल्पना-मइयां ने डूबोई एनडीए की नैया

काम नहीं आयी गोगो दीदी योजना!

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगातार तीसरी बार उन्हें भारत का नेतृत्व करने का मौका मिला। भारत के ज्यादातर राज्यों में भाजपा का भगवा, कही अपने दम पर तो कही सहयोगियों के साथ मिलकर फैलता जा रहा है और इसी कड़ी में एक नाम महाराष्ट्र का भी दर्ज हो गया, जहां महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नीत महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीटों पर जीत दर्ज की। जिनमें भाजपा ने 132 सीटें जीती है। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 7 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके साथ ही बिहार में हुए उप चुनाव की चार सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है। इतने जोरदार प्रदर्शन ने पीएम मोदी को और भी मजबूती देने का काम किया। किन्तु, वायनाड सीट पर भाजपा के हार के अपवाद को छोड़ दिया जाये, फिर भी झारखण्ड विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारना झारखण्ड प्रदेश के भाजपा नेताओं के साथ केन्द्रीय भाजपा मंडल के लिए मंथन भरा सवाल है। हालांकि झारखण्ड का इतिहास रहा है कि पांच वर्षों तक किसी नेता ने लगातार सरकार नहीं चलायी है, लेकिन हेमंत सोरेन की जेल यात्रा और चंपई सोरेन की बगावत ने झारखंडियों पर ऐसा असर डाला कि पुनः हेमंत सत्ता में वापसी कर गये। कहा जा रहा है कि इस चुनाव में हेमंत ने मइयां और कल्पना जैसे दो मास्टर स्ट्रोक खेले। मइयां योजना ने जहां झारखण्ड प्रदेश की महिलाओं का स्वाभिमान बढ़ाया तो दूसरी ओर कल्पना सोरेन ने सौ से अधिक सभाएं करके हेमंत सरकार की सभी योजनाओं को जन-जन तक समझाने का काम किया। दूसरी बात हेमंत सोरेन की जीत के मायने यह भी है कि भाजपा से आदिवासी वर्ग नाराज हैं। ज्ञात हो कि रघुवर सरकार के समय आदिवासियों के जमीन में संसोधन कानून (सीएनटी एक्ट) लाने से आदिवासी नाराज थे, हालांकि इस कानून को वापस ले लिया गया किन्तु इसकी टीस आदिवासी वर्ग में अभी भी व्याप्त है, भले ही भाजपा नीत एनडीए ने सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला को बैठाने का काम क्यों न किया हो। बहरहाल, झारखण्ड में चुनाव की कमान हेमंत विश्वा शर्मा और शिवराज सिंह चौहान जैसे दिग्गज नेता कुछ कमाल नहीं दिखा पाये, जिसकी उम्मीद भाजपा शीर्ष को थी। इन तमाम सवालों और उनके विषय बिन्दु पर प्रस्तुत है संयुक्त संपादक **अमित कुमार** के साथ झारखण्ड से **ओम प्रकाश** एवं **गुड्डी साव** की चुनावी रिपोर्ट :-

झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन झारखंड में लगातार दूसरी बार सत्ता में आयी है और उसने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें जीतकर भाजपा नीत राजग को करारी शिकस्त दी। 2019 के चुनावों में झामुमो-कांग्रेस गठबंधन 47 सीटों पर विजयी हुआ। झामुमो ने 34 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि गठबंधन सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने क्रमशः 16 और चार सीटों पर जीत दर्ज की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन को दो सीटें मिलीं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा, जिसमें भाजपा ने 21 सीटें जीतीं, जबकि उसकी तीन सहयोगियों आजसू पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जनता दल (यूनाइटेड) को एक-एक सीट मिली। गौरतलब है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के लिए राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि पार्टी लोकतंत्र की परीक्षा में सफल रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन का गठबंधन निर्णायक जीत की ओर अग्रसर है। उसने 31 सीटें जीत ली हैं और 24 अन्य पर आगे है। सोरेन ने बरहैट सीट से भारतीय जनता पार्टी के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों के अंतर से हराया है। सोरेन ने यहां

प्रेस वार्ता में कहा कि झारखंड में लोकतंत्र की परीक्षा में हम पास हो गए हैं।

चुनाव परिणाम के बाद हम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने कहा कि मैं इस शानदार प्रदर्शन के लिए राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। सोरेन ने यह भी कहा कि झारखंड 'अबुआ राज, अबुआ सरकार' (अपना राज्य, अपनी सरकार) की पटकथा लिखने के लिए तैयार है।

बताते चले कि झारखण्ड विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न कराया गया। पहला चरण 13 नवम्बर को और दूसरा 20 नवम्बर को पूरा हुआ। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई थी। 13 नवंबर को झारखंड विधानसभा के 43 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ। जिसमें पहले चरण की कुल 43 सीटों में प्रत्याशियों की संख्या 683 रही और कुल मतदाता केंद्र 15344 बनाये गये थे, जिसमें शहरी मतदान केंद्र 2628 है और ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र 12716 बनाए गए थे। जिसमें कुल मतदाताओं की संख्या 1,36,85509 थी। जिसमें पुरुषों की संख्या 68,65,208 और महिलाओं की संख्या 68,2000 रही। वही थर्ड जेंडर 301, दिव्यांग मतदाताओं के संख्या 1,91553 और 85 साल के अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 63725 थी। वहीं 100 से अधिक उम्र की मतदाताओं की संख्या 995 और सर्विस वोटरों की संख्या 28461 रही। चुनाव को देखते हुए विभिन्न स्कूलों से करीब 18000 वाहनों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा लिया गया। जिसमें पहले चरण के चुनाव में करीब 12 बसों और गाड़ियों को चुनाव कार्य में लगाया गया और सभी वाहनों में जीपीएस के साथ टैग किया गया था। सभी वाहनों का रूट तय था और इससे उनकी ट्रैकिंग भी की जा रही थी, ताकि निश्चित रूट से अगर दूसरी ओर वाहन जाती है तो अविलंब पदाधिकारी वाहन को टैग कर उसको पकड़ सकती है।

गौरतलब है कि रांची विधानसभा जिसमें महागठबंधन की झामुमो की प्रत्याशी

महुआ माजी और भाजपा के सीपी सिंह से सीधा टक्कर देखने को मिला। वहीं हटिया विधानसभा में महागठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार अजयनाथ शाहदेव का टक्कर भाजपा के नवीन जायसवाल से रहा। मांडर विधानसभा में नेहा शिल्पी तिर्की कांग्रेस से थे, वहीं भाजपा के उम्मीदवार सनी टोप्पो टक्कर दे रहे थे। कांके विधानसभा से भाजपा ने चेहरा बदला, इस बार समरीलाल को टिकट न देकर डॉक्टर जीतू चरण राम को टिकट दिया गया और इसको फिर से एक बार टक्कर कांग्रेस के प्रत्याशी सुरेश बैठा दे रहे थे। वहीं तमाड़ विधानसभा में महागठबंधन के झामुमो प्रत्याशी विकास सिंह मुंडा थे तो दुसरी तरफ भाजपा के सहयोगी दल जेडीयू के उम्मीदवार गोपाल कृष्ण पातर थे। सनद् रहे कि रांची विधानसभा में मतदाताओं की संख्या 378055 है, जिसमें पुरुष 191524, महिला 186500 है। हटिया विधानसभा में 524460, वहीं पुरुषों की संख्या 261359 महिलाओं की संख्या 263077, कांके के विधानसभा में 480094 मतदाताओं की संख्या है, पुरुषों की संख्या 240894, महिलाओं की संख्या 239187, मांडर विधानसभा में 378837 और पुरुषों की संख्या 185886, महिलाओं की संख्या 192948, तमाड विधानसभा में 218018 मतदाताओं की संख्या है, जिसमें पुरुषों के संख्या 108131 और महिलाओं की संख्या 109886 है। पांचो विधानसभा में 72 थर्ड जेंडर मतदाता हैं, जिसमें

67560 युवा वोटर पहली बार वोट कर रहे हैं। वही 1997 ऐसे मतदान केंद्र है जहां पर सुबह 7:00 से शाम 5:00 बजे तक वोटिंग की गई, जबकि 88 मतदान केंद्रों पर सुबह 7:00 से शाम 4:00 तक ही मतदान हुआ। सबसे अधिक मतदान केंद्र 57 है, जो तमाड विधानसभा में रहा। 21 मतदान केंद्र कांके और 10 मतदान केंद्र मांडर में है। वहीं रांची, हटिया, कांके, मांडर और तमाड़ विधानसभा में कुल 93 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। सबसे अधिक प्रत्याशी और सबसे अधिक मतदाता 524460 हटिया विधानसभा क्षेत्र में रहे। रांची विधानसभा में 18 उम्मीदवार, हटिया विधानसभा में 27, कांके में 13, तमाड़ में 18 मांडर में 17 उम्मीदवार मैदान में थे। हटिया, मांडर, तमाड और रांची विधानसभा क्षेत्र में 15 से अधिक प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे, इसलिए यहां पर हर बूथ पर 2-2 एवीएम से मतदान कराया गया। रांची जिला के पांच विधानसभा क्षेत्र में कुल 2085 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसमें 1715 संवेदनशील मतदान केंद्र थे। दो मतदान केंद्र वाले 430 भवन, तीन मतदान केंद्र वाले 120 भवन और चार मतदान केंद्र वाले 69 और 5 से अधिक मतदान केंद्र वाले 65 भवन बनाये गये। वही पहले चरण के चुनाव के लिए कुल 8340 मतदान कर्मी लगाए गए थे। रांची जिला अंतर्गत प्रथम चरण के पांच विधानसभा में तमाड़ में 303, रांची में 374, हटिया में 496, कांके 482 और मांडर विधानसभा में 430 यानी

कुल पांच विधानसभा में 2085 बूथों की संख्या रही है। वही भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, झारखण्ड (चरण-1) में शाम 5 बजे तक 64. 86% मतदान हुआ। इसके साथ ही राँची जिला के पांच विधानसभा क्षेत्र तमाड़-67.12%, राँची-51. 5%, हटिया-58.2%, कांके-57.89%, माण्डर-72. 13% में मतदान प्रतिशत रहा।

बता दें कि 13 नंबर को प्रथम चरण के मतदान में कई प्रतिष्ठित नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर रही। वहीं कई पूर्व मंत्रियों की बहू, बेटे भी चुनाव में थे। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा पोटका विधानसभा से उम्मीदवार थी, तो जमशेदपुर पूर्वी से उड़ीसा के राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की पुत्रवधू पूर्णिमा दास साहू, घाटशिला से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन, मनोहरपुर से सांसद जोबा मांझी के बेटे जगत मांझी भी चुनावी मैदान में थे। वही सरायकेला से चपई सोरेन, गढ़वा से मिथिलेश ठाकुर, लोहरदगा से डॉ० रामेश्वर उरांव, जमशेदपुर पश्चिमि से बन्ना गुप्ता और सरयू राय, चाईबासा से दीपक बिरुवा, लातेहार से वैद्यनाथ राम, कोडरमा से नीरा यादव, बड़का गांव से अंबा प्रसाद, रांची से सुपी सिंह, मंडार से शिल्पी नेहा तिर्की, हटिया से नवीन जयसवाल, कोलेबिरा से विल्सन कोंगाड़ी, सिमडेगा से भूषण बड़ा, मोनिका से रामचंद्र सिंह, डाल्टेनगंज से अशोक चौरसिया, बिशनपुर से चमरा लिंडा, जगन्नाथपुर से गीता कोड़ा, बरही से उमाशंकर अकेला, बहरागोड़ा से सुधीर मोहंती, घाटशिला से रामदास सोरेन, जुगसलाई से मंगल कालिंदी, इचागढ़ से सविता महतो, खरसावां से दशरथ गागराई, गुमला से भूषण तिर्की, सिसई से जिगा सुसारण, खूंटी से नीलकंठ सिंह मुंडा, हुसैनाबाद से कमलेश सिंह और भवनाथपुर से भानु प्रताप शाही शामिल रहे। बताते चले कि राज्य निर्वाचन आयोग के सीईओ के. रवि कुमार के दिशा निर्देश पर सुरक्षा के पुख्ते इंतजाम किए गए थे। जिला उपायुक्तों व जिला एसपी को सख्त निर्देश दिया गया था। साथ ही रांची जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा, उपायुक्त वरुण रंजन, ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, सीटी एसपी राजकुमार मेहता, डीएसपी सहित सभी थानों के थानेदार व पुलिसकर्मी, सीआरपीएफ, जगुआर सभी सुरक्षा

की दृष्टिकोण से तैनात थे। कोई भी बूथ पर यदि आसपास बदमाशी करता है तो इसकी सूचना डीसी और एसपी को देने की अपील की गई थी। वही प्रथम चरण में तमाड़ विधानसभा क्षेत्र, रांची जिला के अंतर्गत आरहंगा पोलिंग स्टेशन लोकेशन (PS No- 296, 297) में पहली बार वोटिंग कराई गई। पूर्व में नक्सल के प्रभाव के कारण इससे relocate किया जाता था। परंतु लगातार एंटी नक्सल अभियान के कारण नक्सल का प्रभाव क्षेत्र में नहीं के बराबर है। इसी का परिणाम है कि विधानसभा 2024 का चुनाव आराहंग बूथ में अपने चयनित स्थल पे हो रहा है। जनता में काफी खुशी है और वे शांतिपूर्वक बिना भयभीत हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि रांची विधानसभा में इंडिया गठबंधन के झारखंड मुक्ति मोर्चा उम्मीदवार डॉक्टर महुआ माजी और एनडीए के उम्मीदवार सीपी सिंह से सीधे टक्कर हुआ। खासकर चुटिया, रातू रोड, अप्पर बाजार, थड़पखना, लालपुर, मिशन रोड, मेन रोड, कर्बला चौक, इमारत ए शरीया गली, बहु बाजार, कोनका रोड, हिंदपीढ़ी, बड़ा तालाब एरिया और कांटा टोली में जमकर मतदान हुआ। वहीं चुटिया और कांटा टोली रिफ्यूजी कॉलोनी में धीरे-धीरे देर तक मतदान होता रहा। राँची में 51.5 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि भाजपा उम्मीदवार को लेकर थोड़ा नाराजगी देखने को भी मिला और महुआ माजी को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। वही हटिया विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो डोरंडा सीताराम स्कूल में 419, 430, 425, रविदास मोहल्ला के 427, 428 सहित फुटकल टोली, तारुप पंचायत, देवरी पंचायत, रातू, पंडरा, तिलता, चंदा घासी आदि में मतदान जमकर हुआ। खास कर हटिया में एनडीए के बीजेपी से तीन बार विधायक रहे नवीन जयसवाल थे, तो वही इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के उम्मीदवार अजयनाथ शाहदेव उम्मीदवार थे। मांडर विधानसभा चान्हो, लापुंग, इटकी, चोरिया, बेड़ों का कुछ भाग, जिसमें पांडे पाड़ा, ब्रांबे का

झारखण्ड विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम :-

क्र.सं.	निर्वाचन क्षेत्र	विजेता उम्मीदवार	पार्टी
1	बरहेट	हेमंत सोरेन	झामुमो
2	बोरियो	धनंजय सोरेन	झामुमो
3	लिट्टीपाड़ा	हेमलाल मुर्मू	झामुमो
4	पकौर	निसात आलम	कांग्रेस
5	राजमहल	मो. ताजुद्दीन	झामुमो
6	महेशपुर	स्टीफन मरांडी	झामुमो
7	शिकारीपाड़ा	आलोक कुमार सोरेन	झामुमो
8	नाले	रवीन्द्र नाथ महतो	झामुमो
9	जामताड़ा	इरफान अंसारी	कांग्रेस
10	दुमका	बसंत सोरेन	झामुमो
11	जामा	लोइस मरांडी	झामुमो
12	जरमुण्डी	देवेन्द्र कुंवर	भाजपा
13	मधुपुर	हफीजुल हसन	झामुमो
14	सरत	उदय शंकर सिंह	झामुमो
15	देवघर	सुरेश पासवान	राजद
16	पोरियाहाट	प्रदीप यादव	कांग्रेस
17	गोड्डा	संजय प्रसाद यादव	राजद
18	महगामा	दीपिका पांडे सिंह	कांग्रेस
19	कोडरमा	डॉ नीरा यादव	भाजपा
20	बरकथा	जानकी प्रसाद यादव	झामुमो
21	बरही	मनोज कुमार यादव	भाजपा
22	बरकागांव	रोशन लाल चौधरी	भाजपा
23	रामगढ़	ममता देवी	कांग्रेस
24	मांडू	जय प्रकाश भाई पटेल	आजसू
25	हजारीबाग	प्रदीप प्रसाद	भाजपा
26	सिमरिया	कुमार उज्ज्वल	भाजपा
27	चतरा	जनार्दन पासवान	लोजपा (रामविलास)
28	धनवार	बाबू लाला मरांडी	भाजपा
29	बगोदर	नागेन्द्र महतो	भाजपा
30	जमुआ	मंजू कुमारी	भाजपा

31	गांडेय	कल्पना मुर्मू सोरेन	झामुमो
32	गिरिडीह	निर्भय कुमार शाहाबादी	झामुमो
33	डुमरी	जयराम कुमार महतो	झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा
34	गोमिया	योगेन्द्र प्रसाद	झामुमो
35	बेरमो	कुमार जयमंगल	कांग्रेस
36	बोकारो	श्वेता सिंह	कांग्रेस
37	चंदनकियारी	उमा कांत रजक	झामुमो
38	सिंदरी	चंद्रदेव महतो	माकपा
39	निरसा	अरूप चटर्जी	माकपा
40	धनबाद	राज सिन्हा	भाजपा
41	झरिया	रागिनी सिंह	भाजपा
42	टुंडी	मथुरा प्रसाद महतो	झामुमो
43	बाघमारा	शत्रुघ्न महतो	भाजपा
44	बहरागोड़ा	समीर कुमार मोहंती	झामुमो
45	घाटशिला	रामदास सोरेन	झामुमो
46	पोटका	संजीब सरदार	झामुमो
47	जुगसलाई	मंगल कालिंदी	झामुमो
48	जमशेदपुर पूर्व	पूर्णिमा साहू	भाजपा
49	जमशेदपुर पश्चिम	सरयू रॉय	जनता दल (यूनाइटेड)
50	इच्छागढ़	सबिता महतो	झामुमो
51	सरायकेला	चंपई सोरेन	भाजपा
52	चाईबासा	दीपक बिरुआ	झामुमो
53	मझगांव	निरल पुरती	झामुमो
54	जगन्नाथपुर	सोना राम सिंकु	कांग्रेस
55	मनोहरपुर	जगत माझी	झामुमो
56	चक्रधरपुर	सुखराम ओरांव	झामुमो
57	खरसावां	दशरथ गगराई	झामुमो
58	तामार	विकास कुमार मुंडा	झामुमो
59	तोरपा	सुदीप गुढिया	झामुमो
60	खूंटी	राम सूर्य मुंडा	झामुमो
61	सिल्ली	अमित कुमार	झामुमो
62	खिजरी	राजेश कच्छप	कांग्रेस
63	रांची	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा
64	हटिया	नवीन जायसवाल	भाजपा
65	कांके	सुरेश कुमार बैठा	कांग्रेस
66	मंदार	शिल्पी नेहा तिर्की	कांग्रेस
67	सिसई	जिगा सुसारन होरो	झामुमो
68	गुमला	भूषण तिर्की	झामुमो
69	बिशुनपुर	चामरा लिंडा	झामुमो
70	सिमडेगा	भूषण बारा	कांग्रेस
71	कोलेबिरा	नमन बिक्सल कोंगारी	कांग्रेस
72	लोहरदगा	रामेश्वर उरांव	कांग्रेस
73	मणिका	राम चंद्र सिंह	कांग्रेस
74	लातेहार	प्रकाश राम	भाजपा
75	पनकी	कुशवाह शशि भूषण मेहता	भाजपा
76	डाल्टनगंज	आलोक कुमार चौरसिया	भाजपा
77	भवनाथपुर	अनंत प्रताप देव	झामुमो
78	बिश्रामपुर	नरेश प्रसाद सिंह	राजद
79	गढ़वा	सत्येन्द्र नाथ तिवारी	भाजपा
80	हुसैनाबाद	संजय कुमार सिंह यादव	राजद
81	छतरपुर	राधा कृष्ण किशोर	कांग्रेस

करंजी, चौड़ा, चामा आदि में वोटर निकले और मतदान किया। यहां भाजपा के सन्नी टोप्पो और कांग्रेस से शिल्पी नेहा तिर्की से टक्कर दिखी। हालांकि यहां वोट प्रतिशत 72.13 प्रतिशत रहा। वहीं तमाड़ के अगर बात कर ले तो यहां पर बुंडू, तमाड़ अड़की, सिंदरी, बीरबांकी, पुडादिरी, मानकीडीह, लुंगदू, दशमफॉल सहित कई गांव और शहरी क्षेत्र में भाजपा के उम्मीदवार गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर को वोट किया गया, तो ग्रामीण क्षेत्र और उसके आसपास में झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार विकास सिंह मुंडा को वोट मिला। वहीं जेएलकेएम महिला उम्मीदवार दयमंति मुंडा, बाप पार्टी के प्रेम शाही मुंडा और निर्दलीय सिंगराई टूटी विकास सिंह मुंडा का भाई राजकुमार मुंडा भी झापा के उम्मीदवार थे। ये चारों उम्मीदवार किसका वोट कटते हैं इस पर निर्भर करता है, लेकिन मत प्रतिशत 67.12 रहा इसलिए राजा पीटर को नुकसान होता जरूर दिखा। वही कांके विधानसभा के अगर बात कर ले तो यह काफी लंबा क्षेत्र है। खलारी, मैक्लुसकीगंज, चंदवे, कोकर, कोकरोदो, हुसीर, कटकमकुली, चुटू, सुकुरहुटू, उरुगुटू, राहड़ा पंचायत आदि है। यहां पिठोरियो और सुकुरहुटू दोनों भाजपा गढ़ माना जाता है, लेकिन इस बार यहां

वोट बंटता दिखा।

सनद् रहे कि राज्यसभा सांसद सह रांची विधानसभा के भावी उम्मीदवार डॉ० महुआ माजी की जीत सुनिश्चित कराने के लिए रांची विधानसभा क्षेत्र के कांटा टोली सुल्तान कॉलोनी स्थित झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी के नेतृत्व में भव्य जनसभा का आयोजन किया गया था। इस जनसभा के मुख्य अतिथि गांडेय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन विशेष रूप से उपस्थित रही और भव्य जनसभा को संबोधित की। कल्पना सोरेन ने कहा कि पिछले करीब 40 सालों से भाजपा का कब्जा रांची विधानसभा के सीट पर है। करीब 28 सालों से सीपी सिंह लगातार विधायक हैं। इनसे पहले गुलशन लाल आसमानी और यशवंत सिन्हा भी भाजपा से विधायक रह चुके हैं, लेकिन रांची की राजधानी की खूबसूरती और इसका जो विकास होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। लेकिन जब 2019 के बाद जो भी समय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मिला तो उन्होंने पहला फ्लाईओवर निर्माण करके दिया। स्वास्थ चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल को सुपर स्पेशयलिटी बनाकर दिया है, दो सौ युनिट बिजली बिल फ्री किया, मंइया सम्मान योजना के तहत एक हजार और दिसंबर से 2500 मिलेंगे, माताओं बहनों को स्वावलंबी बनाने का काम किया है और आगे भी करेंगे। साथ ही रोजगार, शिक्षा और पर भी हेमंत सोरेन काम कर रहे हैं। अगर आप रांची विधानसभा में बदलाव चाहते हैं, सुंदर रांची चाहते हैं, यातायात की समस्या से निजात चाहते हैं, नदी, तालाबों के जलाशयों को बचाना चाहते हैं हर युवा को रोजगार, बेहतर शिक्षा चाहते हैं तो डॉक्टर महुआ माजी को एक मौका दीजिए और इन्हें विधायक बनाइए। यहां पर जो जनसभा का आयोजन किया गया और जिस तरह से भीड़ उमड़ पड़ी है, इससे स्पष्ट होता है कि मुजीब कुरैशी साहब इस बार डॉ० महुआ माजी को विधायक बनाकर रहेंगे। रांची में आप लोगों के बीच यह मेरा पहला कार्यक्रम है और जो भीड़ जमा हुई है, महिलाएं, बुजुर्ग, युवाओं की जो भीड़ है, जो उत्साह है, इससे स्पष्ट हो रहा है कि हर कोई चाहता है कि झारखंड में मजबूती से

झारखंड चुनाव के दिग्गज चेहरे

हेमंत सोरेन की सरकार बने और राज्य का विकास हो सके। वहीं भव्य भीड़ को देखकर कांटा टोली के हर कोई यह कहने लगा कि मुजीब कुरैशी जी ने अपने पुराने समय में जब अलग झारखंड निर्माण के लिए कांग्रेस के दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह राज्यसभा सांसद ज्ञान रंजन के समय में जिस तरह से मोरहाबादी मैदान में भीड़ जमा कराते थे, इसी तरह से कांटा टोली में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। बता दें कि यही पर मुजीब कुरैशी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्कूल का बुनियाद रखे थे।

गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा चुनाव का मुकाबला कांटे का बताया जा रहा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक बार फिर बरहेट से ही चुनाव मैदान में थें, जबकि भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी को भी टिकट दिया है। भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को भी भाजपा ने उम्मीदवार बनाया। इस चुनाव में 5 ऐसी सीट ऐसी रही जो चर्चा में थी :-

☞ **बरहेट :** बरहेट विधानसभा सीट झारखंड की सबसे चर्चित सीट इसलिए है क्योंकि यहां से राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं। हेमंत इस सीट पर हैट्रिक लगाने के लिए मैदान में थे। साहेबगंज जिले की बरहेट विधानसभा सीट अजजा के लिए सुरक्षित है। इस सीट को झामुमो का गढ़ माना जाता है। वर्ष 1990 से इस सीट पर झामुमो का कब्जा है। भाजपा ने यहां से गैमेलियल हेम्ब्रम को मैदान में उतारा है।

☞ **सरायकेला :** झारखंड की सरायकेला सीट पर एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन मैदान में थें, लेकिन इस बार उनका चुनाव चिह्न बदल गया है। मुख्यमंत्री पद छिनने से नाराज चंपई ने तीर-धनुष के स्थान पर उन्होंने इस बार कमल का फूल थाम लिया। अपने क्षेत्र में झामुमो को मजबूती से खड़ा करने वाले चंपई ने चुनाव से कुछ समय पहले ही भाजपा का हाथ थामा है। झामुमो ने सोरेन के मुकाबले गणेश महाली को मैदान में उतारा है। पिछले चुनाव में गणेश महाली भाजपा के टिकट पर सोरेन के सामने थे, लेकिन अब झामुमो ने उन्हें प्रत्याशी बनाया। सोरेन 2019 का चुनाव 15 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे। चंपई इस सीट से लगातार 4 बार से चुनाव जीत रहे हैं। हालांकि 2000 में भाजपा के अनंत राम टुडु से चंपई चुनाव हार गए थे। इस बार भी चंपई का ही पलड़ा भारी माना जा रहा है।

☞ **धनवार :** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी इस बार भाजपा के टिकट पर धनवार सीट से उम्मीदवार थें, जबकि जेएमएम ने उनके मुकाबले निजामुद्दीन अंसारी को उतारा। गिरिडीह जिले में आने वाली इस सीट से पिछला चुनाव मरांडी ने झारखंड विकास मोर्चा के बैनर तले लड़ा था और विजयी रहे थे। अंसारी 2009 में झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। पिछले 4 चुनावों

भाजपा विधयक दल के नेता अमर बाउरी भी नहीं बचा सके अपनी सीट, तीसरे स्थान पर फिसले

चंदनकियारी जिले की हॉट सीट मानी जा रही थी, लेकिन वैसा कुछ भी नही हुआ। यहां आजसू पार्टी का दामन छोड़ कर जेएमएम में शामिल हुए उमाकांत रजक जेएलकेएम के अर्जुन रजवार को 33733 वोटों से पराजित किया। वही भाजपा के अमर बाउरी को तीसरे स्थान पर सन्तोष करना पड़ा है। चंदनकियारी विधानसभा सीट पर कुल 8 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला बीजेपी के अमर कुमार बाउरी, जेएमएम के उमाकांत रजक और जेएलकेएम के अर्जुन रजवार के बीच था। बता दें कि चंदनकियारी विधानसभा सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा का करीब दो दशक तक दबदबा रहा है। हारू रजवार इस सीट से कई बार विजयी रहे, लेकिन 2009 में आजसू पार्टी के उमाकांत रजक ने जीत हासिल की थी। इसके बाद वर्ष 2014 और 2019 के चुनाव में बीजेपी को जीत मिली। इस बार आजसू पार्टी और बीजेपी में तालमेल होने के बाद यह सीट अमर बाउरी को मिल गई, इससे नाराज उमाकांत ने आजसू पार्टी से त्यागपत्र देकर जेएमएम की सदस्यता ले ली। बीजेपी प्रत्याशी अमर कुमार बाउरी ने 2014 में पहली बार झाविमो टिकट पर जीत हासिल की थी। वर्ष 2019 के चुनाव में वो दूसरी बार बीजेपी उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार परिणाम उलट आया। चंदनकियारी विधानसभा सीट धनबाद लोकसभा क्षेत्र में आती है। इस विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में ही हैं। यहां 2 लाख 80 हजार 390 मतदाता हैं। इस क्षेत्र में 1 लाख 43 हजार 171 पुरुष और 1 लाख 37 हजार 214 महिला वोटर हैं. इस विधानसभा क्षेत्र में 20 नवंबर को मतदान हुआ था।

एक वोट, 7 गारंटी हिट...

खतियान

1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाई जाएगी। सरना धर्म कोड को लागू करवाने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति का संरक्षण किया जाएगा।

मंईयां सम्मान

दिसंबर 2024 से मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत **2,500 रुपए** की सम्मान राशि दी जाएगी।

सामाजिक न्याय

सरकार बनने पर आरक्षण के दायरे को बढ़ाया जाएगा। एसटी को **28 प्रतिशत**, एससी को **12 प्रतिशत**, ओबीसी को **27 प्रतिशत रिजर्वेशन** दिया जाएगा।

पांच किलो की जगह सात किलो अनाज देंगे

सरकार बनने पर राज्य के लोगों को **5 किलो** की जगह **सात किलो अनाज** दिया जाएगा। गरीब परिवारों को **450 रुपए** में गैस सिलेंडर दिया जाएगा।

रोजगार

सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार की गारंटी दी जाएगी। झारखंड के **10 लाख** युवक-युवतियों को नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। **15 लाख रुपए** तक परिवारिक स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।

शिक्षा

राज्य के सभी प्रखंडों में **डिग्री कॉलेज** तथा जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी।

किसान कल्याण

धान की **MSP** को **2,400** से बढ़ाकर **3,200** करने के साथ-साथ लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरौंजी, साल बीज आदि के समर्थन मूल्य में **50 प्रतिशत** तक की बढ़ोतरी का वादा किया गया है।

में झामुमो कभी भी चुनाव नहीं जीत पाई। अंसारी 2005 में भी झामुमो के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन जीत नहीं पाए। इस सीट पर इस बार कड़ी टक्कर बताई जा रही है। कुछ लोग बाबूलाल मरांडी का पलड़ा भारी बता रहे थे।

☞ **जगन्नाथपुर :** पश्चिम सिंहभूम जिले की जगन्नाथपुर सीट से भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को उम्मीदवार बनाया गया। गीता के लिए यह मुकाबला आसान नहीं क्योंकि 2019 के विधानसभा चुनाव में यह सीट कांग्रेस के सोना राम सिंकू ने 16000 से ज्यादा वोटों से जीती थी, जबकि भाजपा उम्मीदवार सुधीर सुंडी तीसरे स्थान पर रहे थे। कांग्रेस की ओर एक बार फिर सोनाराम मैदान में हैं। हालांकि गीता कोड़ा यहां से 2009 और 2014 में चुनाव जीत चुकी हैं। तब उन्होंने जय भारत समानता पार्टी से चुनाव लड़ा था। जबकि, 2005 में मधु कोड़ा इस सीट निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बड़े अंतर से चुनाव जीते थे।

☞ **पोटका :** परिवारवाद की विरोधी भाजपा ने इस बार पोटका सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को मैदान में उतारा। पूर्वी सिंहभूम जिले की इस सीट पर मीरा का मुकाबला झामुमो के संजीब सरदार से रहा। संजीब सरदार 2019 में भी इस सीट से विधायक रह चुके हैं। हालांकि 2009 और 2014 भाजपा इस सीट पर जीत हासिल कर चुकी है। 2005 में यह सीट झामुमो के पास रह चुकी है। मीरा को अर्जुन मुंडा की पत्नी होने का फायदा मिल सकता है। अर्जुन की गिनती झारखंड के दिग्गज आदिवासी नेताओं में होती है।

बहरहाल, हेमंत और कल्पना सोरेन के दमदार नेतृत्व से झारखंड में झामुमो 'इंडिया' गठबंधन के तहत लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की ओर अग्रसर है। विपक्षी दल भाजपा हेमंत-कल्पना पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'बंटी और बबली' की जोड़ी कह रही थी। लेकिन राज्य में 'इंडिया' गठबंधन और झारखंड मुक्ति मोर्चा को कामयाबी के रास्ते पर ले जाकर उन्होंने आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन दोनों ने चुनावों की घोषणा के बाद लगभग 200 चुनावी रैलियां कीं। कल्पना इस वर्ष की शुरुआत में अपने पति की गिरफ्तारी के बाद राजनीति में आईं। चुनाव विश्लेषकों के अनुसार हेमंत और कल्पना दोनों ही आदिवासी मतदाताओं के बीच सहानुभूति की लहर पैदा करने में कामयाब रहे और सत्ताविरोधी भावना के बावजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसका लाभ उठाने और सरकार बनाने में विफल रही। झामुमो के एक कार्यकर्ता ने कहा कि कल्पना को गांडेय में 'हेलीकॉप्टर मैडम' कहा जाता था। यह शब्द भाजपा द्वारा यह बताने के लिए इस्तेमाल किया गया कि कल्पना बाहरी हैं, क्योंकि वह मुनिया देवी के विपरीत स्थानीय निवासी नहीं हैं। हेमंत सोरेन को 28 जून को उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। 3 जुलाई को हेमंत को झामुमो विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिससे हेमंत सोरेन के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। झामुमो का प्रचार अभियान कल्याणकारी योजनाओं के वादों और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को प्रतिद्वंद्वी दलों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के आरोपों पर केंद्रित था। हेमंत सोरेन ने भाजपा पर उनके खिलाफ 'दुष्प्रचार अभियान' पर 500 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कई रैलियों को संबोधित किया तथा भ्रष्टाचार और घुसपैठ के आरोपों को लेकर झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन पर हमला बोला। उन्होंने सोरेन पर भी निशाना साधा, जो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 5 महीने जेल में बिता चुके हैं। भाजपा के प्रचार अभियान का एक मुख्य मुद्दा जून में हेमंत सोरेन की जमानत पर रिहाई के तुरंत बाद चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाना था। भाजपा

ने इसे इस मुद्दे के रूप में पेश किया कि कैसे झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने एक आदिवासी नेता का अपमान किया है।

गौरतलब है कि 'इंडिया' गठबंधन की जीत के पीछे कई फैक्टर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर मईयां सम्मान योजना और कल्पना सोरेन रहीं है। झामुमो की मइयां सम्मान योजना जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जनता के बीच अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस योजना के तहत 18-50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है तथा सरकार बनने के बाद इसे बढ़ाकर 2,500 रुपए करने का वादा किया गया है। इस पर महिलाओं ने ज्यादा भरोसा जताया। राज्य की 81 में से 29 विधानसभा सीटों पर महिला वोटर पुरुष से अधिक हैं। मईयां सम्मान योजना जीत का ट्रंप कार्ड-महाराष्ट्र की तरह झारखंड विधानसभा चुनाव में भी महिला वोटर्स गेमचेंजर साबित हुआ। विधानसभा चुनाव से छः महीने पहले जब जेल से बाहर आकर हेमंत सोरेन ने राज्य की कमान अपने हाथों में ली तो उन्होंने मईयां सम्मान योजना लागू करने का एलान कर महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपए भेजे और चुनाव नतीजे बताते है कि महिला वोटर्स ने चुनाव में खुलकर जेएमएम और उसके सहयोगी पार्टी कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया। जेएमएम की जीत के बाज हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने जीत का कारण भी भी मईया को बताया। वही हेमंत सोरेन ने 1.75 लाख से ज्यादा किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए

2 लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफ किए। इसके अलावा उनकी सरकार ने बकाया बिजली बिल माफ किए और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना शुरू की। सार्वभौमिक पेंशन जैसी कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू कीं। इसके अलावा जेएमएम ने टिकट बांटने में सावधानी बरती और अपने क्षेत्र में फोकस नेताओं को तरजीह दी। साथ ही विपक्ष को उसके घुसपैठ के मुद्दे में ही फंसा दिया। इसके साथ ही झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत और भाजपा की हार का बड़ा कारण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का चेहरा भी रहा। विधानसभा चुनाव में भाजपा का सीएम का चेहरा नहीं घोषित करना भी जीत हार के बीच का बड़ा फैक्टर रहा। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जेएमम में बड़ी तोडफोड़ करते हुए जिस तरह से चंपई सोरेन को पार्टी में शामिल किया उसको जेएमम ने चुनाव में भाजपा की खरीद फरोख्त की राजनीत से जोड़ दिया। वहीं इंडिया गठबंधन ने हेमंत सोरेन की सरकार के कामकाज को जनता के बीच खूब भुनाया और और चुनाव नतीजे बताते है कि जनता ने हेमंत सोरेन के चेहरे पर भी भरोसा जताया। और तो और झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार का बड़ा कारण उसका चुनावी मुद्दों में चूकना है। भाजपा ने जिस तरह से चुनाव में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाकर वोटरों को डराने की राजनीति की, वह सफल होती नहीं दिखी। इसके साथ भाजपा चुनाव में हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ एंटी इंकम्बेंसी का फायदा नहीं उठा पाई। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शहरी और ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग मुद्दों पर चुनाव लड़ती हुई दिखाई दी, जिससे वह वोटरों में विश्वास नहीं बना पाई। झारखंड में भाजपा स्थानीय मुद्दों को दरकिनार कर बड़े मुद्दों पर चुनाव लड़ती हुई दिखाई दी, इससे वह एंटी इंकम्बेंसी का फायदा नहीं उठा पाई। इसके साथ ही पति हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद राजनीति में आईं कल्पना सोरेन ने अपने भाषण और पब्लिक कनेक्ट के तरीकों से लोगों को अपने पक्ष में कर लिया। इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा डिमांड कल्पना सोरेन की ही रही। उनकी सधी हुई भाषा और सहज, सरल अंदाज ने लोगों को जोड़ा। कल्पना ने 100 से अधिक जनसभा की। उन्होंने सिर्फ जेएमएम उम्मीदवारों के लिए ही चुनावी सभा नहीं की, बल्कि कांग्रेस-आरजेडी और भाकपा-माले के प्रत्याशियों के लिए भी वोट मांगा। वहीं, भाजपा को महिला नेता की कमी खली। लोगों के अंदर कल्पना के प्रति रुझान के कारण ही भाजपा उन पर सीधा हमला करने से बचती रही। पूरे चुनाव प्रचार में हेमंत सोरेन भाजपा को आदिवासी

विरोधी बताने पर अड़े रहे। उन्होंने हर सभा में कहा कि आदिवासियों के उत्थान से भाजपा के लोग बैचेन हैं। उन्होंने झूठे मुकदमे में फंसाकर मुझे जेल भेजा। हमारी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया। हेमंत ने मणिपुर से लेकर छत्तीसगढ़ तक के आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार की बातें कहकर लोगों से सहानुभूति बटोरी। इसका रिजल्ट पर खासा असर दिखा। वही झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने आदिवासी अस्मिता का मुद्दा खूब उछाला। झारखंड की कुल 81 विधानसभा सीटों में से 28 विधानसभा सीटें आदिवासी समुदाय के लिए रिजर्व थी। ज्ञात हो कि झारखंड में कुल आदिवासी मतदाता 26 प्रतिशत हैं। सनद् रहे कि रघुवर दास की सरकार में 2016 में सीएनटी एक्ट में बदलाव की कोशिश करना भाजपा को अब तक भारी पड़ रहा है। बदलाव के घाव से भड़के आदिवासी अब तक भाजपा से नहीं जुड़ पाए हैं। सीटों के आंकड़े भी बता रहे हैं। 2014 तक कुछ आदिवासी भाजपा को वोट देते रहे हैं, इस कारण उस समय आदिवासी रिजर्व सीट पर पार्टी का प्रदर्शन भी ठीक था। लेकिन रघुवर दास की सरकार ने सीएनटी एक्ट में बदलाव कर दिया। इस पर आदिवासी नाराज हो गए और भाजपा का साथ छोड़ दिया। बता दें कि रघुवर दास ने सीएनटी एक्ट की धारा 46 में बदलाव किया था। इस बदलाव के तहत आदिवासियों की जमीन के नेचर को बदला जा सकता था। उनका कहना था कि उन्होंने राज्य में उद्योग लगाने को लेकर ऐसा किया, लेकिन आदिवासियों के बीच ये मैसेज गया कि बिजनेसमैन को फायदा पहुंचाने के लिए एक्ट में संशोधन किया गया है। वो जब चाहे हम से जमीन ले सकते हैं। भारी विरोध के बाद बदलाव के प्रस्ताव को वापस लेना पड़ा था। नतीजतन आदिवासी बहुल राज्य में बीजेपी आदिवासी वर्ग का वोट हासिल करने में पूरी तरह से विफल रही। झारखंड की कुल 81 विधानसभा सीटों में से 37 सीटें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इनमें से भी 28 सीटें

आदिवासी वर्ग के लिए हैं और इन्हीं सीटों पर भाजपा गठबंधन की बुरी हार हुई है। भाजपा को इन 28 सीटों में से सिर्फ एक सीट पर जीत मिली है। यह जीत भी सरायकेला सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दिलाई है, जो कि झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर पार्टी में आए हैं। इसके अलावा एसटी वर्ग के लिए आरक्षित एक भी सीट पर भाजपा का कोई प्रत्याशी नहीं जीत सका। आदिवासी समाज से आने वाले प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सामान्य सीट से लड़े थे। बीजेपी को सरायकेला को छोड़ आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित बरहेट, बोरियो, महेशपुर, दुमका, घाटशिला, पोटका, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर, खरसावां, तमाड़, तोरबा, गुमला, चक्रधरपुर, खुंटी, सिसई, बिशुनपुर, जगन्नाथपुर, लिट्टीपाड़ा, शिकारीपाड़ा, जामा, खिजरी, मांडर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा और मनिका सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी के तमाम प्रयास विफल हुए और हेमंत-कल्पना की जोड़ी ने बीजेपी को जबरदस्त पटखनी दे दी। इसके साथ ही भाजपा ने पूरे चुनाव में घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। पीएम से लेकर लोकल नेता तक के हर भाषण में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा हावी रहा। इसके उलट हेमंत सोरेन और इंडिया ब्लॉक के नेता ये कहते रहे कि सीमा की सुरक्षा तो केंद्र के जिम्मे है, इसमें राज्य का क्या लेना-देना। साथ ही झामुमो-कांग्रेस एरिया वाइज मुद्दों को पकड़े रही। हर एरिया में अलग-अलग मुद्दे पर बातें करती रही। जबकि, भाजपा पूरे राज्य में घुसपैठ के नाम पर चुनाव लड़ती रही। हकीकत ये है कि बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा सिर्फ संथाल तक सीमित है। वो भी पूरे संथाल में नहीं। भाजपा के आक्रामक रुख से बाकी वोटर एकजुट हो गए।

बहरहाल, चुनाव परिणाम आ गये हैं। एक बार फिर से हेमंत सोरेन झारखण्ड के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बता दें कि झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। वह 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले दिन में राज्य में 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने सर्वसम्मति से सोरेन को विधायक दल का नेता चुना। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं ने बताया कि सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। वह 28 नवंबर को शपथ ग्रहण होने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करेंगे। गंगवार से मुलाकात के बाद सोरेन ने कहा, मैंने सरकार बनाने का दावा पेश किया है और राज्यपाल को गठबंधन सहयोगियों का समर्थन पत्र सौंप दिया है। उन्होंने हमें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को होगा। अपनी कार से राजभवन पहुंचे सोरेन ने कहा कि राज्यपाल ने उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने को कहा है। सोरेन झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ था। वह चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले दिन में गठबंधन के नेताओं और विधायकों ने यहां हेमंत सोरेन के आवास पर एक बैठक के दौरान उन्हें सर्वसम्मति से गठबंधन का नेता चुना। ●

क्या जनता ने तेजस्वी के साथ-साथ लालू प्रसाद यादव को भी दिखा दिया आइना?

बिहार विधान सभा उपचुनाव 2024

विधानसभा की चारों सीटों पर एनडीए की फतह

● अमित कुमार

बीते लोकसभा चुनाव के बाद देश के विभिन्न राज्यों में खाली पड़े विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराये गये। बिहार प्रदेश भी इस उपचुनाव में सुर्खियों में रहा। एक तरफ 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल यानि उप चुनाव से पहले केन्द्र सरकार द्वारा भारी भरकम पैकेज की घोषणा की गई। बिहार के विकास में केंद्र का मिल रहा सहयोग सत्तारूढ़ गठबंधन की सरकार को मजबूती देने का काम कर रही है, ये चीजें शायद नीतीश कुमार देख समझ रहे हैं, इसलिए वह हर रैली कार्यक्रम में बार-बार कहते हैं कि ,'अब नहीं कही जायेंगे, यही रहेंगे'। दूसरी तरफ तेजस्वी यादव 'कार्यकर्ता संवाद यात्रा' कर रहे हैं। बता दें कि इसी बीच झारखण्ड विधानसभा चुनाव और बिहार के चार विधानसभा सीट तरारी, रामगढ़, इमामगंज और बेलागंज पर उपचुनाव कराये गये। ये चारों सीट पर 50-50 वाली बात चल रही थी। क्योंकि इमामगंज सीट, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की रही है और दूसरी तरफ बेलागंज सीट पर सुरेंद्र यादव जीतते आये हैं। रामगढ़ भी राजद के सुधाकर सिंह का क्षेत्र रहा है और तरारी से CPI (ML) के सुदामा प्रसाद विधायक रहे हैं। चूकि इस बार उपचुनाव से पूर्व 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी 'जन सुराज' को राजनीतिक रूप दिया और घोषणा की कि 2025 से पहले 2024 के इस सेमीफाइनल में चारों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। ऐसे में एनडीए, इंडी और जनसुराज के त्रिकोणीय उम्मीदवारी पर जीत सुनिश्चित किसी एक को कर पाना मुश्किल कहा जा रहा था। हालांकि परिणाम आ चुके हैं और जो परिणाम आये वह एनडीए के लिए उम्मीद से बढ़कर दिखे।

बता दें कि बिहार उपचुनाव की चार

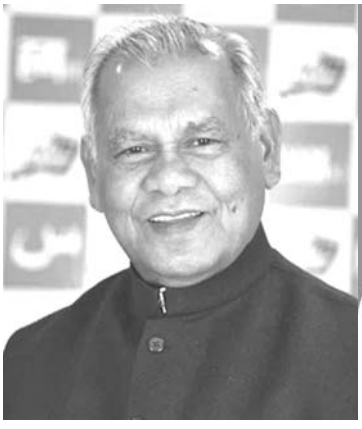

सीटों पर 13 नवंबर को हुए मतदान के बाद नतीजे सामने आए। बिहार की चारों विधानसभा सीट इमामगंज, बेलागंज, तरारी और रामगढ़ पर एनडीए ने जीत दर्ज की है। इमामगंज में हम, बेलागंज में जेडीयू, रामगढ़ में बीजेपी और तरारी में भी बीजेपी प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहराया है। ECI के अनुसार इमामगंज से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की दीपा कुमारी, बेलागंज से जनता दल-यूनाइटेड की मनोरमा देवी, रामगढ़ से बीजेपी के अशोक कुमार सिंह और तरारी सीट पर भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत ने जीत हासिल की। बिहार में चार विधानसभा सीटों इमामगंज, बेलागंज, तरारी और रामगढ़ पर उपचुनाव हुए थे। इनमें से दो सीटें इमामगंज और बेलागंज गया जिले में हैं। रामगढ़ विधानसभा सीट कैमूर जिले में आती है। वहीं, तरारी विधानसभा सीट भोजपुर जिले में आती है। वोटिंग की बात की जाये तो बिहार उपचुनाव की चारों सीटों पर कुल 52.84% मतदान हुआ था। इसमें सबसे अधिक रामगढ़ में 58.68 प्रतिशत, बेलागंज में 52.10%, इमामगंज में 51.68 प्रतिशत और तरारी विधानसभा में 50.10% मतदान हुए थे। सनद् रहे कि इन विधानसभा क्षेत्रों में हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान का प्रतिशत क्रमशः 50.10, 58.68, 51.68 और 52.10 प्रतिशत रहा था। इन विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से मतदान कराए जाने के लिए 1277 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस उपचुनाव में कुल 1277 कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट तथा वीवीपैट का उपयोग हुआ है, जिसमें 11 बैलेट यूनिट, 17 कंट्रोल यूनिट तथा 24 वीवीपैट मॉक पोल के दौरान बदले गए जबकि नौ बैलेट यूनिट, नौ कंट्रोल यूनिट तथा 22 वीवीपैट मॉक पोल के बाद बदले गये। मतदान के लिए 477 बैलेट यूनिट, 480 कंट्रोल यूनिट तथा 591 वीवीपैट रिजर्व में रखे गये थे। आयोग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मतदान के दौरान विभागीय नियंत्रण कक्ष में कुल तीन शिकायत प्राप्त हुई जिनका समय पर निष्पादन कर दिया गया। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ है। बिहार के भोजपुर एवं कैमूर जिलों की सीमा उत्तर प्रदेश राज्य एवं गया जिले की सीमा झारखण्ड राज्य से सटे होने के मद्देनजर इन पड़ोसी राज्यों की सीमा पर आठ-आठ चेक पोस्ट लगाये गये थे। इसके अतिरिक्त राज्य के भीतर भी चेक पोस्ट/नाका लगाये गये थे। साथ ही बता दें कि ये सभी सीटें जो गंगा नदी के दक्षिण क्षेत्र में स्थित हैं, आमतौर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया'(इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के राज्य स्तरीय महागठबंधन जिसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद), वाम और कांग्रेस शामिल हैं, का गढ़ माना जाता है। बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल के तौर पर माने जा रहे इस उपचुनाव में चुनावी मैदान में डटे रहे कुल 38 उम्मीदवारों में 05 महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं। अब अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चार सीटों रामगढ़, तरारी, बेलागंज और इमामगंज पर हुए उपचुनाव में एनडीए ने बाजी मार ली है दो सीटों पर बीजेपी को जीत मिली है जबकि एक-एक सीट पर जेडीयू और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा को जीत हासिल हुई है। सनद् रहे कि तरारी से बीजेपी के विशाल प्रशांत, रामगढ़ से बीजेपी प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह, बेलांगज से जेडीयू की मनोरमा देवी जबकि इमामगंज से हम पार्टी की दीपा मांझी ने जीत हासिल की है। इस उपचुनाव को राज्य में सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा था, जिसमें एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं इंडिया गठबंधन और आरजेडी को करारा झटका लगा है। आरजेडी इस उपचुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई। खास बात ये है कि हाल ही में जनसुराज पार्टी

का गठन करने वाले प्रशांत किशोर ने भी इस उपचुनाव में उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन चारों ही सीटों पर उनके प्रत्याशी तीसरे या चौथे नंबर पर हैं। तरारी सीट पर बीजेपी के प्रत्याशी विशाल प्रशांत ने 10612 वोटों के अंतर से जीत हासिल कर ली है। उन्होंने CPI (ML) के प्रत्याशी राजू यादव को शिकस्त दे दी है। विशाल प्रशांत को जहां 78755 वोट मिले हैं, वहीं राजू को 68143 मत हासिल हुए हैं। यहां भी प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज तीसरे नंबर पर रही। जन सुराज उम्मीदवार किरन सिंह को 5622 वोट मिले हैं। वही रामगढ़ में बीजेपी प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह ने जीत हासिल की है। उन्हें कुल 62257 वोट मिले हैं। अशोक कुमार सिंह ने करीबी मुकाबले में बीएसपी उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह को 1362 वोटों के अंतर से मात दी है। उन्हें कुल 60895 वोट मिले हैं। वहीं इस सीट पर आरजेडी तीसरे नंबर पर रही और पार्टी प्रत्याशी अजीत कुमार सिंह को 35825 वोट मिले हैं। जनसुराज पार्टी के उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह को 6513 वोट हासिल हुए हैं। बेलांगज से जेडीयू उम्मीदवार मनोरमा देवी ने 21 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की है। मनोरमा देवी को कुल 73334 वोट मिले हैं। उन्होंने आरजेडी प्रत्याशी विश्वानाथ कुमार सिंह को 21391 वोटों के अंतर से शिकस्त दी है। सिंह को 51943 वोट मिले जबकि जन सुराज पार्टी यहां भी तीसरे नंबर पर रही। मोहम्मद अमजद को सिर्फ 17285 वोट मिले। वही इमामगंज सीट से हम प्रत्याशी दीपा मांझी ने इस सीट पर 5945 वोटों के अंतर से आरजेडी उम्मीदवार रौशन मांझी को शिकस्त दी है। उन्हें कुल 53435 वोट मिले हैं। दिगर बात है कि पहली बार चुनाव में उतरी जन सुराज पार्टी इमामगंज में 37103 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रही। बता दें कि दीपा मांझी को टिकट दिए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री मांझी पर परिवारवाद के आरोप भी लगे थे जिस पर उन्होंने सफाई भी दी थी।

गौरतलब है कि सबसे दिलचस्प मुकाबला रामगढ़ का रहा है। यहां शुरुआत से

बसपा के सतीश सिंह यादव बीजेपी के अशोक कुमार सिंह को कड़ी टक्कर दे रहे थे। हालांकि, उसके बावजूद सतीश 1,362 वोट से हार गए। वहीं राजद के अजीत सिंह तीसरे नंबर पर रहे। चारों विधानसभा सीटों पर सबसे बुरी स्थिति जनसुराज पार्टी की रही। जिस प्रकार पीके ने राजनीतिक पार्टी के गठन के वक्त पटना के वेटनरी ग्राउंड में हुंकार भरी थी, उससे कयास लगाये जा रहे थे कि जन सुराज कुछ अच्छा कमाल दिखायेगी किन्तु पीके की पार्टी तरारी, बेलागंज और इमामगंज में तीसरे नंबर पर रही। जबकि रामगढ़ में चौथे नंबर पर। ज्ञात हो कि रामगढ़ सीट से पहले जगदानंद सिंह जीतते आ रहे थे। एक बार अंबिका यादव ने यहां से जीत हासिल की थी। उसके बाद फिर से जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह यहां से विधायक बने और बाद में नीतीश सरकार में मंत्री भी बने। फिलहाल सुधाकर सिंह बक्सर से सांसद हैं। उनके सासंद बनने के बाद यहां उपचुनाव कराया गया।

बहरहाल, बिहार में हुए चार विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी विजेता बनकर उभरी है, जबकि राष्ट्रीय जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा है। राजद को अपने तीनों सीटों पर हार मिली है, जबकि भाजपा ने दो सीटों पर जीत हासिल की है। उपचुनाव भाजपा, जदयू और हम, तीनों दलों का स्ट्राइक रेट 100 प्रतिशत रहा है। यानी इन दलों ने जितने सीटों पर चुनाव लड़ा था, सभी में जीत हासिल की। बता दें कि बेलागंज सीट पर जदयू ने राजद को भारी मतों से हराया है। यहां जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी ने राजद के विश्वनाथ यादव को 21 हजार से अधिक वोटों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही बेलागंज में विरासत की राजनीति का अंत हो गया है और जेडीयू का दबदबा कायम हुआ है। 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद ने यहां जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार जदयू ने न सिर्फ जीत हासिल की है बल्कि वोट प्रतिशत में भी बढ़ोतरी दर्ज की है। 2024 के उपचुनाव में जदयू को 45.23 प्रतिशत वोट

मिले जबकि 2020 में यह आंकड़ा 32.81 प्रतिशत था। वहीं, राजद को इस बार 2020 के मुकाबले काफी कम वोट मिले हैं। 2024 में राजद को 32.03 प्रतिशत वोट मिले जबकि 2020 में उसे 46.91 प्रतिशत वोट मिले थे। तरारी विधानसभा सीट पर भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार विशाल प्रशांत ने सीपीआई माले के राजू यादव को 10 हजार से अधिक वोटों से हराया। 2024 के उपचुनाव में भाजपा को 48.70 प्रतिशत वोट मिले जबकि 2020 में उसे सिर्फ 8.19 प्रतिशत वोट ही मिले थे। यानी भाजपा का वोट बैंक लगभग 40 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, माले को इस बार 42.14 प्रतिशत वोट मिले जबकि 2020 में उसे 43.53 प्रतिशत वोट मिले थे। इमामगंज विधानसभा सीट पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर की उम्मीदवार दीपा मांझी ने जीत हासिल की। दीपा मांझी ने राजद के रौशन मांझी को 5945 वोटों से हराया। हालांकि, दीपा मांझी को 2020 में जीतन राम मांझी की तुलना में कम वोट मिले हैं। 2020 में जीतन राम मांझी को 78762 वोट मिले थे जबकि इस बार दीपा मांझी को 53435 वोट ही मिले हैं। वोट प्रतिशत की बात करें तो 2020 में हम को 45.36 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि इस बार उसे 32.59 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। वहीं, राजद को इस बार 28. 96 प्रतिशत वोट मिले हैं जबकि 2020 में उसे 36.12 प्रतिशत वोट मिले थे। रामगढ़ विधानसभा सीट पर भाजपा ने राजद को हराकर जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार अशोक सिंह ने राजद के अजीत सिंह को लगभग 1200 वोटों से हराया। 2020 के चुनाव में भाजपा को इस सीट पर तीसरा स्थान मिला था। लेकिन इस बार भाजपा ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। 2020 में भाजपा को 56084 वोट मिले थे जबकि इस बार उसे 62179 वोट मिले हैं। वहीं, राजद को इस बार बड़ा झटका लगा है। 2020 में जीत हासिल करने वाली राजद इस बार तीसरे स्थान पर रही। 2020 में राजद को 58083 वोट मिले थे जबकि इस बार उसे सिर्फ 35090 वोट ही मिले हैं।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की चार सीटों के लिए 13 नवंबर को हुए मतदान के बाद 23 नवंबर को हुई मतगणना ने सियासी तस्वीरों को स्पष्ट कर दिया। कई दावों की पोल जनता ने खोलकर रख दी। यह चार सीटों का उपचुनाव था। इसे विपक्ष यानी महागठबंधन सेमीफाइनल भी बता रहा था। अब इस सेमीफाइनल की बात को दोहराने के लिए विपक्ष सामने नहीं आ रहा है क्योंकि इस बार चार-शून्य से महागठबंधन को हार मिली है। चार में से तीन सीटें महागठबंधन के पास थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल के पास दो सीटें थी जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी के पास एक सीट थी। शनिवार 23 नवम्बर को दोपहर तक चारों सीटों पर उपुचनाव के नतीजे सामने आए तो सियासी गलियारे के एक खेमे में जश्न का माहौल है और दूसरे में मायूसी दिखने लगी। तीन सीटों पर 2020 के विधानसभा चुनाव में जीतने वाले महागठबंधन को हार मिली। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा ने अपनी एक सीट कायम रखी। यानी तीन-एक के मुकाबले जहां महागठबंधन आगे था वहां अब चार-शून्य के गणित से

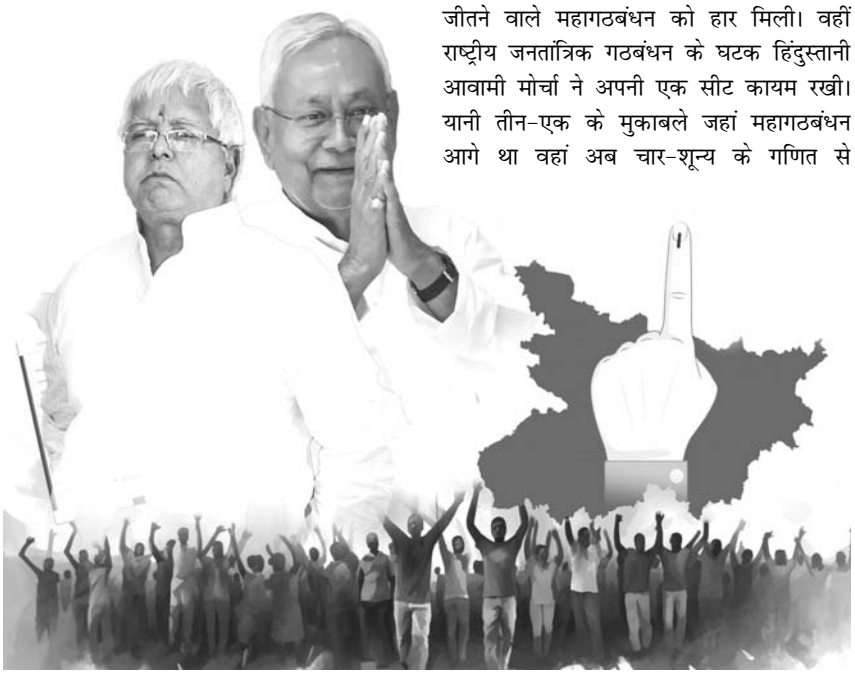

महागठबंधन ध्वस्त हो चुका है। तीन सीटों (रामगढ़, बेलागंज, तरारी) पर प्रतिष्ठा बचाने और एक सीट (इमामगंज) को जीतने के लिए तेजस्वी यादव ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। राजद का गढ़ माने जाने वाले बेलागंज में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव खुद भी प्रचार के लिए उतरे थे। उन्होंने जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र यादव के बेटे डॉ. विश्वनाथ के लिए वोट भी मांगा। मुस्लिम-यादव पर भी खूब फोकस किया था। दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को भी बुलाया गया। लेकिन, इन सबके बावजूद राजद जीत नहीं मिली। हां, जीत के साथ बेलागंज जदयू की इंट्री जरूर हो गई। अब सवाल है कि क्या जनता ने तेजस्वी यादव के साथ-साथ लालू प्रसाद यादव को भी आईना दिखा दिया है? यह सेमीफाइनल नहीं था। इसमें अलग-अलग तरह के समीकरण और स्थानीय मुद्दे हावी रहे। कुछ राजनीतिक पंडित इसे लोकसभा चुनाव का असर भी बता रहे। क्योंकि इन सीटों पर जिन्हें जनता ने 2020 में चुना था, उनमें से कुछ लोकसभा चुनाव में जीत कर संसद पहुंचे। राजनीतिक पंडितों की मानें तो चुनाव के पहले सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की महाबैठक हुई थी। इसमें सबसे ज्यादा फोकस आपसी समन्वय बनाने पर दिया गया था। बार बार प्रमुख नेता एक होकर लड़ने की बात कर रहे थे। चारों सीटों पर यह फैक्टर साफ साफ दिखा। इतना ही नहीं चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के दावे की भी पोल खुल गई। दो अक्टूबर को जब प्रशांत किशोर ने अपनी नई पार्टी जनसुराज का एलान किया तो उसी वक्त बेलागंज, इमामगंज, तरारी और रामगढ़ में उम्मीदवार उतारे की भी बात कही थी। प्रशांत किशोर ने इन चारों सीटों पर जीत का दावा भी किया था। लेकिन, जनता ने तीन सीटों पर जनसुराज को तीसरे नंबर और एक सीट पर चौथे नंबर पर ला दिया। ●

बड़े आयोजनों के लिए मुस्तैद बिहार पुलिस : जितेन्द्र सिंह गंगवार

● अमित कुमार

प्रत्येक वर्ष सारण जिला के सोनपुर थानान्तर्गत सोनपुर पशु मेला (हरिहर क्षेत्र मेला) का आयोजन होता है। दिनांक-13.11.2024 को मेला का उद्घाटन माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार द्वारा किया गया। यह मेला सोनपुर में गंडक तथा गंगा नदी के संगम के किनारे अवस्थित हरिहरनाथ मंदिर के निकट लगभग 01 माह तक चलता है। यह मेला ना सिर्फ एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है, अपितु यह हिन्दू धर्मावलम्बियों के आस्था तथा श्रद्धा का केन्द्र भी है। इस मेला में स्थानीय लोगों के अतिरिक्त देश-विदेश से पर्यटकों का भी आगमन होता है। इस अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है तथा सोनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा तथा गंडक के संगम पर भारी संख्या में लोग स्नान करने पहुँचते हैं। इस आयोजन के अवसर पर विधि-व्यवस्था का संधारण चुनौतीपूर्ण होता है, इस हेतु बिहार पुलिस के द्वारा पूर्ण तैयारी की जाती है। सोनपुर मेले में एकत्रित होने वाली सम्भावित भीड़ के दृष्टिकोण सारण जिला पुलिस द्वारा 21 अस्थायी थाना एवं 09 वाच टावर का निर्माण किया गया है, जिसमें 104 पुलिस पदाधिकारी एवं 551 पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

जिला पुलिस बल के अलावा मुख्यालय स्तर से 235 पुलिस पदाधिकारी, 800 से अधिक सुरक्षा बलों तथा 800 होमगार्डो की प्रतिनियुक्ति की गयी है। नदी क्षेत्रों में

की कुल-03 टीमों के रूप में 70 बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मेले में तथा आवागमन के मार्गों के मुख्य स्थलों तथा मेले के अंदर भागों पर सी०सी०टी०वी० कैमरा, वीडियोग्राफी, मेटल डिटेक्टर, एंटी-सबोटेज जाँच की व्यवस्था की गयी है। कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के अवसर पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण. कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के अवसर पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण हेतु सारण जिले में सोनपुर मेला 2024 हेतु प्रतिनियुक्त उपरोक्त पदाधिकारी एवं सुरक्षा बलों के अलावा बि०वि०स०पु० की 01 कम्पनी अतिरिक्त बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। साथ ही पटना जिले में आंतरिक स्रोत से प्रतिनियुक्त बल के अलावा बि०वि०स०पु० की 03 कम्पनी की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

बिहार के 04 विधान सभी क्षेत्रों में हुए उप चुनाव का शांतिपूर्ण समापन.' बिहार विधान सभा उप-चुनाव-2024 हेतु 13 नवम्बर 2024 को बिहार में कुल 04 विधान सभा क्षेत्रों-इमामगंज (ैण्ब्) एवं बेलागंज (जिला-गया) तरारी (जिला-भोजपुर) तथा रामगढ़ (कैमूर) में कुल 1273 मतदान केन्द्रों पर मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ।

स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण मतदान हेतु बिहार पुलिस के द्वारा पूर्ण तैयारी की गयी थी। 04 विधान सभा उप-चुनाव हेतु करीब 7,000 सुरक्षा बलों एवं 2,500 गृहरक्षकों की तैनाती की गयी थी। इसके साथ हीं अश्वारोही दल एवं बम निरोधक दस्ते की भी प्रतिनियुक्ति की गयी थी।आदर्श आचार संहिता लागू होने से मतदान कि तिथि तक कुल 24 अवैध हथियारों तथा 59 कारतूसों की बरामदगी की गई। साथ हीं कुल

722 अनुज्ञप्ति प्राप्त हथियारों को जमा कराया गया। कुल 870 गैर जमानतीय वारण्टों का निष्पादन किया गया। कुल 8,979 व्यक्तियों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के अन्तर्गत निरोधात्मक कार्रवाई की गयी। Bihar Crime Control Act की धारा-03 के अन्तर्गत कुल 143 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गयी।

छठ महापर्व का शांतिपूर्ण समापन

छठ महापर्व 2024 के शांतिपूर्ण समापन हेतु पुलिस द्वारा सभी आवश्यक प्रबन्धन किये गये थे। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपाधीक्षक स्तर के कुल 20 पदाधिकारियों को पटना जिला में, पुलिस उपाधीक्षक स्तर के कुल 04 पदाधिकारियों को औरंगाबाद जिला में प्रतिनियुक्त किया गया था। उक्त अवसर पर पूरे राज्य में 35 कम्पनी बि०वि०स०पु० बल एवं 03 कम्पनी केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल की प्रतिनियुक्ति की गयी। छठ महापर्व हेतु सिर्फ पटना जिले में 7000 से अधिक सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। इसके अतिरिक्त बिहार पुलिस अकादमी से कुल 1275 प्रशिक्षणरत पुलिस अवर निरीक्षकों को अपने पैतृक जिलों में प्रतिनियुक्त, साथ हीं कुल 2450 पी०टी०सी० प्रशिक्षु सिपाहियों को भी पटना जिला सहित राज्य के विभिन्न जिलों में प्रतिनियुक्त किया गया था।

आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए गोताखोर/एस०डी०आर०एफ०, क्यू०आर०टी०, चिकित्सा शिविर, नर्सिंग स्टॉफ, एम्बुलेन्स, अग्निशमन वाहन की व्यवस्था की गयी थी। पुलिस मुख्यालय के द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जा रहा था। इस अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा के दृष्टिगत् State Police Command Centre पूरे राज्य में दिनांक 07.11.2024 से 08.11.2024 तक कार्यरत रहा। छठ महापर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ एवं कहीं भी किसी प्रकार की गंभीर विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई।●

खुदा बख्श लाइब्रेरी में लगी पुस्तकों की प्रदर्शनी

● कुणाल कुमार

मौलाना अबुल कलाम आजाद एक बहुआयामी बुद्धिजीवी थे। वह स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे। तदनुसार, हर वर्ष 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर खुदाबख्श लाइब्रेरी में किताबों की एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें मौलाना आजाद द्वारा लिखी गई किताबों के साथ-साथ उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में उनके विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई किताबें शामिल हैं। 20वीं सदी में भारत में आई जागृति के नेताओं में मौलाना आजाद भी एक महत्वपूर्ण नाम है। मौलाना आजाद ने अपने लिए जो रास्ता अपनाया वह गंगा-जमुनी तहजीब और धर्मनिरपेक्षता का रास्ता था। अगर हमने मौलाना आजाद की सोच को अपने जीवन में उतार लिया तो हमने अपने जीवन के साथ-साथ देश का भविष्य भी सुरक्षित

कर लिया है। मौलाना आजाद की विचारधारा से छात्रों के लिए दरवाजे खोलते हैं। मौलाना आजाद आजादी के आंदोलन में भी सक्रिय रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में अल-हिलाल की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। उसी समय मौलाना का एक लेख प्रकाशित हुआ; इस्लाम और राष्ट्रवाद, इसमें उन्होंने मानवीय समानता को जीवन की योजना के रूप में प्रस्तुत किया। मौलाना आजाद ने शिक्षा के माध्यम से भारत को अन्य देशों से जोड़ा। मौलाना आजाद ने शिक्षा मंत्री रहते हुए कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की जिससे लोग आज भी लाभान्वित हो रहे हैं।●

करहल में मुलायम कुनबे को एक साथ मिलेगी जीत की खुशी और हार का गम

● संजय सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

उत्तर प्रदेश के जिला मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिये बिसात बिछ गई है। यूपी में नौ सीटों पर उपचुनाव हो रहा है, लेकिन सबसे अधिक चर्चा करहल विधान सभा सीट की ही हो रही है। यहां बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला होने के आसार नजर आ रहे हैं, लेकिन मैदान में बसपा का उम्मीदवार भी ताल ठोंक रहा है। मगर सबसे रोचक यह है कि यहां हारेगा भी मुलायम परिवार का नेता और जीतेगा भी मुलायम के घर का लीडर। इस सीट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने भतीजे पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को मैदान में उतारा गया है जिनको भाजपा के प्रत्याशी और अपने फूफा यानी चाचा धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई अनुजेश यादव से चुनाव के मैदान में टक्कर मिल रही हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 में यहां से विधायक चुने गये थे और 2024 में सांसद बनने के बाद अखिलेश ने इस सीट को छोड़ दिया था। ऐसे में उनकी प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। बीजेपी मिल्कीपुर विधानसभा सीट के बाद इस सीट को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। वहीं चुनावी दंगल में अखिलेश यादव भी खूब पसीना बहा रहे हैं। नामांकन में तेज प्रताप के साथ मौजूद रहकर उन्होंने समर्थकों को संदेश दिया था और इसके बाद स्थानीय नेताओं को लगातार निर्देश भी दे रहे हैं।

करहल विधानसभा सीट की बात की जाये तो मैनपुरी जिले में आने वाली इस सीट को सपा नेता अपनी पुश्तैनी सीट बताते हैं। वैसे भी यह इलाका मुलायम परिवार का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर ही नहीं आसपास

की कई लोकसभा और विधानसभा सीट पर भी सपा का लंबे समय से वर्चस्व चला आ रहा है। वर्ष 1993 से अब तक सपा कहरल सीट पर केवल एक बार पराजित हुई है। बीते चार चुनावों से तो सपा के प्रत्याशी लगातार जीत रहे हैं। अखिलेश यादव ने 2022 के विधान सभा चुनाव में यहां 67 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की थी। कुछ माह पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में कन्नौज का सांसद बनने के बाद अखिलेश यादव ने इस सीट से त्यागपत्र दिया था, जिसके बाद अब यहां उपचुनाव हो रहा है। सपा प्रत्याशी की बात की जाये तो तेज प्रताप यादव इससे पहले वर्ष 2024 में मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में लड़े थे और सांसद बने थे। उनके मैदान में उतरने के बाद अखिलेश यादव सहित पूरे सैफई परिवार की प्रतिष्ठा इस चुनाव से जुड़ गई है। उधर, यादव बाहुल्य इस सीट को जीतने के लिये भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक रखी है। करहल सीट पर जीत हासिल कर बीजेपी लोकसभा चुनाव में सपा से मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहती है। इसके साथ ही भाजपा ने सैफई परिवार के रिश्तेदार अनुजेश यादव को प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया है। बता दें अनुजेश यादव की मां उर्मिला यादव घिरोर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुकी हैं। यह क्षेत्र वर्तमान में करहल विधानसभा सीट के अंदर आता है। अनुजेश यादव की पत्नी संध्या यादव (सपा सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन) मैनपुरी की जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। ऐसे में यदि बीजेपी अनुजेश की जीत की उम्मीद लगा रही है तो इसे सपा हल्के में नहीं ले रही है,परंतु इतना तय है कि मुलायम कुनबे से दो प्रत्याशियों की चुनाव में प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। कुल मिलाकर बीजेपी ने सपा के सामने वह स्थिति खड़ी कर दी है जिसमें सपा को अपनी जीत की खुशी और बीजेपी की हार का गम दोनों मनाना पड़ेगा।●

कहीं सियासी रूप तो नहीं लेता जा रहा है

प्रयागराज का छात्र आन्दोलन

● **अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)**

लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित की जा रही पीसीएस व आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) को लेकर छात्र जो आंदोलन कर रहे हैं,वह कहीं राजनैतिक रूप तो नहीं लेता जा रहा है।विपक्ष छात्रों के गुस्से को योगी सरकार के खिलाफ सियासी हथियार तो नहीं बना रहा है।ऐसा इस लिये लग रहा है क्योंकि छात्रों की जो मांगे हैं वह तर्कसंगत कम जिद् वाली ज्यादा हैं। इतना ही नहीं छात्रों के प्रदर्शन में वह ताकतें भी नजर आ रही है जो किसी तरह से छात्र-छात्राएं नजर नहीं आ रहे हैं। विपक्ष भले योगी सरकार के खिलाफ इसको सियासी मोहरा बना रहा हो,लेकिन इस आंदोलन को लेकर शिक्षाविदों की राय अलग है।कई शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी तरह के विरोध में से पहले छात्रों को प्रक्रिया को समझना जरूरी है। विरोध में सीधे सड़क पर उतर आना ठीक नहीं है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षक रहे प्रो. योगेश्वर तिवारी का कहना है कि आंदोलित छात्रों को मानकीकरण की प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने के उपरांत ही कोई निर्णय लेना चाहिए। शिक्षाविद और काउंसलर डॉ. अपूर्वा भार्गव का कहना है कि मानकीकरण की प्रक्रिया का विरोध अगर इस आधार पर किया जा रहा है कि सरल और कठिन प्रश्नों के पूछे जाने से समान लाभ सबको नहीं मिलेगा तो यह उचित नहीं है।

प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाओं में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता हमेशा से रही है, ताकि इस सेवा के योग्य अभ्यर्थियों को इसमें स्थान मिल सके। मानकीकरण की प्रक्रिया भी इसी परीक्षा में गुणात्मक सुधार का एक प्रयास है। पहले से कई राज्यों में यह प्रणाली अमल में लाई जा रही है, इस आधार पर भी इसे लागू करने का विरोध समझ से परे है। उधर, आयोग के बाहर चल रहे प्रदर्शन के दौरान सरकारी बैरियर व कोचिंग का बोर्ड तोड़ने पर 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से दो नामजद अभिषेक शुक्ला और राघवेन्द्र व अन्य अज्ञात आरोपी हैं। उधर, माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने पर 10 को हिरासत में लिया गया है, जिनसे देर रात तक पूछताछ जारी है। जबकि आज तीसरे दिन भी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अभ्यर्थियों का उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन जारी है। वे मांग कर रहे हैं कि पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षाएं एक दिन और एक शिफ्ट में आयोजित की जाएं।

इससे पहले, प्रयागराज में धरना स्थल पर मंगलवार को ड्रम और नगाड़ों के शोर में यह नारा गूंजता रहा- जुड़ेंगे और जीतेंगे भी। अभ्यर्थियों ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ आयोग पर तंज कसते हुए पोस्टर के जरिये पदों की रेट लिस्ट भी जारी की। मंगलवार सुबह पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे थे और उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा था कि वह भी कभी प्रतियोगी छात्र रहे हैं। नियम कानून से ऊपर कोई नहीं। उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि आयोग के सामने से उठें और उनके साथ सिविल लाइंस स्थित ध रना स्थल पर चलें, क्योंकि इससे रास्ता बंद हो गया है और आम लोगों को दिक्कत तो रही है, लेकिन छात्र अपनी जिद्द पर अड़े हुए हैं।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को एक तरफ तमाम राजनैतिक दलों का समर्थन हासिल हो रहा है तो जिले के बाहर के छात्रों का भी समर्थन मिलना शुरू हो गया है। इसी के चलते आज तीसरे दिन भी यूपीपीएससी ऑफिस के बाहर प्रतियोगी छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। यह प्रदर्शन यूपीपीएससी द्वारा पीसीएस-2024 और आरओ/एआरओ-2023 प्रारंभिक परीक्षा को दो दिन में आयोजित करने के निर्णय के खिलाफ है। आयोग के इस फैसले को लेकर छात्रों में गहरी असंतुष्टि है और वे इसे एक ही दिन में कराने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के तीसरे दिन भी छात्रों का जोश बरकरार है और उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, वे पीछे नहीं हटेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य प्रदेशों से भी प्रतियोगी छात्र इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। छात्रों ने पूरी रात आयोग के बाहर डेरा डाल रखा है। 48 घंटे से आयोग के बाहर डटे प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि दो दिवसीय परीक्षा की प्रणाली से उनके साथ अन्याय हो रहा है। उनके अनुसार, दो दिवसीय परीक्षा के चलते परीक्षा परिणामों में भिन्नता आ सकती है और नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया में विसंगतियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे छात्रों की मेहनत का सही मूल्यांकन नहीं हो सकेगा। प्रतियोगी छात्र परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह प्रक्रिया उन्हें निष्पक्ष परिणामों से वंचित कर सकती है।

उनका तर्क है कि हर परीक्षा में अलग-अलग प्रश्न पत्र होते हैं और इनमें कठिनाई के स्तर में अंतर होता है। ऐसे में नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया से उन छात्रों को नुकसान हो सकता है, जिन्होंने कठिन प्रश्न पत्र हल किया हो। वे चाहते हैं कि परीक्षा को एक ही दिन में आयोजित किया जाए, जिससे सभी प्रतियोगियों के लिए समान प्रश्न पत्र हो और किसी तरह का भेदभाव न हो।

प्रयागजराज में छात्रों के आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षाएं को एक दिन में कराने को तैयार हो गया है,लेकिन यह कैसे संभव होगा। यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है।क्योंकि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में एक दिन की पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा कराने के लिए अधिकतम 978 केंद्र ही मिल सके। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 के लिए इससे ढाई गुना अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में सवाल है कि आयोग एक दिन में यह परीक्षा कैसे करा सकेगा।

बता दें आयोग को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के 576154 अभ्यर्थियों के लिए प्रदेश में 1748 केंद्रों की जरूरत थी। लेकिन, केंद्र निर्धारण सख्त नीति के कारण आयोग को सभी 75 जिलों में केवल 978 केंद्र ही मिल सके। आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में इससे ढाई गुना अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी। 11 फरवरी को आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 2387 केंद्रों में आयोजित की गई थी, जो पेपर लीक के कारण निरस्त कर दी गई थी। अब इसी परीक्षा को लेकर पेच फंसा है। यदि आयोग जून-2024 को जारी शासनादेश में उल्लेखित नियमों के तहत केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पूरी करता है तो आयोग को प्रदेश के सभी 75 जिलों में 978 केंद्र ही मिल सकेंगे। इनमें अधिकतम 435074 अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई जा सकती है। जबकि, आरओ/एआरओ परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। ऐसे में केंद्र निर्धारण के नियमों में संशोधन के बिना आरओ/एआरओ परीक्षा एक दिन में करा पाना मुश्किल होगा। आयोग ने एक समिति का भी गठन किया है, जो इस समस्या के निदान के लिए रास्ते तलाशेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही आयोग तय करेगा कि आरओ/एआरओ परीक्षा कैसे करानी है।●

राजनैतिक रूप से एकजुट मुसलमान भी है जातियों-कुरीतियों में बंटा

● संजय सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

यह बात समझ से परे है कि गैर भाजपा दलों के नेताओं को हिन्दू समाज में पिछड़े और दलित जाति के लोगों की ही चिंता क्यों सताती है. उनका ध्यान उन और दलित मुसलमानों की तरफ क्यों नहीं जाता है जो उच्च श्रेणी के मुसलमानों के कारण अपने अधिकारों से वंचित हैं. मुसलमानों में इन दलित और पिछड़े लोगों की पहचान पसमांदा समाज के रूप में है. दरअसल,भारतीय मुसलमान मुख्यत: तीन जाति समूहों में बंटा हुआ है इन्हें अशराफ, अजलाफ और अरजाल कहा जाता है। ये जातियों के समूह हैं, जिसके अंदर अलग-अलग जातियां शामिल हैं। हिंदुओं में जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र वर्ण होते हैं, वैसे ही अशराफ, अजलाफ और अरजाल को देखा जाता है. अशराफ में सैयद, शेख, पठान, मिर्जा, मुगल जैसी उच्च जातियां शामिल हैं. मुस्लिम समाज की इन जातियों की तुलना हिंदुओं की उच्च जातियों से की जाती है, जिनमें ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य शामिल हैं. दूसरा वर्ग है अजलाफ. इसमें कथित

बीच की जातियां शामिल हैं. इनकी एक बड़ी संख्या है, जिनमें खास तौर पर अंसारी, मंसूरी, राइन, कुरैशी जैसी कई जातियां शामिल हैं. कुरैशी मीट का व्यापार करने वाले और अंसारी मुख्य रूप से कपड़ा बुनाई के पेशे से जुड़े होते हैं. हिंदुओं में उनकी तुलना यादव, कोइरी, कुर्मी जैसी जातियों से की जा सकती है. तीसरा वर्ग है अरजाल. इसमें हलालखघेर, हवारी, रज्जाक जैसी जातियां शामिल हैं. हिंदुओं में मैला ढोने का काम करने वाले लोग मुस्लिम समाज में हलालखघेर और कपड़ा धोने का काम करने वाले धोबी कहलाते हैं. अरजाल में वो लोग हैं, जिनका पेशा हिंदुओं में अनुसूचित जाति के लोगों का होता था. इन मुसलमान जातियों का पिछड़ापन आज भी हिंदुओं की समरूप जातियों जैसा ही है.

राज्यसभा के पूर्व सांसद और पसमांदा मुस्लिम आंदोलन के नेता अली अनवर अंसारी कहते हैं कि मुसलमानों में भी जाति प्रथा हिंदुओं की तरह ही काम करती है. विवाह और पेशे के अलावा मुसलमानों में अलग-अलग जातियों के रीति रिवाज भी अलग-अलग हैं. मुसलमानों में भी लोग अपनी ही जाति देखकर शादी करना पसंद करते हैं. मुस्लिम इलाकों में भी जाति के आधार पर कॉलोनियां बनी हुई दिखाई देती हैं. कुछ मुसलमान जातियों की कॉलोनी एक तरफ बनी

हुई है, तो कुछ मुसलमान जातियों की दूसरी तरफ. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में तुर्क, लोधी मुसलमान रहते हैं. उनके बीच काफी तनाव रहता है. उनके अपने-अपने इलाके हैं. राजनीति में भी ये देखा जाता है. अली अनवर कहते हैं कि जीने से लेकर मरने तक मुसलमान जातियों में बंटा हुआ है. शादी तो छोड़िए, रोटी-बेटी का रिश्ता भी नहीं है एक दो अपवाद को छोड़कर. जाति के आधार पर कई मस्जिदें बनाई गई है. गांव-गांव में जातियों के हिसाब से कब्रिस्तान बनाए गए हैं. हलालखघेर, हवारी, रज्जाक जैसी मुस्लिम जातियों को सैयद, शेख, पठान जातियों के कब्रिस्तान में दफनाने की जगह नहीं दी जाती. उनके अनुसार, कई बार तो पुलिस को बुलाना पड़ता है. मुसलमानों में कम से कम 15 ऐसी जातियां हैं, जिन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए. मुसलमानों में जो पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें ओबीसी कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन उससे हलालखघेर जैसी जातियों के लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि उनका पिछड़ापन हिंदू दलितों जैसा है. इस संबंध में प्रो. तनवीर फजल बताते हैं कि धर्म परिवर्तन के समय लोग अपने साथ अपनी-अपनी जातियां भी लेकर आए. इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी उन्होंने जाति को नहीं छोड़ा. उत्तर प्रदेश के जिन राजपूतों ने मुस्लिम धर्म अपनाया, वे अभी भी अपने नाम के साथ चौहान लिखते हैं. खुद को राजपूत मानते हैं. यह भी माना जाता है कि जो तुर्क, मुगल और अफगान भारत में आए. उन्होंने अपने लोगों को शासन व्यवस्था में ऊंचा स्थान दिया और यहां के लोगों को कमतर निगाहों से देखा. प्रोफेसर फजल के अनुसार हो सकता है कि वहां से भी इसकी शुरुआत हुई हो.

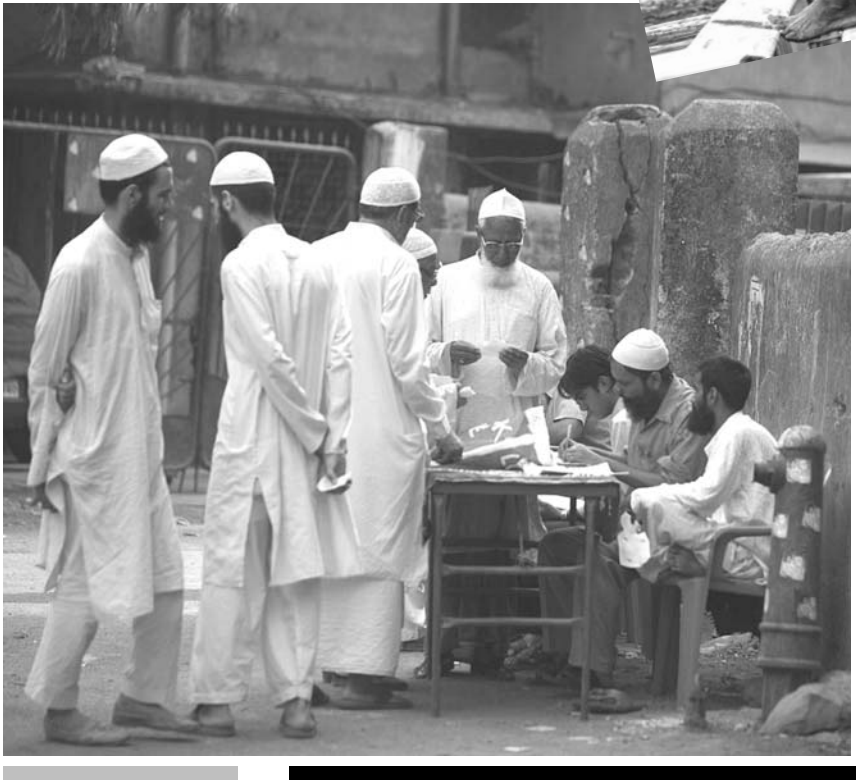

खैर, यह सब बातें इस लिये बताई जा रही थीं क्योंकि हाल ही में प्रधापमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि यह लोग मुसलमानों में दलित और पिछड़ों की बात क्यों नहीं करते हैं। मोदी ने कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना करवाने की मांग की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा केवल हिंदू समाज की जातीय जनगणना की बात करने का उद्देश्य हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ भड़काना भर है, जबकि मुसलमानों की विभिन्न जातियों की बात पर कांग्रेस मुंह बंद कर लेती है। वैसे तो मोदी के निशाने पर कांग्रेस और गांधी परिवार था, लेकिन कमोबेश यही स्थिति उन तमाम दलों की भी है जो तुष्टिकरण या मुस्लिम वोट बैंक की सियासत करते हैं. इसमें समाजवादी पार्टी, बसपा, लालू यादव की पार्टी, ममता बनर्जी, केजरीवाल सभी दलों के नेता शामिल हैं। यहां यह याद दिला देना भी जरूरी है कि भले ही मोदी राज में कांग्रेस जातीय

जनगणना की बात कर रही हो कांग्रेस का पूर्व नेतृत्व जिसमें नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक की सरकारें शामिल थीं ने हमेशा जातिवाद का विरोध किया था. इतना ही नहीं कांग्रेस का नेतृत्व वाली संप्रग सरकार जिसके मुखिया मनमोहन सिंह और सुपर पीएम सोनिया गांधी थी ने वादा करने के बावजूद 2011 में हुई जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी से संबंधित जातिगत गणना के आंकड़े को सार्वजनिक नहीं किया था. यह विडंबना ही है कि आज वही कांग्रेस और गांधी परिवार जातीय जनगणना के लिए सबसे अधिक व्याकुल है। कांग्रेस का विभिन्न मुस्लिम जातियों के बारे में चर्चा न करना और उनके बीच सामाजिक न्याय की उपेक्षा कर पसमांदा और अशराफ मुस्लिमों के विभेद को नकारना उसकी सामाजिक न्याय की नीति पर प्रश्नचिह्न लगाता है. प्रधानमंत्री मोदी तो लगातार मुस्लिमों की जातियों और उनके सामाजिक न्याय के संघर्ष की तरफ सबका ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन तथाकथित सेक्युलर-लिबरल, कांग्रेसी और कम्युनिस्ट मुस्लिमों की जातियों पर चर्चा करना उचित नहीं समझते और न ही मुस्लिम समाज के सामाजिक न्याय का संघर्ष उनके लिए कोई मायने रखता है. उनके इस रवैये से पसमांदा समाज में क्षोभ की स्थिति व्याप्त होना स्वाभाविक है, लेकिन यह और बात है कि इस समाज के पास कोई सियासी विकल्प ही नहीं मौजूद है और बीजेपी पर यह समाज चाह कर भी भरोसा नहीं कर पाता है. क्योंकि बीजेपी के खिलाफ इनको दिलों में काफी जहर घोल दिया गया है.

मुसलमानों में व्याप्त जातिवाद और इससे एक बड़े तबके को उसका हक नहीं मिल पाने की स्थिति में ओबीसी से संबंधित जातिगत आंकड़े एकत्र करना नितांत आवश्यक हो जाता है, ताकि शिक्षा, रोजगार एवं राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में इससे संबंधित सभी पात्र समुदायों को आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। 1955 में आई काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट ने मुसलमानों और अन्य पंथों के बीच कुछ जातियों/समुदायों को भी पिछड़ा घोषित किया था। मंडल आयोग ने भी सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया था कि जातियां या जातियों जैसी संरचना केवल हिंदू समाज तक ही सीमित नहीं, अपितु यह गैर हिंदू समूहों-मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच भी पाई जाती है. इसी तरह से इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ केस में नौ जजों की बेंच ने पिछड़ेपन के निर्धारक

क रूप में आर्थिक मानदंड को खारिज कर दिया था. न्यायालय ने जाति की अवधारणा को यह कहते हुए बरकरार रखा कि भारत में जाति एक सामाजिक वर्ग हो सकती है और प्राय: होती भी है. गैर-हिंदुओं यानी मुसलमानों और दूसरे धर्मों में पिछड़े वर्गों के सवाल पर न्यायालय ने कहा था कि उनकी पहचान उनके पारंपरिक व्यवसायों के आधार पर की जानी चाहिए. इस प्रकार पिछड़ा वर्ग एक ऐसी श्रेणी है, जो बिना किसी धार्मिक भेदभाव के विशेष रूप से उन जाति समूहों को संदर्भित करती है, जो सामाजिक पदानुक्रम में मध्य स्थान पर स्थापित हैं और आर्थिक, शैक्षिक तथा अन्य मानव विकास संकेतकों के मामले में पीछे रह गए हैं. इससे यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम समाज की जातिगत गणना की बात करना न्यायसंगत है, लेकिन तथाकथित मुस्लिम हितैषी और सामाजिक न्याय की बात करने वाली पार्टियों की तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं दिखी है. कुल मिलाकर जब तक संपूर्ण जातिगत जनगणना पर आम सहमति नहीं बन जाती है, तब तक मुस्लिम जातियों की जनगणना की जरूरत पर बल देना ही चाहिए, ताकि मुस्लिम समाज में भी सामाजिक न्याय स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हो सके. आज मुस्लिम समाज की जातीय जनगणना एक अनिवार्य अंग है, जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों को शीघ्र अति शीघ्र ध्यान देना चाहिए. यह मानना और प्रचारित करना निरा झूठ है कि मुसलमानों में जातियां नहीं हैं और उनमें कोई भेद नहीं है। यहां यह बात ध्यान रखना होगी कि मुस्लिम समाज की मौजूदा स्थिति न तो मुस्लिम समाज के हित में है और न राष्ट्रहित में. जब तक देश में बसने वाले सभी समुदायों को सभी क्षेत्रों में उचित भागीदारी द्वारा राष्ट्र की मुख्यधारा से न जोड़ा जाए, तब तक कोई भी देश विकसित और संपन्न नहीं हो सकता. न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि आम जनमानस, केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ मीडिया को भी यह समझने की जरूरत है कि मुस्लिम समाज भी ऊंच-नीच, अगड़ा-पिछड़ा, दलित और आदिवासी वर्ग में बंटा है. पूरे मुस्लिम समाज को एक समरूप समाज मानकर बनती आ रही नीतियों पर पुनर्विचार करते हुए मुसलमानों की जातिगत संरचना को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण पर बल देना चाहिए. इसके लिये सबसे पहले मुसलमानों की जातीय जनगणना कराया जाना ही एक मात्र विकल्प है. ●

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

उत्तर प्रदेश में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर के इस्तेमाल संबंधी आदेश के बाद सियासी माहौल गर्मा गया है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति पर आरोपित होने के बावजूद उसके निर्माण को बुलडोजर से गिराना उचित नहीं है, और ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अदालत ने पुराने अवैध निर्माण और अतिक्रमण को अलग रखा है और इस पर कार्रवाई की अनुमति दी है। इस आदेश के बाद राज्य की राजनीति में तकरार बढ़ गई है। समाजवादी पार्टी ने इस आदेश के बाद आरोप लगाया कि बुलडोजर की कार्रवाई का असल निशाना मुसलमानों को बनाया गया था। सपा प्रवक्ता अमीक जामई ने कहा कि पहले माफिया और अपराधियों पर बुलडोजर चलाने का दावा किया गया, लेकिन अब यह कार्रवाई मुसलमानों के खिलाफ हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम बाहुल्य इलाकों जैसे अकबरनगर में बुलडोजर चलाकर लोगों के घर तोड़े गए, जबकि इनके खिलाफ कोई ठोस अपराधीकरण नहीं था। सपा ने मांग की है कि बुलडोजर एक्शन के शिकार हुए लोगों को 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। पार्टी ने कहा कि यदि सरकार कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करती है, तो वे पीड़ितों के साथ खड़े होकर न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष स्पष्ट किया है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेता प्रशांत सिंह अटल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई पर कोई रोक नहीं लगाई है। उन्होंने बताया कि कोर्ट का आदेश केवल यह है कि इस प्रकार की कार्रवाई नियमों और मानकों के तहत की जाए। लखनऊ विकास प्राधिकरण को यह अधिकार है कि वह अवैध निर्माण पर कार्रवाई करे, बशर्ते यह पूरी तरह से कानून के तहत हो। इस तरह से, सुप्रीम कोर्ट का आदेश उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई के कानूनी पहलुओं को लेकर एक नई बहस का कारण बना है। जबकि विपक्ष इसे उत्पीड़न का एक नया तरीका मानता है, सत्ताधारी पक्ष इसे कानून-व्यवस्था के तहत जरूरी कार्रवाई मानता है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सपा विधायक के मकान की कुर्की का आदेश

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

जेल में बंद उत्तर प्रदेश के जिला भदोही से समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद जमाल बेग और उसके बेटे के बाद फरार चल रही विधायक की पत्नी के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। जिसके कारण परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आदेश की अवहेलना पर एमपीएमएलए न्यायालय ने विधायक के मालिकाना मोहल्ले स्थित तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। वहीं फरार चल रही उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें भदोही के सपा के विधायक जाहिद जमाल बेग के मालिकाना मोहल्ले स्थित आवास में नौकरानी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने विधायक जाहिद बेग के साथ उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जईम बेग के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में बेटे की गिरफ्तारी की। जिसके बाद विधायक ने एमपी एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इस समय विधायक प्रयागराज के नैनी और बेटा जईम वाराणसी जेल में बंद है। दूसरी तरफ कोर्ट ने फरार चल रही उनकी पत्नी को न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया था। कोर्ट की नोटिस का समय बीतने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित न होने पर भदोही कोतवाली के विवेचक कमलेश कुमार ने विधायक की पत्नी के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज कराया। वहीं न्यायालय के आदेश की अवहेलना के आरोप में कोर्ट ने मालिकाना मोहल्ले स्थित उनकी तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। एएसपी डॉ. तेजबीर सिंह ने बताया कि न्यायालय ने भदोही के सपा विधायक के आवास के कुर्की का आदेश दिया है। जल्द ही आदेश का अनुपालन किया जाएगा।●

मंदिर के बाहर मांस फेंकने के आरोप में तीन गिरफ्तार

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगे जिला बाराबंकी में साम्प्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करने का एक मामला सामने आया है। यहां मंदिर के बाहर शराब पीने और मांस पकाकर खाने का विरोध करने पर साध्वी ने गैर संप्रदाय के लोगों पर घर में घुसकर जानलेवा हमला और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच में केवल हमले के आरोप की पुष्टि हुई है। दरअसल, देवा कोतवाली अंतर्गत मुख्य कस्बा में देवा-कुर्सी मार्ग पर वर्मा मार्केट के पीछे एक शिव जी का मंदिर स्थित है, जिसकी साध्वी ज्योति सिंह पुत्री बलवीर सिंह हैं,इनका आरोप है कि देवा मेले के दौरान कस्बा निवासी मुजीब पुत्र गुलाम दस्तगीर, पिल्लू पुत्र निसार, जुनैद व कुछ अन्य लोग साध्वी के आवास व मंदिर के सामने मीट बना रहे थे और शराब पी रहे थे। साध्वी ने मना किया तो आरोपित विवाद करने लगे। पीड़िता ने डायल 112 पर शिकायत कर पुलिस को बुला लिया, इसी रंजिश में 11 नवंबर की शाम आरोपितों ने विवाद की नियत से मंदिर के सामने शराब पी व मीट खाकर मंदिर के सामने हड्डियां फेंक दी।पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपितों ने अभद्रता करते हुए धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की कोशिश और अभद्रता का मुकदमा दर्ज कर नामजद तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।दबंगों की करतूत के बाद भुक्तभोगी ने वीडियो बनाकर पूरी घटना बताते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से साधु-संतों की सुरक्षा की मांग की है।प्रभारी एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच में मंदिर के बाहर शराब पीना व मांस पकाने खाने के बाद हड्डी फेंकने व घर में घुसकर मारने की बात गलत पाई गई। महिला का कस्बा के ही फैय्याज से परिचय है और फैय्याज की विपक्षी जुनैद से किसी बात को लेकर रंजिश है। फैय्याज महिला के साथ जुनैद के घर गया था, जहां उसकी पत्नी से विवाद के बाद आरोपितों ने ज्योति सिंह पर हमला कर दिया। अन्य सभी आरोप गलत मिले। मामले में मुकदमा लिखकर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।●

एनकाउंटर के बाद आरोपी की इलाज में लापरवाही के चलते मौत

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

22 अक्टूबर को एनकाउंटर में घायल हुए लूट के आरोपित कमलेश तिवारी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत के मामले में परिवारीजनों ने जेल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिवार वालों का कहना है कि पैर में गोली लगने से घायल हुए कमलेश का सही समय पर ऑपरेशन न होने से उसके शरीर में इंफेक्शन फैल गया, जिससे उसकी मौत हुई है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सेप्टीसीमिया की वजह से उसकी मौत होने की बात कही गई है।

लखनऊ के ठाकुरगंज दौलतगंज निवासी कमलेश की पत्नी रूमी तिवारी ने बताया कि 22 अक्टूबर की दोपहर करीब 12 बजे पुलिसकर्मी उनके पति को घर से ले गए थे। इसके बाद पुलिसकर्मी कमलेश को दिनभर दुबग्गा इलाके में चार पहिया वाहन से घुमाते रहे। रात करीब 8.30 बजे जानकीपुरम पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान भिठौली मोड़ के पास कमलेश को गोली मार दी थी। बाएं पैर में गोली लगने से कमलेश घायल हो गया था, उसे देर रात केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया था। अगले दिन वीडियो कॉल के जरिए कमलेश की मैजिस्ट्रेट के सामने पेशी हुई। फिर पुलिसकर्मी कमलेश को लखनऊ जेल ले गए, जहां लिखा-पढ़ी होने के बाद उसको ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवा दिया गया था।

कमलेश की पत्नी के मुताबिक रुपये के अभाव में उसके पति कमलेश का ऑपरेशन नहीं हो सका था। इससे उसके पैर के घाव में इंफेक्शन हो गया। आरोप है कि ऑपरेशन में देरी होने का कारण पूछने पर कमलेश की सुरक्षा में

लगे जेल कर्मियों का कहना था कि जेल प्रशासन से इलाज का पैसा पास नहीं हुआ है। पीड़िता का कहना है ऑपरेशन में देरी की वजह से कमलेश के पैर के घाव में मवाद पड़ गया।हालत बिगड़ने पर आनन-फानन में 3 नवंबर को कमलेश का ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद पैर में लोहे की रॉड लगाने के लिए कमलेश को लिंब सेंटर में एडमिट करवाया गया। 14 नवंबर की देर रात कमलेश को खून की उल्टी होने लगी। हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा ट्रॉमा सेंटर में रेफर कर दिया गया था।खून की उल्टी बंद न होने से कमलेश की हालत बिगड़ती चली गई। शुक्रवार सुबह सात बजे कमलेश की मौत हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सेप्टीसीमिया बीमारी की वजह से कमलेश की मौत होने की पुष्टि हुई। पत्नी रूमी ने बताया कि कमलेश ई-रिक्शा चलाता था। ससुर शिव कुमार तिवारी की डेढ़ वर्ष पूर्व सांस की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। बुजुर्ग सास घर में ही रहती है। आर्थिक तंगी की वजह से इकलौती बेटी खुशबू स्कूल नहीं जाती है। पीड़िता का कहना है कि कमलेश की मौत के बाद उनका पूरा परिवार उजड़ गया। इस संबंध में कमलेश की मां फूलमती ने बताया कि 22 अक्टूबर की रात इलेक्ट्रॉनिक चौनल के जरिए उन्हें कमलेश को गोली मारने की सूचना मिली थी, जबकि पुलिसकर्मी पूछताछ करने का झांसा देकर कमलेश को साथ ले गए थे। शुक्रवार को कमलेश की मौत होने पर पुलिस ने आनन-फानन में शव को पोस्टमार्टम करवाया। इधर पोस्टमॉर्टम हो रहा था, उधर पुलिस ने गुलाला घाट में शव को अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली। शव को घर लाने नहीं दिया। हिंदू रीति-रिवाज के विपरीत कमलेश के शव का अंतिम संस्कार सूर्यास्त के बाद करवाया गया। 5 वर्षीय बेटी खुशबू ने पिता के शव को मुखाग्नि दी। मां फूलमती ने बताया कि घायल बेटे के हालचाल लेने वह ट्रॉमा सेंटर गई थीं। पीड़िता के मुताबिक कमलेश ने उन्हें बताया कि 22 अक्टूबर की रात उसे चार पहिया वाहन से उतारा गया, पुलिसकर्मियों ने उसके पैंट की जेब में चेन रखी। सामने पुलिस अधिकारी को देखते ही कमलेश ने जय हिंद किया, जिसके तुरंत बाद पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। फिर कमलेश को तमंचा दिया गया।

केजीएमयू लिंब सेंटर के आर्थोपेडिक सर्जन प्रोफेसर नरेंद्र कुशवाहा का कहना है कि सेप्टीसीमिया होने पर मरीज का तुरंत ऑपरेशन करना चाहिए। ऑपरेशन में देरी होने पर इंफेक्शन शरीर के अंगों में फैल जाता है। इससे उसकी मौत हो सकती है। ऐसे मरीजों को तुरंत इलाज की जरूरत होती है। लखनऊ जिला जेल अधीक्षक बृजेंद्र सिंह ने कहा कि जेल प्रशासन की तरफ से कमलेश का समय पर इलाज करवाया गया था। 8 से 11 नवंबर के बीच चिकित्सकों के कहने पर 36 हजार से अधिक रुपये की दवाइयां खरीदी गई थीं। ●

रिटायर्ड शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट कर 18 लाख की ठगी

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

देश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर एक रिटायर्ड शिक्षिका डिजिटल अरेस्ट के अभियुक्तों की भेंट चढ़ गये। यह घटना पीजीआई के पुराना कैंपस में रहने वाले डॉक्टर की बुजुर्ग मां के साथ हुई। मां को डिजिटल अरेस्ट कर कथित मुंबई क्राइम ब्रांच व सीबीआई अधिकारी बन जालसाजों ने 18 लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने उनको सात दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा। ठगी का शिकार हुई बुजुर्ग सेवानिवृत्त शिक्षिका ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। हरियाणा के पंचकुला हरियाणा की रहने वाली सेवानिवृत्त शिक्षिका शिखा हलदर पीजीआई पुराना कैंपस निवासी डॉक्टर बेटे और बहू के साथ रहती है। उनके मुताबिक पांच नवंबर को सुबह 10 बजे उनके एक अनजान नंबर से कॉल आई। फोन कर्ता ने खुद को एसबीआई का कस्टमर का एजेंट बताया और शिखा के नाम से क्रेडिट कार्ड का फ्रॉड होने की जानकारी दी। शिखा ने क्रेडिट कार्ड के प्रयोग से इंकार कर दिया। इसके बाद जालसाज ने मुंबई क्राइम ब्रांच का नाम लेते हुए पूछताछ किए जाने की बात कही। कुछ देर के बाद शिखा के पास एक व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच कर्मी बताया। उसने बताया कि शिखा के नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज है और उनके बैंक खातों की जांच होनी है।

जालसाज ने इसके बाद शिखा को बताया कि अब आगे की जांच सीबीआई करेगी और फिर शिखा के पास एक दूसरे अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। उसने मनी लॉन्ड्रिंग के केस का आरोपी बताते हुए पूरे परिवार को जेल भेजने की जैसे तमाम धमकी दी। इसके बाद जालसाज ने शिखा को धमकाते हुए रुपये वसूलने शुरू किए और 12 नंबर तक अलग-अलग बैंक खाते में 18 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। पीड़िता ने बताया कि जालसाजों ने उनको डिजिटली अरेस्ट रखा। व्हाट्सएप कॉल के साथ ही अन्य गतिविधियों को जानने के लिए चैट और वीडियो कॉल भी करते थे। पीड़िता को आरोपियों ने इस कदर डरा दिया था कि उनको कुछ समझ में नहीं आया और जालसाज जैसा बताते गए वह वैसा करती गई। जालसाजों ने पीएनबी से पांच नवंबर को पांच लाख रुपये एचडीएफसी के खाते में, 6 नवंबर को पांच लाख रुपये आईसीआईसीआई बैंक के खाते में, 8 नवंबर को चार लाख रुपये बंधन बैंक खाते में और 8 नवंबर को ही चार लाख रुपये बंधन बैंक के खाते में ट्रांसफर कराए। पीड़िता के मुताबिक पहले ठगों की बातों में आकर खातों में जमा सारा पैसा उनके बताए खाते में जमा कर दिया। बेटे ने कई बार उनको परेशान देखकर पूछा, लेकिन डर के चलते उन्होंने कुछ नहीं बताया। 12 नवंबर को जालसाजों ने शिखा को व्हाट्सएप कॉल कर सभी एफडी तोड़कर खाते में जमा करने की बात कही, तो उनको कुछ शक हुआ। उन्होंने हिम्मत जुटाकर बेटे व बहु को सारी बात बताई तो पता चला कि उनके साथ ठगी गई गई है। 13 नवंबर को शिखा हलदर ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बीजेपी कार्यालय के बाहर सुर्खियां बटोरता मुलायम सिंह का पोस्टर

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर समाजवादी पार्टी का पोस्टर चर्चा का विषय बन गया है । सपा के पूर्व प्रमुख नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती पर यह पोस्टर लगाया गया है। होर्डिंग में मुलायम की तस्वीर को देखकर बीजेपी के कार्यकर्ता हैरान रह गए. हालांकि, कहा जा रहा है कि यह होर्डिंग मुलायम की बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने लगवाई क्योंकि होर्डिंग में अपर्णा यादव की भी तस्वीर है. बीजेपी ऑफिस के बार लगी इस होर्डिंग में नेताजी को उनकी 85वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई है. इस होर्डिंग को देखकर सपा और बीजेपी में खलबली मच गई है. बताया जा रहा है कि बीजेपी ऑफिस के बाहर नेताजी की तस्वीर

लगाकर एक अलग मैसेज देने की कोशिश की गई है. अपर्णा के अलावा इस होर्डिंग में चौधरी विवेक बालियान की भी तस्वीर है. कहा ये भी जा रहा है कि यह होर्डिंग अपर्णा ने नहीं बल्कि विवेक बालियान ने लगवाई. इस होर्डिंग पर लिखा है, 'श्रद्धेय नेताजी की 85वीं जयंती पर शत शत नमन'.

दरअसल, यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव है. इससे पहले यहां पोस्टर्स और नारे को लेकर जमकर राजनीति हो रही है. हाल के कुछ दिनों में लखनऊ की सड़कों पर जमकर पोस्टर्स वार देखने को मिले हैं. उत्तर प्रदेश की जिन नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें अंबेडकरनगर की कटेहरी, मैनपुरी की करहल, मिर्जापुर की मझवां, कानपुर की सीसामऊ, प्रयागराज की फूलपुर, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, अलीगढ़ की खैर, मुरादाबाद की कुंदरकी और गाजियाबाद सीट शामिल हैं.●

दलाली में केजीएमयू लखनऊ के पांच डॉक्टरों की सेवाएं समाप्त

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

स्वास्थ्य सेवाएं के लिये लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) का अपना महत्व है। यहां इलाज कराने के लिये दूरदराज के जिलों से भी बढ़ी संख्या में मरीज आते हैं जिस कारण यहां मरीजों का ज्यादा दबाव हो जाता है। इसी का फायदा उठाने की कोशिश में कई दलाल टाइप के लोग लगे रहते हैं। इनको केजीएमयू के कुछ जूनियर रेजिडेंट (जूनियर डॉक्टर) का भी सहयोग मिलता रहता हैं। मरीजों को अच्छे इलाज का झांसा देकर कई रेजिडेंट निजी अस्पताल भेज रहे हैं। केजीएमयू प्रशासन ने इसकी जानकारी होने पर केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में तैनात पांच जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। बता दें केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में करीब 450 बेड हैं। ज्यादातर बेड भरे रहते हैं। हालत यह होती है कि रोजाना यहां सौ से ज्यादा घायलों का इलाज स्ट्रेचर पर होता है। मरीजों का ज्यादा दबाव होने की वजह से शाम के बाद और

विशेषकर रात में आने वाले घायलों को बेड मिलने में समस्या होती है। इसका फायदा उठाते हुए यहां तैनात कई रेजिडेंट मरीजों को निर्धारित अस्पताल भेजते हैं। ट्रॉमा सेंटर के बाहर इन अस्पतालों की एंबुलेंस पहले से मौजूद रहती हैं। ये एंबुलेंस घायलों और मरीजों को सीधे वहां पहुंचा देती हैं। केजीएमयू के एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि कुछ जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) के खिलाफ मरीजों को शिफ्ट करने की शिकायत मिली थी। जांच कराने पर शिकायत सही पाई गई थी। इसके बाद इनको हटा दिया गया।●

चुनाव से पहले 1100 भाजपा मंडल अध्यक्ष चुने जायेंगे

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को मजबूत करने की तैयारी में है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले संगठनात्मक 45 जिलों में जिला अध्यक्ष और 1100 मंडल अध्यक्ष का चुनाव कराएगी। विधानसभा उपचुनाव के बाद पार्टी तैयारी शुरू कर देगी। इस संदर्भ में शीर्ष नेतृत्व की ओर से भाजपा के प्रदेश नेताओं को स्वीकृति मिल चुकी है। भाजपा की प्रयास है कि गुटबाजी से अलग हटकर क्षेत्र में पकड़ रखने वाले नेताओं को जिला और मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाए। पिछले कार्यकाल में गुटबाजी करने वाले नेताओं के बारे में भी केंद्र को जानकारी मिल चुकी है ।पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा है कि संगठन को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाई गई है। चुनाव के बाद सक्रिय होकर काम किया जाएगा। फिलहाल अभी भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है। सक्रिय सदस्य बनने के लिए सिर्फ तीन दिन समय बच रहा है। अगले बार सक्रिय सदस्य ही मंडल अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। हरेक मंडल अध्यक्ष का चुनाव सक्रिय सदस्य ही करेंगे। मंडल अध्यक्ष चुनाव के लिए 70% सक्रिय सदस्य की सहमति अनिवार्य है। सक्रिय सदस्य उन्हें चुना जाता है जो 50 सामान सदस्य बनाते हैं। ऐसे में मंडल चुनाव कराने के लिए 5 हजार सामान्य सदस्यों की वोटिंग जरूरी है। गुटबाजी समाप्त करने के लिए कमेटी बनाई गई है। वार्ड, मंडल और जिला अध्यक्ष के चुनाव में होने वाली गुटबाजी को खत्म करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसका अध्यक्ष भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह को बनाया गया है। मंडल और जिला

अध्यक्ष के चुनाव में अंतिम निर्णय कमेटी का होगा पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पंकज सिंह ने बताया की नई व्यवस्था लागू होने से पूरे प्रदेश में वार्ड और मंडल का समन्वय बना रहेगा। साथ ही एक बार निर्णय होने के बाद विवाद की स्थिति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

बिहार के गुट बाजी को सुधारने के लिए आ रहे हैं राधा मोहन सिंह। बिहार को राधा मोहन सिंह सुधारेंगे या स्वयं सुधर जाएंगे। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा है कि राधा मोहन सिंह का ईमानदारी और स्वच्छ छवि पर कोई कोई प्रश्नचिह्न नहीं है। वे संगठन बनाने के लिए स्वयं नहीं जानते हैं वह कैसे संगठन बनाएंगे। वह सिर्फ तीन ही फॉर्मूला जानते हैं। कार्यकर्ताओं से नारा लगवाना माला पहनना और फोटो खिंचवाना। उन्होंने अभी तक मोदी जी द्वारा जनहित में 300 से ज्यादा चलाई जा रही योजनाओं का सूची भी कोई कार्यकर्ताओं को आज तक नहीं दिलवाए। योजनाओं को घर घर पर पहुंचा देना सबसे बड़ी संगठन बनाने का तरीका है । भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध आंदोलन करना धरना, प्रदर्शन आदि । शायद यह भी आप नहीं बताएं। आज निर्दोष लोगों को जेल में ठूंसा जा रहा है । आप के साथ जिला और प्रदेश के सारे पदाधिकारी खामोश है। अपने व्यक्तित्व पर नहीं सिर्फ मोदी पर है।

बिहार में ऐसे भी भाजपा में पदाधिकारी है जो एक महीना में संगठन और प्रशासन को भी सुधार देगी शायद आप भी नहीं जानते होंगे। क्योंकि जानकारी का प्रयास किया ही नहीं। भाजपा में भी पदाधिकारी हैं जिनसे कभी न्यायालय ने भी माफी मांगा है। रिश्वतखोर को विजिलेंस से भी गिरफ्तार करवाया है। अपराध भ्रष्टाचार के विरुद्ध धरना, प्रदर्शन, अनशन, आमरण अनशन का कतारें सजा दी है। संगठन सुधारने के लिए यदि चाहते हैं तो वैसे लोगों को खोजें। अन्यथा पुराने फार्मूला कार्यकर्ताओं से नारा लगवाना माला पहनना और फोटो खिंचवाना जारी रखें।●

अंग्रेज का बनाया हुआ पुल सौ वर्ष बाद भी गाड़ी दौड़ रही है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

सौ साल पूरे कर चुके 2951 पुलों पर ट्रेनें आज भी दौड़ रही है। इन पुलों की जगह नए पुल बनाने की भी कोई योजना नहीं है। सोन नदी पर 1862 में बना। कोईलवर पुल 162 साल का हो चुका है। पूर्व मध्य रेल के अंतर्गत पांच रेल मंडल है। इनमें दानापुर धनबाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, समस्तीपुर, सोनपुर रेल मंडल। इन रेल मंडलों के पुलों की पड़ताल के दौरान है पता चला कि पूर्व मध्य रेल में कुल 9054 पुल है जो वर्तमान में कार्यरत है। इनमें से 2951 पुल अपने आयु पूरी कर चुकी है। तकनीकी तौर पर इन रेल पुलों की आयु 100 वर्ष है। ब्रिटिश काल के 3416 फूलों पर अभी भी दौड़ रही है ट्रेन। आजादी दी जाए या न दी जाए इसका अंतिम बैठक ब्रिटेन में हुआ था। इस बैठक में महात्मा गांधी,सरदार वल्लभभाई पटेल एवं भीमराव अंबेडकर नहीं गए थे। इस बैठक में विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि भारत आजादी के काबिल नहीं है। आजादी देने का मतलब अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के हाथ में देश सौंप देना। आज मेरा एक चौकीदार से अपराधी जितना भय खाता है उतना भय पुलिस के बड़े-बड़े अधिकारियों से भी नहीं होगी। लाशों की कतारें सजेगी। आज मेरे यहां ठेकेदारी प्रथा नहीं है। आज बनाया गया 80 साल के लिए भवन पुल। 100 वर्ष बाद भी ज्यों का क्यों खड़ा है। आजादी मिलते ही सबसे पहले ठेकेदारी प्रथा शुरू कर दी जाएगी। ठेकेदारी प्रथा होने के कारण भवन पुल आदि आयु के पहले या निर्माण अवस्था में ही स्वस्थ हो जाएगी। आज विंस्टन चर्चिल का कहा हुआ सत्य निकला। ठेकेदारी ईमानदारी साथ-साथ नहीं चल सकती है। ठेकेदारी में कमीशन बांटी जाती है जिसके कारण गुणवत्ता समाप्त है जिसके कारण समय से पहले धराए हो जाती है।●

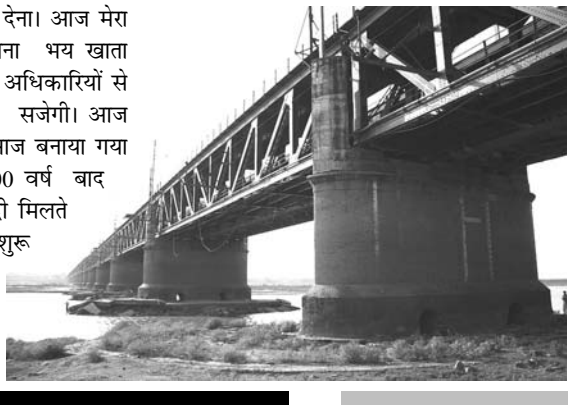

वोटर लिस्ट में नाम काटने का 50 हजार रिश्वत

9 साल से नाम जोड़ने के लिए परेशान है ममता

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार में चुनाव आयोग की उड़ रही है धज्जियां। एक तरफ मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 9 साल से फतुहा के ममता पटेल परेशान नजर आ रहे हैं, दूसरी ओर नाम कटवाने के लिए 50 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। नालंदा जिला के बिहार शरीफ शहर के सोह सराय थाना के 17 नंबर मोड़ के समीप एक फैक्स अध्यक्ष से 50 हजार रुपए रिश्वत लेते निगरानी विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बड़ी बात यह है कि वह चुनाव की मतदाता सूची से 14 फर्जी नाम काटने की एवज में यह रिश्वत ले रहे थे।दुस्साहसी इतने की रिश्वत की रकम लेने के लिए स्वयं लग्जरी कार से बिहार शरीफ पहुंच गए और इस वक्त रिश्वत के रुपए भी गिनती कर रहे थे। निगरानी टीम की डीएसपी सुधीर कुमार ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दूसरी ओर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए हर वर्ष के की तरह इस बार भी विशेष अभियान दिवस चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिलाधिकारी डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह ने अभियान दिवस की सफलता को लिए निर्देश दिए हैं। अभियान दिवस 16 एवं 17 नवंबर के बाद 23 /24 नवंबर को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चलेगा ।जिलाधिकारी ने प्रति 10 मतदान केंद्र पर एक पर्यवेक्षक की प्रति प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया है ।विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। साथ ही स्वयं भी अभियान दिवस का निगरानी करेंगे। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि पटना जिलाधिकारी महोदय का आदेश का कोई पालन नहीं करता है। चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी करने वाले यदि कर्मचारी को जेल भेजते तो ऐसी नतीजा नहीं होती। पटना जिला के फतुहा में भाजपा मंडल के पूर्व पदाधिकारी ममता कुमारी 9 साल से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए परेशान है। अब नाम जुड़वाने ने का चिंता भी छोड़ दिया। यह कितना भाजपा के लिए शर्मिंदगी की बात हैं। पिछले साल चुनाव से संबंधित सभी अधिकारियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री तक निवेदन किया गया था। प्रधानमंत्री का चिट्ठी ऊपर से लेकर फतुहा प्रखंड तक पहुंच गया। सरकारी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया तथा 8 बजे रात्रि को प्रखंड कार्यालय से कुछ कर्मचारी आए तथा सभी प्रमाण पत्र को साथ-साथ आधार कार्ड के छाया प्रति तक ले गए। उस समय लगा कि इस बार अवश्य बन जाएगा। जब वोटर लिस्ट बन कर आया तो फिर ढाक के तीन पात निकला। डॉ लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल ने जिलाधिकारी महोदय से कहा चुनाव में सुधार के लिए आदेश की कतार सजाने से नहीं सुधर सकती, संबंधित कर्मचारियों को जेल भेजनी होगी।●

सरकारी अधिकारियों को सजा के तौर पर तबादला, गिरफ्तारी क्यों नहीं

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरा मकसद है नेताओं की सूरत बदलनी चाहिए। पुलिस जब नियम और कानून को ताक पर रखकर काम करती है, निर्दोष को जेल भेजती है तब यदि जनता द्वारा विरोध किया जाता है तो संबंधित पुलिस कर्मियों को तबादला कर दिया जाता है। क्या ऐसा करने से पुलिस सुधर जाती है, संस्कारवान हो जाती है, घूस लेना बंद कर देती है, जनता को गाली देना बंद कर देती है। यह बड़े-बड़े अपराधियों को घड़ पकड़ शुरू कर देती है। दरअसल पुलिस में खामियां भर्ती के समय से ही शुरू हो जाती है। जिस व्यक्ति का खानदानी इतिहास अन्याय का विरोध करने का कभी रहा ही नहीं है, जिसका इतिहास रहा है। जिसका इतिहास रहा है घूसखोरी, कमिशन खोरी देखते रहने के बावजूद चुप रहना ऐसे लोग पुलिस में भर्ती होकर क्या कर्तव्य दिखाएंगे। दुनिया में कोई भी व्यक्ति चूहे को सांप पकड़ने की कला सीखा दे तो क्या वह सांप को देखते ही भाग खड़ा नहीं होगा। बाघ को पकड़ने के लिए बकरियों को संवैधानिक अधिकार मिल भी जाए तो क्या बाघ के सामने बकरी खड़ी भी हो सकती है। इसी प्रकार गाय का खोल बैल को पहना दिया जाए तो क्या बैल दूध देने लगेगा, बैल को कितना भी ट्रेनिंग दे दे घोड़े की तरह सवारी नहीं कर सकता है।

स्थानांतरण कौन सी सजा है यह आम जनता को समझ से परे है। जनता यही जानती है कि किसी मशीन का कोई पूर्जा खराब हो गया या काम करने लायक नहीं है तो आप पाट पूर्जा दूसरे मशीन में भी काम नहीं करेगा तथा खराब पूर्जा दूसरे अच्छे मशीन को भी खराब कर देगा। अपराधी चाहे कितना भी बहुत पहुंच पैरवी वाले क्यों न हो। स्वाभिमानी पुलिस अधिकारी पुलिस अधिकारी अपराधियों पर वैसे आक्रमण करती है जैसे नेवला सांप पर कर देती है। जिस पुलिस अधिकारी का नहीं खानदानी इतिहास रहा हो और नहीं स्वाभिमानी हो तो वैसे पुलिस कर्मियों की स्थिति वैसी हो जाती है जैसे बिल्ली के सामने चूहे की होती है। पुलिस ही ऐसा विभाग है जो किसी भी तरह के अपराध हो या भ्रष्टाचार को कानूनी रूप से सुधार सकता है या कार्रवाई भी कर सकता है। आंगनबाड़ी हो या जन वितरण प्रणाली,विकास योजना में गवन घोटाला, आदि पुलिस प्राथमिक विद्यालय की रफ्तार कर सकते हैं परंतु अपवाद में ही मिलेगा। शायद बिहार के इतिहास में पहली घटना की उदाहरण है। पटना जिला के फतुहा प्रखंड अंतर्गत सुडीहा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक अनुपस्थित रहने के बावजूद फर्जी हाजरी बना कर वेतन ले रहे हैं।इस आरोप में शिक्षक शकल देव पांडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कोई सामान्य व्यक्ति इस तरह का आरोप किसी थाना में ले जाए तो पता चलेगा की क्या जवाब मिलेगा।●

भाजपा कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय डायबिटीज दिवस का आयोजन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर पटना में अंतर्राष्ट्रीय डायबिटीज दिवस का आयोजन किया गया। जिसका अध्यक्षता भाजपा जिला मंत्री शोभा बेटी ने किया। जिसका संचालन भाजपा नगर मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, मुख्य अतिथि होम्योपैथिक के सुप्रसिद्ध चिकित्सा डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि डायबिटीज महामारी की तरह फैलती जा रही है। भारत में करीब 10 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। दुनिया में 44 करोड लोग इससे पीड़ित है। डायबिटीज नाखून से लेकर सिर के बाल तक शरीर के हर अंग को प्रभावित करता है। यह किडनी रोग हृदय रोग, आंखों की रोशनी में कमी, हाथ पैरों की कमजोरी, डायबिटीज फूड और शारीरिक निष्क्रियता का बड़ा कारण है। जांच करने में लापरवाही और दवा खाने में बढ़ती जा रही है उदासीनता के कारण यह कई बीमारियों के कारण बनता जा रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष 10% ज्यादा लोग इससे पीड़ित बढ़ती जा रही। यही

नहीं राज्य की कुल व्यापक आबादी लगभग एक चौथाई लोग डायबिटीज की श्रेणी में आ गए हैं। उन्होंने बचाव का तरीका बताए। उन्होंने कहा कि चीनी, नमक ,मैदा, रिफाइंड तेल का सेवन न करें। प्रतिदिन कम से कम 40 मिनट पैदल चलें, व्यायाम करें , मोटापा और वजन को नियंत्रित रखें ,तनाव से बचें ,लगातार कुर्सी पर काम के दौरान 20 मिनट पर टहले।

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि होम्योपैथी में है कारगर इलाज , बावजूद परहेज करना ही होगा। होम्योपैथी दवा का नाम सल्फर, कार्सिनोसिन, यूरेनियम नाइट्रिकम, आर्सेनिक एल्बम, लाइकोपोडियम। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर सुनील सिंह, अनिल सिंह, संजीव सिंह, पूनम पटेल, कुसुम पटेल, आरती पटेल, शोभा पटेल, रेखा शर्मा, अंकुश कुमार, निशांत पटेल, अनीश कुमार, अमीष कुमार, सीमा कुमारी, अमीषा कुमारी, पूजा कुमारी, रंजीत शाह, सुनील वर्मा, मीना देवी सत्येंद्र सिंह, सत्येंद्र पासवान, दिनेश कुमार, अनामिका पांडे, ममता पटेल आदि मौजूद थे।●

यूरिक एसिड का होम्योपैथिक में कारगर इलाज है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर पटना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता भाजपा मंडल नगर उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी, अनीता पाटनी,डॉ मनीषा कुमारी। मुख्य अतिथि डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा यूरिक एसिड का होम्योपैथी में कारगर इलाज। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा केवल बढ़े हुए यूरिक एसिड के स्तरों को ही कम नहीं करता बल्कि रोगी की शारीरिक प्रतिरक्षा को भी बढ़ाता है। यूरिक एसिड के स्तर अधिक पाए जाने के बाद जोड़ों में दर्द, सूजन, कट-कट की आवाज, गठिया, अर्थराइटिस आदि बीमारी के लक्षण देखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि यूरिक एसिड के स्तरों को ठीक करने के लिए कॉल चिकम, लीडर पाल तथा ग्वायकम नामक औषधियां सर्वोत्तम माना जाता है।

☞ **कॉलचिकम 30/200 :-** गठिया बात के दर्द में होम्योपैथिक की यह दावा विशेष गुणकारी है। इन रोगों को उत्पन्न करने तथा यूरिक एसिड के स्तरों को नियंत्रित करने के लिए सबसे अच्छी होम्योपैथिक दवा कहा जाता है। एड़ी में बहुत दर्द होना, जोड़ों में सूजन, स्थान लाल, पीला स्पर्श कातर,चलने में कठिनाइयां आदि कष्ट देखे जा हैं। मांसपेशियों में बड़ी दुर्बलताएं आदि पाई जाती है ।

☞ **लीडम पाल 30/200 :-** यह दवा उच्च स्तर पर बढ़े हुए यूरिक एसिड को आरोग्य करने की बेहतरीन होम्योपैथिक दवा है। इसके रोगी का दर्द बराबर नीचे से ऊपर की ओर जाता रहता है। यह दवा जोड़ों में रक्त के अंतर्गत अतिरिक्त यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा होने का संकेत देता है।

☞ **ग्वायकम 330/200 :-** घुटने में सूजन, चलने में दर्द जैसे मोच आ गया है, पुराने रोगों में बहुत अच्छा काम करता है। घुटना फुला हुआ, रोगी को गर्मी नहीं होती तथा उसके शरीर से बुरा गंध आता है। समुचे वदन में कभी कभी दर्द हो सकता है। इसमें बहुत कारगर दवा है।

☞ **बेंजोइक एसिड 30/200 :-** कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर रेखा शर्मा,पूजा कुमारी, अनामिका पांडे, पूनम पटेल, कुसुम पटेल, आरती, नाइसी पटेल, अंकुश कुमार,अनीष कुमार, सीमा, अमीषा कुमारी आदि मौजूद थे।●

छः साल तक के 41 फीसदी बच्चों में बौनापन की समस्या

होम्योपैथी में है लंबाई बढ़ाने की दवा, बंबूसा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

राज्य में 0 से 6 वर्ष तक उम्र में 41 फीसदी उम्र बच्चों में बौनेपन की शिकायत है। वहीं 0 से 5 वर्ष तक के 23 फीसदी बच्चे शारीरिक रूप से कमजोर है। महिला वह बाल विकास मंत्रालय के निर्देश पर समिति बाल विकास सेवाएं आईसीडीएस निदेशालय की ओर से सितंबर की पोषण माह के तौर पर मनाया जाता है। इस दौरान पूरे महीने बच्चों की वृद्धि माप की जाती है। इसकी रिपोर्ट हर आंगनबाड़ी केंद्र को भेजना होती है। उसी के आधार पर राज्य और जिला वार रिपोर्ट तैयार की जाती है। बता दें की वृद्धि मैप में राज्य भर के एक लाख। 44 हजार 935 आंगनबाड़ी केंद्र को शामिल किया गया था । जिसमें जीरो से छः साल तक के 74 लाख 4 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को लगाया गया है। इसमें जीरो से 6 साल तक के 90 लाख 88 हजार 558 बच्चे शामिल हुए थे। वहीं जीरो से 5 साल के 74 लाख 4246 बच्चे शामिल हुए। 30 सितंबर तक हर बच्चे को हर सप्ताह वृद्धि माप की गई। इसमें पाया गया औसतन राज्य के 41 से बच्चे बोनेपन के शिकार हो रहे हैं।

जिलेवार बच्चों के बौनेपन की स्थिति (प्रतिशत)में पटना 39, अररिया 49, अरवल 33, औरंगाबाद 47, बांका 47, बेगूसराय 40, भागलपुर 45, भोजपुर 38, बक्सर 43, दरभंगा 42, पूर्वी चंपारण 45, जमुई 43, जहानाबाद 44, कैमूर 44, कटिहार 45, खगड़िया 40, किशनगंज 39, लखीसराय 44, मधेपुरा 40, मधुबनी 39, मुंगेर 41, मुजफ्फरपुर 40, नालंदा 40, नवादा, पूर्णिया 44, समस्तीपुर 47, पश्चिम चंपारण 39, वैशाली 41, सुपौल 45, सिवान 33, सीतामढ़ी 40, शिवहर 47, पूरा 42, सारण 38, सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि लंबाई बढ़ाने के लिए होम्योपैथी में कारगर दवा जिसका नाम है बंबूसा। कोई भी दवाई चिकित्सा के सलाह से इस्तेमाल करें। यह बातें एक बैठक में जानकारी दे रहे थे। यह बैठक फतुहा भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा पटना में डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल बता रहे थे। इस अवसर भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी, भाजपा नगर उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, अंकुश कुमार, अनीश कुमार, रेखा शर्मा, सीमा कुमारी पूजा कुमारी, अमिषा कुमारी, अनामिका पाण्डेय, सत्येंद्र पासवान, शैलेश गुप्ता, पूनम पटेल, कुसुम पटेल, आरती पटेल, नाईसी कुमारी, शोभा पटेल, निशांत पटेल, संजू कुमारी, जितेंद्र मिस्त्री, रंजीत शाह आदि शामिल थे।●

सम्पर्क सूत्र मोबाइलः- 920409077

कैंसर एक जटिल रोग

● **विकाश कुमार/संतोष कुमार मिश्रा**

कैंसर शायद सबसे ज्यादा डरावने और भयावह रोगों में से एक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कैंसर मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। अध्ययनों के अनुसार, भारत में हम हर दिन कैंसर के कारण 1300 मौतें देखते हैं। ये ऑकड़े वाकई चौंकाने वाले और डरावने हैं। हाल के कुछ दशकों में, कैंसर की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, तो आइए कैंसर पर डॉक्टर एल0 बी0 सिंह के राय जानते है।

डॉक्टर एल0बी0 सिंह महावीर कैंसर संस्थान पटना के चिकित्सा अधिक्षक है। डॉ एल0बी0 सिंह का कहना है कि महावीर कैंसर संस्थान को कैसे चलाया जाये उसकी सारी व्यवस्था करते है तथा मैं अपने सहयोगीयों के साथ मिलकर इस संस्थान की सारी व्यवस्था करते है। डॉ सिंह का कहना है कि महावीर कैंसर संस्था पूर्वी भारत का पहला सबसे बड़ा अस्पताल है तथा भारत का सेकंड लार्जेस्ट कैंसर अस्पताल है। यहॉ लगभग 700 बेडस है। पहला महाराष्ट् में टाटा मेमोरीयल है जो कि सरकारी है वहॉ हमसे थोड़ा सा ज्यादा बेड है,जिसे हमलोग जल्द ही मेकप कर देंगें। प्राईवेट सेक्टर में हम से कोई बड़ा कैंसर अस्पताल नही है। हमलोग नया अस्पताल बनाने जा रहे है जो बच्चो के लिए होगा, ये हिंदूस्तान का पहला होगा। जिसका नाम होगा महावीर पेडियक्ट्री कैंसर हॉस्पीटल, महावीर कैंसर संस्थान गरीब मरीजों का आस्था का केन्द्र है। डॉ0 एल0बी0 सिंह का कहना है कि कैंसर तब होता है जब शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़कर टयूमर बनाती हैं, या स्वस्थ ऊतकों को नष्ट कर देती हैं। कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभवित कर सकता है। कैंसर एक जटिल रोग है, जिसका कारण कई कारक हो सकता है, जैसे आनुवंशिकी, वातावरण और जीवनशैली। जो लोग धूम्रपान करते है उनमें धूम्रपान का हिस्ट्री जरूर होता है, तो धूम्रपान भी एक महत्पूर्ण कारण है कैंसर का। इनका कहना है कि कोई भी गाठ नजर आता है तो उसको तुरंत चेकअप होना चाहीऐ और सरवाईकल कैंसर के लिए पैप स्मीयर का जॉच होता है। यह रूटीनली 30 से 35 वर्ष बाद कराते है। इससे क्या होता है कि कैंसर का पहचान बिना किसी सिम्टम्स के पता चल जाता है। यह सबसे महत्वपूर्ण है जो साल में कम से कम एक बार यह टेस्ट कराना जरूरी है। डॉ सिह का कहना है कि एक ही कैंसर से पीड़ित मरीजों का समस्याएं अलग अलग होती है, तो उसके अनुसार उनका इलाज होती है। कैंसर के इलाज का तीन पद्धति है, एक जो है वह सर्जरी,

दूसरा होता है रेडियेसन और तिसरा होता है केमोथेरपी। उसके बाद होता है कि किस मरीज को क्या आवश्यकता है यह निर्भर करता है कि बिमारी किस ढ़ंग का है। उस अनुसार सर्जरी होगा, उस अनुसार सेकाई होगा, उस अनुसार केमोथेरपी होगा। एक ही ईलाज सभी को नही होगा। उनसे पूछने पर कि कैंसर का लक्षण तथा सबसे ज्यादा कौन सा कैंसर होता है। इस पर डॉ सिंह का कहना है कि कैंसर का लक्षण निर्भर करता है कि किस अंग का कैंसर है, जैसा कि हमने जिक्र किया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर कॉमन है, तो वहॉ कही गाठ नजर आता है। ये बढ़ता जाता है, र्दद करता है तो एक लक्ष्ण यह हुआ। इसके बाद मासी, एमसी रेगुलर होने लगता है ये सब कॉमन है। जेनरल है जो बिकनेश हो जाना, बजन कम हो जाना। मुॅह का कैंसर है, उसमें भी कही मांस बढ़ेगा,घाव नजर आयेगा। लंगस में खासी होती है, खॉसी के साथ खुन गिरती है, कफ के साथ खुन गिरता है। ये लंगस कैंसर का लक्षण है। पेट में आई भुख नही लगती है। ऊलटी होती है, धिरे-धिरे ज्योंडिश हो जाता है ये सब पेट का लक्षण है। निचे में बडी आत में एनल केनाल का कैंसर है पैखाना के रास्ता से खुन निकलता है। ये सब लक्षण है कैंसर के।

सबसे ज्यादा महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर होता है, ये दो कैंसर कॉमन हैं। पुरूषों में सबसे ज्यादा प्रोस्टेट का, चेस्ट का तथा मुॅह का। मुॅह का कैंसर दोनो में होता है। मुॅह का कैंसर कॉमन है ये रूलर क्षेत्र में तो बहुत ज्यादा होता है। और बच्चों में ब्लड कैंसर सबसे ज्यादा होता हैं। महीलाओं में स्तन कैंसर सबसे ज्यादा होने के क्लियर कट कारण अभी नही पता चला है। जैसे बैक्टीरिया, वायरस जैसे बैक्टीरिया के कारण बिमारी होती है, टीबी होता है निमोनिया होता है। वायरस के चलते कोरोना होता है। जानकारी है इसका अगेंस्ट में सूई पड़ता, वैक्सीनेशन हुआ कोरोना काल में, लेकिन कैंसर का कंफर्म कॉज नहीं है। लेकिन अभी सर्वाइकल कैंसर को रोकने का वैक्सीन निकल गया है। एचपीभी उसका नाम है। एचपीभी वैक्सीन उसका रियल समय होता है, 9 वर्ष से 14 वर्ष के बीच में लेले दो डोज ये आईडीयल हैं। उसका मतलब है कि सादी होने से पहले, बच्चा होने से पहले ईन्टर कोर्श से पहले। एडभांस उम्र में भी ले सकते है लेकिन हायर डोज में दो के बदले तीन लेना पड़ता है। इसमें बहुत बड़ा सफलता मिली है मेडिकल साईन्स को जो सर्वाकल कैंसर का वैक्सीन निकाल कर। उनका कहना है कि कैंसर का बचाव के लिए नियमित जॉच करवाते रहीयें, नियमित व्याम करते रहीये, नियमित भोजन किजीऐ, पौष्टीक भोजन किजीऐ ये तीन चिज करते रहीये। इसके अलावा धूम्रपान से बचना और अल्कोहल का सेवन नही करना है। कैंसर पीड़ीत मरीज के लिए महावीर कैंसर संस्थान किस प्रकार सहायता करती है।

इस पर डॉ सिंह का कहना है कि हमलोग कैंसर पीड़ीत मरीजो के लिए हमेंशा ततपर रहते है, जितनी सहायता होती है उतना हमलोग करते है ये गरीबों का अस्पताल है।

गरीबो का अस्था है इस अस्पताल के प्रति। जितना होता है हमलोगों से उतना मद्त करते है। जहॉ तक बात है आर्थिक मदद कि तो शुरू में महावीर मंदिर ट्स्ट से हरेक मरीज को दस हजार रूपया देते है, जो आता है उसे लैटाते नहीं हैं। और बच्चा को पन्द्रह हजार जॉच होता हैं। उसके बाद कंसेशन करते हैं। दस, बीस, पचीस, पचास जैसा कंसेशन करते है। और जो सहयोग राशि मिलने कि संभवना रहती है जैसे अभी आयुष्यमान भारत है उसका मैं बेस्ट इम्प्लीमेंट कर रहे है। बिहार का नम्बर 01 है। 22 सितम्बर को ज्ञान भवन में कार्यक्रम हुआ था उसमें हमको नम्बर 01 एवार्ड मिला था। इससे काफी लोग प्रभावीत होते है। इसके बाद मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोश से हमलोग पैसा एरेंज कराते हैं यही पर। यही पर फॉरमैलिटी पूरा करके, हमारे स्टाफ जा कर सचिवालय में फार्म जमा करते है। ये सब यहॉ सुविधा है। उसके बाद खाना-पीना देते है जो मरीज भर्ती रहते है। उनको नास्ता, दिन का खाना, रात का खाना सब फ्री। उसके बाद ब्लड देते है 100 रूपया में एक यूनीट जो कि हिंदुस्तान का कोई हॉस्पिटल नही देता होगा। सरकारी आस्पताल में 550 रूपया में पड़ता हैं। और सबसे महत्पूर्ण बात 18 वर्ष के बच्चो को मुफ्त ईलाज करते है। डॉ सिंह से पूछे जाने पर कि आपको कोई समस्या का सामना भी करना पड़ता है तो उनका कहना है कि बहुत सारी गिरिवान्सेज आता है, कि कही व्यवहार सही नही हो रहा है। उस पर एक्शन लेते है पहले उसे प्यार से समझाते है कि मरीजो के साथ आप अच्छा व्यवहार किजीये। ईलाज अपने जगह पर है मरीज के साथ आप समय दिजीऐ तथा मरीज को आदर दिजीऐ और मरीज के साथ अच्छे शब्दों का प्रयोग करे। उस पर कोई कंसेशन करता है तो एक्शन लेते है। यही सब सारी समस्या आती है। देशभर में हर साल 7 नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इस खास दिन को मनाने के पीछे का उदेश्य लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने ताकि कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम और उपचार के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा की जा सके, साथ ही कैंसर से जूझ रहे मरीजों का हौसला बढ़ाना है।●

भक्त झुमराज पांडेय से बना प्रसिद्ध झुमराज बाबा मंदिर

● **प्रो० रामजीवन साहु**

भारत के अदभुत घटनाओं के पश्चात बनने वाले मंदिरों में बटिया झुमराज-मंदिर भी एक है। इस मंदिर की वास्तविक घटना इस प्रकार है। बिक्रम संवत १८५७ में एक शिव भक्त झुमराज पांडेय उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से काँवर में गंगा जल लेकर भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिर देवघर स्थित बैजनाथ धाम जा रहे थे। चलते- चलते थक जाने के पश्चात वे विश्राम के लिए एक स्थान पर रुक गए। जिस स्थान पर रुके, आज वह स्थान बाबा झुमराज के नाम से प्रसिद्ध है। उसी स्थान पर साफ स्थल पर विश्राम करने लगे। विश्राम के पश्चात उन्हें नींद आ गयी। इसी बीच एक शेर आया और उन्हें खा गया। मृत्यु के पश्चात आकाशवाणी हुई कि हे ग्रामवासियों! जिस स्थान पर मेरी मृत्यु हुई है। उसी स्थान पर मिट्टी की मेरी पिंडी बना दो और पूजा -अर्चना प्रारम्भ कर दो। सच्चे मन से पूजा करने वालों की हर इच्छाओं की पूर्ति होगी। वे स्वयं शाकाहारी थे, परन्तु उस क्षेत्र के दूत- भूत के खुशयाली के लिए बकरे की बली देने की प्रथा प्रारम्भ हो गई।

झुमराज स्थान में तीन दिन पूजा होती है। सोमवार, बुद्धवार और शुक्रवार। इन तीनों दिन इतनी भीड़ रहती है कि कहीं पाँव रखने की जगह नहीं मिलतो है। कार्तिक माह में बलि देना निषेध है। शेष ग्यारह महीने बलि पड़ते हैं। बाबा झुमराज स्थान बिहार प्रांत अंतर्गत जमुई जिला के सोनो प्रखंड के बटिया जंगल में है। यह स्थल प्राकृतिक छटाओं से परिपूर्ण है। यह प्राचीन कालीन एक महाराजा और एक राजा के राज्य के सीमाओं के नजदीक है। महाराजा गिद्धौर और चकाई के राजा। एक बार दोनों के बीच युद्ध हो गयी। इस युद्ध में गिद्धौर का महाराजा बिजयी हुए। महाराजा इस बिजय की खुशी में झुमराज बाबा को चौदह बकरों के बलि दिये। यह पूर्ण बलि माना गया। अब प्रतिवर्ष चौदह बकरे की पूर्ण की प्रथा प्रारम्भ हो गई। अपूर्ण बलि भी बाबा को स्वीकार है। झुमराज बाबा के बारे में वहाँ पूजा करने गई। एक महिला भक्त वीणा देवी से बाबा की महिमा के बारे में पूछा, तो वे भक्ति से ओतप्रोत शब्दों में बताई कि बाबा की महिमा अपरंपार है। जो सच्चे मन से मन्नतें मांगते हैं,उनकी इच्छाएं अवश्य पूरी होती है। वे भक्त अवश्य बलि देते हैं। देखिए यहाँ सैकड़ों चुल्हे बने हैं। भक्तजन यहीं पर बनाते हैं और खाते हैं। यहाँ का प्रसाद बाहर नहीं जाता है। यहाँ की एक विशेषता यह भी है कि महिलाओं को यहाँ का प्रसाद खाना बर्जित है।

इस मंदिर में पूजा करने के लिए रसीद कटना पड़ता है। इसका कुछ हिस्सा धार्मिक न्यास परिषद्, पटना को भेजना पड़ता है, चूंकि यह उससे निबंधित है। लाखों न्यास को भेजा जाता है, परन्तु सुविधा के नाम शून्य है। खासकर महिलाओं को विशेष असुविधा है। इसके पूर्व के सांसद श्री चिराग पासवान ने बटिया को गोद लिए थे। वे पाले-पूसे नहीं, बल्कि इसे अनाथ बनाकर रख दिये, फिर भी झुमराज बाबा अपनी कृपा दृष्टि उन पर बनाये रखे। आज वे भारत सरकार के मंत्री हैं और उनका बहनोई अरुण भारती उसी क्षेत्र के सांसद हैं।●

'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में पीएम ने की शिरकत

● **अजय कुमार**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवम्बर को जमुई जिला के खैरा प्रखंड के बल्लोपुर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 6600 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ, शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस समारोह के अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वागत में आपसब बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित हुए हैं इसलिए मैं आप सब लोगों का स्वागत करता हूं और आपसब का अभिनंदन करता हूं। आप जान लीजिए कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी एक-एक काम देश के लिए कर रहे हैं और बिहार को भी पूरी तौर पर मदद कर रहे हैं। आज 15 नवंबर को जमुई में भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्मदिवस के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया है। यह बहुत खुशी की बात है कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी जमुई आए हैं, मैं तहेदिल से उनका स्वागत करता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं। साथ ही बिहार के माननीय राज्यपाल जी,

माननीय केंद्रीय मंत्री जी, बिहार के मंत्रीगण और कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के नायक थे जिन्होंने जनजातीय समाज के लिए काफी संघर्ष किया था। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को रांची में हुआ था। आज रांची अलग हुआ है लेकिन उस समय जब उनका जन्म हुआ था तब बंगाल, बिहार और उड़ीसा सब एक ही साथ था। आजादी की लड़ाई के कुछ दिनों के बाद बंगाल से बिहार अलग हुआ और उसके कुछ महीनों के बाद उड़ीसा अलग हुआ। तब बिहार और झारखंड सब एक ही साथ था। झारखंड काफी दिनों के बाद वर्ष 2000 में बिहार से अलग हुआ था उस समय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में जो केंद्र में सरकार थी, उसने बिहार से अलग झारखंड राज्य बनाने का निर्णय लिया था। देश की आजादी और आदिवासी समाज के उत्थान में भगवान बिरसा मुंडा का बड़ा योगदान रहा है। जब वे अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे तब उन्हें जेल में डाल दिया गया था जहां वर्ष 1900 में 25 साल में उनका निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्रद्धेय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2021 से भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस साल भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्मदिवस का करीब 150 साल हो गया है। जनजातीय गौरव दिवस के

अलावे जनजातीय क्षेत्र के विकास के लिए आज श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी ने 6600 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है, इसके लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूं, यह बहुत बड़ी बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2007 में पटना में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगवाई गई है। राज्य सरकार द्वारा हर साल 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाता है। आज भी वहां पर इसे राजकीय समारोह के रूप में मनाया गया है। वर्ष 2005 में बिहार में एन0डी0ए0 की सरकार बनी तब से हमलोगों ने वहां पर जनजातीय समाज के लिए बहुत सारे काम किए हैं। आज के इस कार्यक्रम में पधारे हुए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का पुन: मैं अभिनंदन करता हूं और इसके साथ बिहार के माननीय राज्यपाल महोदय और इस कार्यक्रम में जुड़े हुए सभी अतिथियों का मैं आभार प्रकट करता हूं। साथ ही इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु राज्य एवं केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री जी की बातों से आपसब को एक-एक चीज की जानकारी होगी। मैं पुन: कह देता हूं कि हमलोग सब दिन के लिए उनके साथ रहेंगे। बीच में गलती कर दिए मेरे यहां के ही कुछ-कुछ लोग। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय से हमलोग साथ में हैं। उनकी सरकार में भी हमलोग साथ में थे लेकिन बीच में कुछ गड़बड़ी हो गई थी लेकिन अब कभी नहीं हमलोग कहीं जाएंगे। हमलोग वर्ष 1995 से साथ रहे हैं। अब हमलोग कहीं इधर -उधर नहीं जाएंगे बल्कि पूरे तौर पर इनके साथ रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी पूरे देश के लिए काम कर रहे हैं और बिहार के लिए भी इन्होंने काफी कुछ किया है और कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी जहां कहीं भी जाते हैं वहां के लिए काफी काम करवा देते हैं। अब यहीं पर आएं हैं तो इन्होंने इतना कुछ विकास का काम करवा दिया। इनका स्वागत है, इनका अभिनंदन है। हमलोग पूरे तौर पर इनके साथ हैं। बहुत खुशी की बात है कि वे आज यहां पधारे हैं, मैं उनका अभिनंदन करता हूं। मैं यही कहूंगा कि आप सबलोग एकजुट रहें और आप सबलोगों से आग्रह करता हूं कि आपलोग हाथ उठाकर प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन कीजिए। हाथ उठाकर प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद आप सबलोगों का। मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने तिलका मांझी की प्रतिमा भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री सहित मंचासीन अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा का स्मारक चिह्न एवं स्मारक डाक टिकट जारी किया। कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान मंच के पास जनजातीय विरासत, वीर सपूतों की गाथा तथा जनजातीय नागरिकों की उद्यमिता पर आधारित लगाई गई प्रदर्शनी का प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। ●

प्यार, ब्रेकअप के बाद षड्यंत्र रचकर प्रेमी को मौत की दी सजा

● मिथिलेश कुमार

प्यार, ब्रेकअप के बाद प्रेमी की हत्या की कहानी का पटकथा लिखने बाली भवानी अपने नए प्रेमी के साथ जेल की हवा खा रही है वही नवालिक भाई को विधि निरुद्ध कर दिया गया है। फिल्मों और कहानियों में सुनने वाली बाते जब दैनिक जीवन में धरातल पर अपने आस पास देखने को मिले तो काफी हैरत होती है। हैवानियत की हद को पार कर पूर्व प्रेमी की हत्या कर उसे ठिकाने लगाने की साजिश की रचने की घटना को नवादा पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है।

नवादा जिले के नगर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों खरीदी बीघा सिसवां गेट सड़क किनारे एक बाइक पर बोरे में बांध कर एक युवक को जला दिया गया था। पुलिस के अथक प्रयास से मृतक की पहचान धमौल थाना क्षेत्र के ढोढा गांव निवासी चंद्रशेखर पासवान के पुत्र प्रवीण पासवान के रूप में की गई थी। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सदर हुलास कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था। ह्यूमन इंटेलिजेंस एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर इस जघन्य कांड में संलिप्त प्रेमिका और उसका नाबालिग भाई समेत 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि 3 वर्ष पूर्व मृतक प्रवीण कुमार अपना कोचिंग क्लास रोह में चलाता था। मृतक प्रवीण कुमार के कोचिंग क्लास में भवानी कुमारी कंप्यूटर क्लास करने आया करती थी। इस बीच कोचिंग संचालक मृतक प्रवीण कुमार और छात्रा भवानी कुमारी के बीच प्रेम परवान चढ़ा। प्रेमिका भवानी अपने छोटे भाई के साथ नवादा शहर के न्यू एरिया मोहल्ले में एक किराये के मकान में रहने लगी। इसी बीच प्रेमिका भवानी का प्रेम-प्रसंग सुधांशु कुमार के साथ चलने लगा। कुछ दिनों के बाद जब प्रेमी का दूसरा प्रेमी सुधांशु को लड़की के पहले प्रेम प्रसंग के बारे में पता चला तो द्वेष में सुधांशु ने प्रवीण कुमार से प्रेमिका भवानी कुमारी के नंबर से चैट करने लगा और पहले का फोटो वीडियो मंगवाने लगा। दूसरा प्रेमी सुधांशु कुमार ने प्रवीण कुमार को भवानी कुमारी की मदद से मैसेंजर पर कॉल किया और न्यू एरिया स्थित अपने फ्लैट पर बुलाया। प्रेमी प्रवीण को बुलाने से पहले ही दूसरा प्रेमी सुधांशु ने पेट्रोल, टेप, रस्सी इत्यादि का इंतजाम कर रखा था। मृतक प्रवीण प्रेमिका भवानी के फ्लैट पर पहुंचा, जहां लड़की का दूसरा प्रेमी सुधांशु कुमार, प्रेमिका भवानी कुमारी और उसका नाबालिग भाई तीनों मिलकर मृतक प्रवीण को रस्सी से बांध दिया और टेप से मुंह बंद कर प्रेमी प्रवीण का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर मृतक के बाइक पर लड़की का दूसरा प्रेमी सुधांशु और लड़की के छोटे भाई मृतक प्रवीण का शव को ठिकाने लगाने नगर के किनारे खरीदी बीघा पहुंचा, जहां सड़क किनारे पेट्रोल छिड़कर कर प्रेमी प्रवीण को उसी की बाइक में बांध कर आग के हवाले कर दिया गया।

पूरा मामला प्रेम प्रसंग की ओर जा रहा था वह कौन था , जिसके चक्कर में उसकी जान गई, पुलिस तमाम साक्ष्यों के आधार पर कड़ियों को जोड़कर गुत्थी सुलझाने में जुटी थी बता दें कि मृतक प्रवीण शादीशुदा नहीं था। बता दें कि रोह में कंप्यूटर क्लास चलाने वाले प्रवीण कुमार मूलतः इसी जिले के पकरीबरावां थाना इलाके के ढोढा गांव के चंद्रेश्वर पासवान के पुत्र थे। 10 नवंबर को नवादा-नारदीगंज पथ पर नगर थाना क्षेत्र के सिसवां मोड़ के पास उनका बोरे में बंद जला हुआ शव बरामद हुआ था। बाइक को भी जला दिया गया था। घंटों मशक्कत के बाद शव की पहचान हो सकी थी। शव का अधिकांश भाग जल जाने के कारण नवादा में पोस्टमार्टम संभव नहीं हो सका था तब शव को पीएमसीएच भेजा गया था। मृतक के बड़े भाई विपिन पासवान ने बताया था कि उनका भाई अपने पार्टनर रोह थाना क्षेत्र के साथे गांव निवासी कुंदन पंडित के साथ रोह बाजार में ग्लैक्सी कंप्यूटर जोन का संचालन करता था। रात्रि में नवादा से ऑनलाइन कंप्यूटर क्लास चलाता था। वह नवादा के कन्हाई नगर मुहल्ला में किराए के मकान में कुंदन के साथ ही रहा करता था। शनिवार की शाम घर से नवादा के लिए निकला था। जिसके बाद अगले दिन उसका जला हुआ शव बरामद हुआ था। आरोपी प्रेमी और प्रेमिका द्वारा साक्ष्य मिटाने हेतु नगर के न्यू एरिया में स्थित एसकेएम कॉलेज के पास मृतक का पैन कार्ड ,पर्स एवं कुछ अन्य कागजात को जला दिया। पुलिस ने गिरफ्तार की निशानदेही पर उक्त स्थल से जला हुआ मोबाइल फोन, पैन कार्ड एवं पर्स बरामद किया है। पुलिस के हत्थे चढ़ी प्रेमिका पकरीबरावां थाना क्षेत्र के दिऔरा गांव की अभय कुमार उर्फ पप्पू सिंह की पुत्री भवानी कुमारी और प्रेमी असमा गांव के सदन सिंह का पुत्र सुधांशु कुमार बताया गया है। बताया जाता है की प्रेमिका भवानी के साथ आपत्तिजनक फोटो- वीडियो कंप्यूटर शिक्षक प्रवीण पासवान की मौत की वजह बन गई। भवानी के दूसरे प्रेमी सुधांशु को जब इन फोटो-वीडियो की जानकारी मिली तो वह आगबबूला हो उठा। इसके बाद उसने घटना की साजिश रच दी और खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। दरअसल, तीन साल से भवानी और प्रवीण में प्रेम प्रसंग चल रहा था। बाद में वह

सुधांशु के संपर्क में आ गई और प्रवीण को छोड़ उससे दिल लगा बैठी। जब सुधांशु को प्रेमिका के पहले प्यार की जानकारी मिली तो वह जल भून गया। इसके बाद उसने प्रेमिका से प्रवीण के बारे में जानकारी ली। इस बीच प्रवीण को अपनी प्रेमिका के दूसरे प्यार की जानकारी मिली तो वह भी आक्रोशित हो गया। एसपी के मुताबिक, प्रवीण ने भवानी को कॉल कर फोटो वायरल करने की धमकी दी थी। जिसके बाद भवानी व सुधांशु को डर बैठ गया कि फोटो वायरल होने पर बदनामी होगी और शादी में दिक्कत होगी। इस धमकी ने आग में भी का काम किया।

☞ **सुधांशु लड़की बनकर करने उससे बात करने लगा :-** वहीं, प्रेमिका के पहले प्यार की जानकारी मिलने के बाद सुधांशु लड़की बनकर प्रवीण से वाट्सएप पर चैटिंग करने लगा। वह भवानी और प्रवीण के साथ वाली फोटो-वीडियो मंगाने लगा। तस्वीरों को देख वह प्रवीण के प्रति द्वेष पालने लगा। फिर भवानी को फोटो वीडियो वायरल होने का डर दिखा कर घटना की साजिश रच डाली। घटना को अंजाम देने के बाद भवानी ने अपने नौ साल के छोटे भाई को भी गुनाह में शामिल कर लिया। प्रवीण के शव को ठिकाने लगाने के लिए भाई को सुधांशु के साथ भेज दिया। इसके बाद दोनों ने सिसवां मोड़ के समीप शव को बाइक के साथ फूंक दिया। साथ ही साध्य मिटाने के उद्देश्य से पर्स, सोनपापड़ी, पैन कार्ड न्यू एरिया स्थित कृष्ण मेमोरियल कॉलेज के पास जलाकर पानी के गड्ढे में फेंक दिया।

☞ **एसआईटी ने जोड़ी घटना की एक-एक कड़ी :-** 10 नवंबर की सुबह जला हुआ शव मिलने के बाद एसपी अभिनव धीमान ने एसआईटी का गठन किया। इस टीम ने विभिन्न स्थानों पर लगी सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। मोबाइल का सीडीआर खंगाला। तकनीकी जांच ने टीम को हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में मदद की। इसके बाद तीनों आरोपितों को पुलिस ने धर दबोचा। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार के नेतृत्व में पानी भरे गड्ढे को सुखाया गया। फिर जला हुआ पर्स, पैन कार्ड आदि बरामद किए गए।

☞ **एसपी की मॉनिटरिंग में टीम को मिली सफलता :-** पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश हो गया है। एसपी की मॉनिटरिंग में एसआईटी ने मात्र पांच दिनों में रहस्य से पर्दा उठा दिया। सदर एसडीपीओ हुलास कुमार, नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों व जवानों ने अथक मेहनत किया। जिसका परिणाम सबके सामने है।

☞ **वारदात को अंजाम देने के लिए कर ली पूरी व्यवस्था :-** दोनों ने मिलकर प्रवीण की हत्या को अंजाम देने के लिए पूरी व्यवस्था कर ली। पेट्रोल, रस्सी, बोरा, टेप आदि का इंतजाम कर लिया। फिर भवानी ने प्रवीण को फोन कर अपने न्यू एरिया वाले किराए के कमरे में बुलाया। फिर 9 नवंबर की शाम जैसे ही प्रवीण कमरे में दाखिल हुआ, दोनों उसपर टूट पड़े। रस्सी से बांध कर मुंह पर टेप चस्पा दिया, ताकि वह शोर न मचा सके। इसके बाद दोनों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। एसपी ने कहा है कि घटना के बाबत पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए गए हैं। जो तीनों को सजा दिलाने में अहम होगा। बहरहाल, प्रेम प्रसंग का एक दुखद अंत हो गया। अब घटना को अंजाम देने वाले दो लोग सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। जबकि विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। महज पांच दिनों में पुलिस ने एक दुखद अंत का पटाक्षेप कर दिया।●

+2 डेरमा अमित को बीपीएससी हेड मास्टर में सफलता

● अनिता सिंह

जिले के अकबरपुर प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय के गणित शिक्षक अमित कुमार का चयन बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित हेड मास्टर परीक्षा 2024 हुआ है। इनके पिता श्री कृष्ण बल्लभ प्रसाद मिडिल स्कूल संदोहरा से प्रधानाध्यापक पद से सेवा निवृत हुई। माता शोभा देवी वही चाचा कामता प्रसाद नासीरगंज हाईस्कूल से प्रधानाध्यापक पद सेवा निवृत हुए। हरि सिंह, सुभाष चन्द्र बोस के साथ प्रेसेडेन्सी कॉलेज कलकता में एक साथ इंटर में पढ़े थे इस विद्यालय के नेट परीक्षा में श्री नीरज कुमार एवं श्री अलोक वर्द्धन 2024 में उर्तीण हुए। वही दादा जी स्व0 हरि सिंह मिडिल स्कूल गोविन्दपुर से सेवानिवृत हुई वही पर दादा स्व0 गणेश सिंह भी शिक्षक थे और क्षरदादा स्व0 रामदुलार सिंह भी शिक्षक थे। श्री कुमार के

दूसरे भाई अरविन्द कुमार लोको पायलट पद पर गोरखपुर मे पदस्थापित है। वही छोटा भाई रविरंजन कुमार नौबतपुर पिपलवा थानाध्यक्ष पद पर पदस्थापित इनका ग्राम हण्डिया प्रखण्ड नारदीगंज के स्थाई निवासी इनकी सफलता पर इन्होने अपर मुख्य सचिव ग्रामीणकाल विभाग एवं राजस्व श्री दीपक कुमार सिंह, राज्यसभा सांसद डा0 भीम सिंह चन्द्रवंशी, मंत्री डॉ0 प्रेम कुमार बिहार सरकार एमएलसी डॉ0 प्रमोद चन्द्रवंशी, पूर्व एमएलसी रामवली सिंह चन्द्रवंशी, पूर्व सदस्य अतिपिछड़ा आयोग प्रमोद चन्द्रवंशी, संपादक केवल सच ब्रजेश मिश्र, संजय सिंह एसपी अशोक कुमार एवं एसपी अनुपम कुमार डीएसपी सदर कृतिकमल, डी0पी0ओ तनवीर आलम, प्रभारी प्रधानाध्याक डॉ0 विजय कुमार, म0 वि0 प्रधानाध्यापक राजेश कुमार, चन्द्रशेखर दास, पिन्टु कुमार, आलोक वर्द्धन, नीरज कुमार, संजू कुमारी, संतोषी कुमारी, लवकुश कुमार, जावेद हवीव, रामप्रसाद, राकेश रौशन, सुबोध शर्मा, प्रमोद चौधरी, सुरेन्द्र चौधरी, मुन्ना प्रसाद, लवली कुमार, मंजु कुमारी, रीतु रानी ने बधाई आर्शीवाद और शुभकामनाएँ दी। ●

साइबर अपराधियों पर पुलिस का सर्जिकल स्ट्राइक जारी

● मिथिलेश कुमार

साइबर पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जहां ऑनलाइन ठगी करने वाले 16 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से मोबाइल लैपटॉप व दस्तावेज सिम कार्ड भी बरामद की गई है। मंगलवार को नवादा के पुलिस कप्तान अभिनव धीमान के द्वारा एसपी कार्यालय में प्रेस वार्ता में एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति के देखरेख में वारसलीगंज क्षेत्र में विशेष छापामारी की गई। जहां बगीचे से बैठकर ऑनलाइन ठगी करने वाला 16 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों के पास से बंगाल का कई सिम भी बरामद की गई है। इन सभी साइबर क्राइम करने वाले युवाओं के द्वारा विभिन्न कंपनियों के नाम पर लोगों को फोन करके झांसा में देकर लोगों से ठगी करने का काम किया जाता है। पुलिस ने सबसे पहले कोचगाव में रेड मारा था और फिर घेराबंदी करके सभी अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों के पास से विभिन्न कंपनियों का मोबाइल भी बरामद की गई है। शातिर साइबर ठग एक बगीचे में बैठ कर देश के विभिन्न प्रांतों के लोगों से धनी फाइनेंस, इंडिया बुल्स के नाम पर सस्ते दर पर लोन आदि का प्रलोभन देकर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने छापेमारी के क्रम में इन साइबर अपराधियों के पास से 15 एंड्रॉयड मोबाइल, 27 जियो का सिम, 1 लैपटॉप, 7 डेबिट कार्ड, 17 आधार कार्ड, 3 पैन कार्ड, 1 वोटर कार्ड और 1 बैंक पासबुक को बरामद किया है। पुलिस के हत्थे चढ़े सभी शातिर साइबर ठग वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कोचगांव, खानपुर और सोरहीपुर गांव और सिमरी बीघा गांव के बताए जाते है जिसमें रवि रौशन कुमार पिता-राजनीति सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, शिवम कुमार पिता-स्व० रामवचन सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज गोपाल कुमार वर्ष पिता-रूदल पासवान सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। सागर पासवान वर्ष पिता-विरेन्द्र पासवान सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। विपुल कुमार पिता-तिरपित सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। मिथुन कुमार पिता-श्री भरत राम सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। अरूण पासवान पिता स्व० कामता पासवान सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवाद सुमित कुमार पिता अनुज सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। दिव्यांश कुमार पिता-महेन्द्र सिंह उर्फडब्लु सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज,छोटु कुमार पिता-अंकुर सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। सुरज कुमार पिता-विजय कुमार सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। 12. सोनु कुमार उर्फ विराट पिता-पिंकु सिंह सा०-कोचगाँव, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा।. सोनु कुमार पिता-अशोक साव सा0+थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। 14. अमित कुमार पिता-अशोक कुमार सा०-खानापुर, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। निवास कुमार पिता विपिन सिंह सा०-सोरहीपुर, थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा। कौशल कुमार पिता सुनील पासवान, सा० सिमरीबीघा थाना-वारिसलीगंज, जिला-नवादा का है।

☞ **फ्लिपकार्ट कार्यालय में हेराफेरी, ग्राहकों के सामान हुए गायब -तीन डिलीवरी ब्वॉय पर प्राथमिकी** :- नवादा नगर थाना क्षेत्र के गोनावां फ्लिपकार्ट कार्यालय में हेराफेरी के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। फ्लिपकार्ट कार्यालय के टीम लीडर करपी थाना क्षेत्र के भगवतीपुर गांव के नंद किशोर सिंह के पुत्र पवन कुमार ने नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में ग्राहकों की डिलीवरी व पिकअप के सामानों की हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया है। मामले में ऑफिस के तीन डिलीवरी बॉय को आरोपित किया गया है। इन पर आरोप है कि अलग-अलग तारीखों में इन लोगों ने अलग-अलग तरीके से सामानों की हेराफेरी की और गायब हो गए। फ्लिपकार्ट के टीम लीडर ने तकरीबन 78 हजार रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया है। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद से सभी डिलीवरी बॉय ऑफिस से फरार बताए जाते हैं। इस मामले में नगर थाने में कांड संख्या 1355/24 दर्ज किया गया है। इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी के आरोप लगाया गया है। पुलिस की मानें तो मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अनुसंधान में पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। मामले में कार्रवाई शुरू कर दी गई है और अनुसंधानकर्ता को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।●

अतिपिछड़ों के हत्यारा फरार, पुलिस लाचार, यही है सुशासन की सरकार : डॉ. रामवली सिंह

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

नीतीश सरकार कहती है कि बिहार में सुशासन की सरकार है। एक और सरकार अर्न्तजातीय विवाह करने वाले को पुरस्कार देती है। एवं सहायता राशि भी देती है। अतिपिछड़ा की लड़ाई में विधान परिषद की कुर्सी गवानी पड़ी सताधारी जाति के लोग हत्या करते है। धमकी देते है। लेकिन पुलिस की गिरफ्त से फरार है। 24 वर्ष के लड़का अर्न्तजातिय विवाह के लिए कही से दोषी नजर नहीं आता है। सरकार दहेज और अर्न्तजातिय विवाह को बढ़ावा दे रही है। इस हत्या काण्ड का केश नं0- 77/24 एफआईआर दर्ज किया गया। इसके पूर्व आवेदन को स्वीकृत कर एफआईआर दर्ज नहीं किया। शादी मंदिर में किया गया। थाना प्रभारी रक्षक के जगह भक्षक बनकर धमकाया सुरक्षा के नाम पर बिना हथियार मे दो सिपाही दी गई। मुख्यमंत्री के जाति के लोग

हत्या करे खुले आम घुम रही है और सरकार अतिपिछड़ा के लिए घड़ियाली आँसु बहा रहे है। ओटो ड्राइवर जसमदीश गवाह है। दशहद मे परिवार जीने को विवश है। इस घटना के बारे में डी0जी0पी0 को अवगत कराकर गरीब अतिपिछड़ा परिवार को न्याय दिलायेगे। उन्होने कहा बिहार में लौलेस, आरजकता का महौल बन जायेगा। परिवार को सुरक्षा दी जाये, गिरफ्तार अविलम्ब हो वहाँ मे थानाध्यक्ष एवं अन्य पदाधि कारी पर उच्चस्तरीय जाँच कराकर 302 का मुकदमा दर्ज हो। मुआवजा देने की बात करूँगा और एक सरकारी नौकरी देने की बात कही है। सरकार बात नही मानी तो पूरे 110 जाति 45 प्रतिशत आवादी वाले सड़के से सदन तक पूरे बिहार मे आन्दोलन करेगा। आने वाला समय बहुत विकराल होगा लोग अपनी सुरक्षा के लिए हथियार उठायेगे और 20 वर्ष पूर्व वाला अपराहण, हत्या, आरजकता वाला बिहार हो जायेगा। इसलिए नीतीश कुमार जी सुधर जायिये और गरीब का न्याय दिलाइये।

नवादा जिला के बौरी गॉव मे दिल दहला देने वाली घटना मे प्रेम विवाह करने के बाद गोली खानी पड़ती है। ऐ कैसा नीतीश का सुशासन है। भाई प्रेमी को अपनी बड़े भाई की कुर्बानी देकर चुकानी पड़ी जब लाश जल रही तो अपराधी फोनकर कहता है कि कैसा महसुस हो रहा है। अभी और चार लाश गिरायेगें। डॉ0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी पूर्व एमएलसी ने कहा कि सरकार सामनति ताकतो को बढ़ावा देकर अतिपिछड़ो को टारगेट कर रही है। लेकिन अतिपिछड़ा डरने वाला नही है। आने वाले विधान सभा मे 45 प्रतिशत आवादी वाले इसका जबाव देगी। आज नया सामान्ति के रूप मे यादव, कुर्मी, उभरका आया है और अतिपिछड़ो ने तंग तबाह बहु बेटी के इज्जत के साथ छेड़छाड़ बलात्कार, हत्या कर रहा है। उन्होने गरीब परिवार के लिए सरकार नौकरी एवं उसके परिजनों को सरकारी राशि चार लाख रूपये का सहयोग दिया एवं प्रसिद्ध हडी रोग डॉ0 के0पी0सिंह ने भी 10 हजार रूपये का सहयोग देने को कहा। प्रेस वार्ता मे उन्होने कहा कि थानाध्यक्ष निलंबित करने से काम नही चलेगा। स्पीडी ट्राइल के तहत अपराध को सजा देकर न्याय दिलाने काम जिला प्रशासन को। नही तो आरजकता का महौल चारो तरफ लुट हत्या, बलात्कार का महौल हो जायेगा। जिले के काशीचक प्रखण्ड के बौरी गॉव में यूवक की हत्या को लेकर पूर्व विधान परिषद रामवली सिंह चन्द्रवंशी मूलअतिपिछड़ा आरक्षण बचाव मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिड़ित परिवार के घर जाकर मिला हूँ। मृतक रौशन कुमार शादी के सिलशिले में बात करने के लिए जमुआवॉ गॉव गया था गोली लगने से रौशन मौत घटना स्थल पर ही हो गई घटना की सूचना मिलते ही गॉव मे कोहराम की स्थिति हो गई पिड़ित और आरोपी दोनो एक ही गॉव के है। लिहाजा गॉव मे तनाव एवं दशहद में है। परिवार की हाल काफी चिन्ताजनक है। पूरे परिवार खौफ मे जीने को वेवस है। असमाजिक तत्वो के सहयोग से अतिपिछड़ा समाज का बेटा रौशन कुमार को दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या करने वाले लोग इतने निर्मिक थे कि टोटो से खींचकर दिन दहाड़े हत्या कर दी गई। इस हिदय विदारक घटना को मै निंदा करता हूँ। वही जिला प्रशासन से मांग करता हूँ। घटना देने वाले आरोपित को शीघ्र गिरफ्तार करे। प्रेम विवाह के पाँच महीने बाद लड़के के बड़े भाई को गोली

मारकर हत्या की गई घटना 18 अक्टूबर की देर शाम 33 वर्षीय रौशन कुमार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव श्रीमान् मौके पर पहुँचकर मामले की जाँच पड़ताल मे जुट कर अपराधिक की गिरफ्तारी के लिए एसआई टीम एवं एफएल टीम का गठन कर डी आई यू की टीम को भी लगाया गया। घटना देर शाम में हुई जहाँ नकाब पोश अपराधीयो ने घात लगाकर गोलीवारी की। हत्या की सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुँची पुलिस को मृतक के परिजनो का आक्रोश झेलना पड़ा परिजनो ने पुलिस पर लपरवाही का आरोप लगाते हुए मृतक का भाई राहुल कुमार ने बताया कि गॉव की ही एक लड़की के साथ मेरा प्रेम संबंध था बीते 9 मई 2024 का हमदोनो ने आपसी सहमति के साथ कोट में शादी कर ली है। शादी के बाद लड़की का भाई माधव कुमार हमेशा हमारे घर पर चढ़कर गाली गलौज और जान मारने की धमकी दिया करता था। 24 सितम्बर को भी माधव के द्वारा चचेरा भाई राज कुमार के साथ मारपीट की गई लेकिन थाना प्रभारी ने आवेदन लेने से इंकार कर दिया उलटे नजराना मांगा गया दोषी अधिकारी को निलम्बित किया गया और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का कहा गया लेकिन अपराधी सताधारी नीतीश कुमार के जाति से आते है। इसका अपराधिक इतिहास रहा है। कई राज्यो के जेल में साइवर अपराध दर्ज है मुम्बई, कलकता, झारखण्ड कई राज्यो मे जेल की हवा रखा चुका है। हत्या के 22 दिन पहले भी परिवार ने सदस्य पर हमला हुआ था जब पुलिस के शिकायत की गई तो कोई कारवाई नही हुई बल्कि उल्टे मामला दर्ज

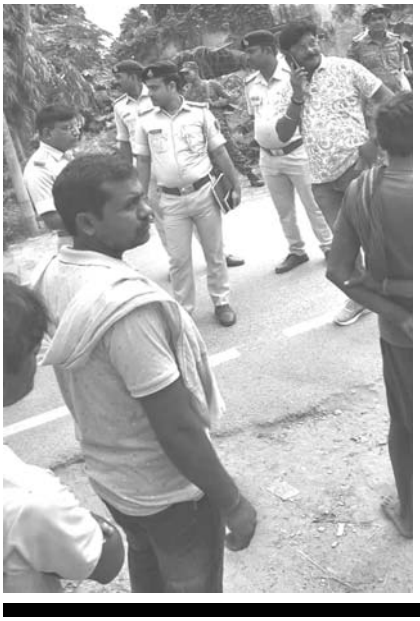

करने के लिए नजराना मांगा गया लेकिन उल्टे आरोपियो की तरफ से ही केसकर राहुल कुमार, राकेश कुमार, गणेश कुमार, शंकर राम को आरोपी बनाया गया पुलिस की लापरवाही का नतीजा हुआ की आरोपी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिसएफआईआर दर्ज कर विधिसम्मत निरोध ात्मक कारवाई करती तो इतनी बड़ी घटना नही घटती। घटना के बाद परिजनो का गुस्सा फूटा और प्रदर्शन करने लगे मामले को गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरीय अधिकारी भी घटना स्थल पर पहुँचे पकरीबरावॉ के डी0एस0पी0 महेश चौधरी द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद कारवाई का आश्वासन देने के बाद रात करीब 2:00 बजे शव को उठाया गया। इस घटना के मृतक के गॉव के ही निवासी माधव कुमार सहित दो अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया उसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनो को सौप दिया गया रौशन की हत्या देर शाम गॉव के बाहर कबिस्तान के पास गॉव के ही उदय प्रसाद के बेटे माधव कुमार सहित तीन अपराधियो ने मिलकर ताबड़ तोड़ गोली मारकर युवक की हत्या कर दिया। यूवक को तीन गोलिया मारी गई थी जिसमे गला, पेट और सीमे में लगी है युवक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। ई-रिक्सा चालक किसी तरह जान बचाई। मई माह से ही उदय प्रसाद की बेटी गुड़िया से प्रेम प्रसंग के जाल में फसाकर सादी रचा ली थी ऐसे लड़की वालिग थी जिससे कोर्ट ने भी राहुल के साथ रहने की इच्छा जताई राहुल और के साथ कोलकता में रहने लगा। लेकिन लड़की के भाई माधव को नागवार लग रहा था। लोगो ने बताया कि शादी के विरोध में लड़की के भाई माधव ने उसी दिन कसम खाई थी कि परिवार के एक-एक सदस्य की हत्या कर देगा। वह बदला लेने के लिए लगातार फिराक मे था। बहनोई के भाई को गोली मारकर हत्या कर दी गई उसी की माँ नगीमा देवी ने कहा कि पुलिस की घोर लापरवाही से हमारे बेटे की जान गई। मृतक की माँ ने डी0एम0 को आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई। लेकिन डी0एम0 ने एस0पी0 को ट्रांसफर कर दिया। लेकिन एस0पी0 ने आवेदन को अनसुन कर ठेठे वस्तु मे डाल दिया। एस0पी0 की लापरवाही भी साफ झलकती है। शव के पोस्टमार्टम के दौरान शरीर के अलग-अलग हिस्से मे मिले बुलेट पुलिस को आशंका थी कि तीन बदमाशो ने अलग-अलग कटटे से दागी थी गोलिया। पुलिस के मुताबिक प्रथम दुष्टया गोलियों के कटटे चलाने जाने की आशंका है क्योंकि अन्य हथियारा से गोलियाँ के चलाने के बाद उसका खोरवा बाहर निकल जाता है। परन्तु घटना स्थल पर कोई भी खोरखा बरामद नही हुआ। राजसभा सांसद ने भी परिजन से मिले 10 हजार रूपया का सहयोग राशि दिया एवं सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

मूल अतिपिछड़ा बुद्धिजीवि मंच के अध्यक्ष डॉ0 केवी सिंह ने घटना स्थल बौरी गॉव जाकर परिजनो को सात्वना दिया और कहा कि एक और सरकार अर्न्तजातिय विवाह को बढ़ावा दे रही है। वही दूसरी और समाज मे दबंग लोग इस घटना का अंजाम दिया। अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह ने कहा कि जिस तरह पहले दबंग भुजग और शक्तिशाली लोगो का शासन था वही सामंतवाद आज फिर लौट रहा है। उन्होने यह भी कहा कि खतरा समाजिक दलित और अतिपिछड़ा व वंचित लोगो का है। माली समाज का प्रतिनिधित्व कर कमलेश सैनी ने कहा कि अगर ऐसी घटना नही रूकी तो अतिपिछड़ा आर्मी का गठन किया जायेगा। मौके पर- रजौली नगर पंचायत प्रतिनिधि प्रमोद सिंह चन्द्रवंशी, कोवाध्यक्ष सुनील कुमार पंडित, उपाध्यक्ष कमलेश सैनी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष नवादा, रवि शंकर चन्द्रवंशी, राम कुमार सिंह, मिथिलेश चौहान, नंदु सिंह, प्रमोद कुमार, मिलन सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमित सिंह चन्द्रवंशी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।●